PROSPECTUS
2021 - 22

पतंजलि विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF PATANJALI

उत्तरांचल राज्य विधानसभा अधिनियम 4/2006 द्वारा स्थापित

Established through Act 4/2006 of Uttaranchal State Legislature

आओ- **वैदिक युग** को वापस लायें...

Let us bring back Vedic Era...

7वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से योगान्मुख भारत से योगान्मुख विश्व की परिकल्पना को चरितार्थ करते योगऋषि पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज व आयुर्वेद शिरोमणि श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज

INAUGURATION OF CORONIL TABLET

पतंजलि की कोरोनिल टेबलेट का लोकार्पण माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन एवं माननीय केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गडकरी जी की उपस्थिति में

PATANJALI IN THE SERVICE OF MANKIND

वैश्विक महामारी कोरोना में जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुँचाने हेतु राज्य सरकार के सहयोग से
बेस हॉस्पिटल, हरिद्वार का संचालन पतंजलि द्वारा किया गया
उद्घाटन कार्यक्रम में पूज्य स्वामी जी महाराज व श्रद्धेय आचार्य जी महाराज के साथ
माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड श्री तीरथ सिंह रावत, शहरी विकास मंत्री श्री बंशीधर भगत तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन कौशिक

KUMBH 2021

भारतीय परम्परा के महापर्व 'कुम्भ' में बड़ा पंचायती अखाड़े की पेशवाई में कार्ष्णी पीठाधीश्वर गुरु शरणानंद जी महाराज के साथ
पूज्य स्वामी जी महाराज व श्रद्धेय आचार्य जी महाराज

DIGNITARIES
VISIT TO PATANJALI INSTITUTES

यज्ञ में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्यगण

पूज्य स्वामी प्रेमविवेकानन्द जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्यगणों का पूज्य स्वामी जी महाराज एवं पूज्य आचार्य जी महाराज द्वारा हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

विख्यात संत पूज्य मोरारी बापू का पूज्य स्वामी जी महाराज एवं पूज्य आचार्य जी महाराज द्वारा हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से नेपाल नरेश का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन करते पूज्य स्वामी जी एवं पूज्य आचार्य जी

उत्तराखण्ड के नवनियुक्त मुख्यमंत्री माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत व अभिनंदन करते ऋषिद्वैय

एम्बेसडर अखिलेश मिश्रा, सचिव (विदेश मंत्रालय) का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन करते पूज्य आचार्य जी महाराज

PROSPECTUS
2021-22

FOR

UNDERGRADUATE AND POSTGRADUATE PROGRAMMES

UNIVERSITY OF PATANJALI,
PATANJALI YOGPEETH-1,
HARIDWAR- 249405 (UTTARAKHAND) INDIA

(Established through Act 4/2006 of Uttaranchal State Legislature)
www.universityofpatanjali.com

कुलगीत

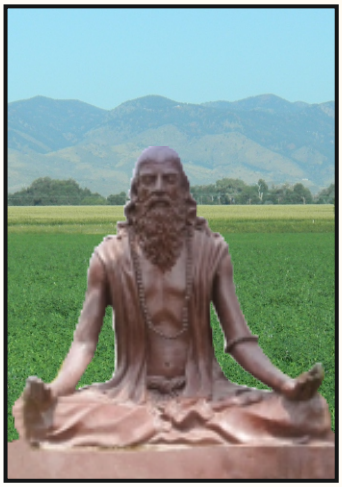

जयति जय जय हे, योग विद्या संस्थान
पुरा संस्कृति और नव युग का प्रतिष्ठान।
जयति .....

आत्मगौरव राष्ट्रनिष्ठा, विश्वभर में प्रतिष्ठा
ऋषि पतंजलि योग, शिक्षा का यह धाम।
जयति .....

चरक सुश्रुत धन्वन्तरि की साधना का सार लेकर
विश्व-मंगल कामना का करता यह आह्वान।
जयति .....

सर्वे भवन्तु सुखिनः जनमानस का है भान
जड़ी-बूटी, वनौषधि से हो पूर्ण यह अभियान।
जयति .....

योग, आयुर्वेद, विज्ञान शोध और अनुसंधान
शाश्वत संस्कृति, मनोहर दृढ़ संकल्प का वरदान।
जयति .....

सुप्त जग को जागृत करता इसका अनुपम गान
युग चेतना, नव क्रान्ति, ये योगपीठ महान्।
जयति .....

गांव, किसान, जवान स्वदेशी का अभियान।
जन-जन को आन्दोलित करता भारत स्वाभिमान।
जयति .....

Vision

To play a leading role in giving new and higher dimensions to the philosophy and practice of Yoga, Ayurveda and Indian culture within the country and across the globe; to endeavour that the knowledge contained in the above fields in Indian and other traditions, along with that of medicinal plants and herbs, be incorporated and accorded their rightful place in the higher education system; to prepare global citizens by bringing together the Vedic knowledge and the modern sciences, who would be equipped with diverse skills, in tune with international standards, and be inspired by sattvic (righteous & ethical) karma (conduct & practices) and spiritual intuition, and also who would, imbued with the spirit of karma yoga, make incessant all-out effort to achieve their goals and be endowed with a balanced, integral and scientific outlook.

Mission

- To bring about divine combination of Yoga and Ayurveda for use by the world in 21st century.
- To carry forward the knowledge of Yoga and Ayurveda to the door step of every town, village and to contribute to the creation of healthy, prosperous and spiritual person, society, nation and world.
- Achieving excellence in Vedic and modern knowledge, science and research in the field of Yoga, Ayurveda and other traditional medicinal systems and Indian culture.
- Empowering students to achieve their professional goals in the context of Vedic knowledge and Modern science.
- Diverse dimensions of education – distance education system, strengthening educational relations by providing self-employment, vocational and self-reliance based education.
- To bring harmonious functioning in heritage, culture and environment for improving quality of life.
- Learning the related highest human values.

प्रवेश प्रक्रिया एवं महत्त्वपूर्ण तिथियां

आवेदन-पत्र ऑनलाइन या विश्वविद्यालय कार्यालय पटल से प्राप्त एवं जमा करने की तिथियाँ निम्नलिखित हैं:

1.	आवेदन-पत्र प्राप्त करने की तिथि	-	26 जुलाई से 16 अगस्त 2021 तक
2.	आवेदन-पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि	-	20 अगस्त 2021 तक
3.	विलम्ब शुल्क 100/- रुपये सहित आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	-	25 अगस्त 2021
4.	विभिन्न पाठ्यक्रमों में सफल अभ्यर्थियों की सूची (प्रतीक्षा सूची सहित)	-	06 सितम्बर 2021
5.	प्रवेश हेतु चिकित्सकीय परीक्षण एवं शुल्क सहित समस्त वांछित आलेख (प्रमाण-पत्र एवं शपथ पत्र) जमा करने की तिथि	-	15 सितम्बर से 20 सितम्बर 2021
6.	सत्र प्रारम्भ (2021-22)	-	1 अक्टूबर 2021

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

1. आवेदन पत्र सहित विवरणिका पतंजलि विश्वविद्यालय के कार्यालय से रुपये 1000/- का भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। डाक द्वारा विवरणिका व आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए रुपये 1050/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट (जो कि 'पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार' के नाम पर देय होगा) का भुगतान कर सकते हैं।
2. पूर्ण रूप से भरे हुये आवेदन-पत्र के साथ सभी आवश्यक स्व-सत्यापित प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति तथा अपना पता लिखे हुए 10"X12" (A4 साईज) एवं 10"X4.5" आकार के लिफाफे संलग्न कर रजिस्टर्ड डाक द्वारा ''प्रवेश विभाग, कुलसचिव कार्यालय, पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार-249405, उत्तराखण्ड (मो0 नं0: 9760095219, 9520984211, 9520984212, फोन नं0- 01334-273600) पर प्रेषित करें।
3. वेबसाइट- www.universityofpatanjali.com के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन-पत्र, रुपये 1,000/- भुगतान कर जमा कर सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया

1. देश-विदेश से जो छात्र/छात्राएँ पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक हैं, वे अपना ऑन-लाइन आवेदन यथाशीघ्र कर लें।
2. जिन छात्र/छात्राओं की परीक्षा हो चुकी है/ चल रही है अथवा निकट भविष्य में होने वाली है वे छात्र/छात्राएँ भी अपना ऑन-लाइन आवेदन कर सकते हैं।
3. भयानक वैश्विक महामारी को देखते हुए तथा यातायात की असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया पात्रता परीक्षा की योग्यता (मैरिट) के आधार पर सम्पन्न होगी। सफल अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय वेबसाइट द्वारा सूचित किया जायेगा।

Admission Process and Important Dates

Dates for receipt & submission of application forms through online or University office are as below:

1.	Date for issue of Application Form	-	26 July to 16 August 2021
2.	Last date for submission of duly filled Application Forms	-	20 August 2021
3.	Last date for submission of duly filled Application Form with Late Fee (Rs. 100/-)	-	25 August 2021
4.	List of students admitted in various Courses with Waiting List	-	06 September 2021
5.	Submission of required documents (Certificates & Affidavits) with medical examination & fees	-	15 September to 20 September 2021
6.	Commencement of the Session (2021-22)	-	01 October 2021

Important Information:

1. Prospectus with application form can be obtained by paying Rs. 1000/- from the office at University of Patanjali. To obtain prospectus with application form by post, please send Bank Draft of Rs. 1050/- in favour of "University of Patanjali" payable at Haridwar.
2. Filled in application form along self attested photo copies of all the required documents with self-addressed envelope of $10^2 \times 12^2$ (A4 size) and $10^2 \times 4.5^2$ to be sent through Registered post to the address- **Admission Section, Registrar Office, University of Patanjali, Patanjali Yogpeeth, Haridwar-249405, Uttarakhand (Mob. 9760095219, 9520984211, 9520984212, Ph.- 01334-273600).**
3. Candidate can apply online through online payment of Rs. 1,000/- by accessing **www.universityofpatanjali.com.**

Admission Process:

1. Interested national & foreign students are advised for prompt application to take admission in dignified courses of the University of Patanjali.
2. Students appeared/ appearing/ to be appeared in their qualifying exam can apply.
3. Due to ongoing pandemic and transportation hardship, the selection of the students in this academic year will be on the merit of qualifying exams. Successful qualified candidates will be informed through university website for any further required information

प्रवेश हेतु महत्त्वपूर्ण निर्देश एवं नियम

1. विवरणिका 'वर्ष 2021-22' को पतंजलि विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.universityofpatanjali.com) से 'डाउनलोड' किया जा सकता है।
2. प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि का पालन करें।
3. अभ्यर्थी इस विवरण पत्रिका में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़ें। आवेदन-पत्र सब प्रकार से पूर्ण होना चाहिए। निर्धारित तिथि तक पूर्ण व उचित दस्तावेजों/आलेखों की जिम्मेदारी आवेदनकर्त्ता की है, दस्तावेजों/आलेखों को जमा न करने पर आवेदक प्रवेश के लिए अयोग्य माना जायेगा। अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण आवेदन-पत्र स्वीकृत नहीं होंगे।
4. जिन अभ्यार्थियों की अर्हता योग्यता परीक्षा का परिणाम प्रायोगिक रूप से विवरणिका में निर्देशित तिथि तक घोषित नहीं किया जाता है वे सबंधित विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/विद्यालय के कुलसचिव/परीक्षा नियन्त्रक/प्रधानाचार्य से हस्ताक्षरित उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र अथवा सामान्य पेपर पर उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र कार्यालय की सील सहित देय तिथि तक जमा करवायें।
5. यदि कोई अभ्यर्थी अपने आवेदन-पत्र में गलत सूचना देता है तो उसका आवेदन-पत्र स्वीकृत नही किया जायेगा और यदि कोई अभ्यर्थी गलत सूचना के आधार पर प्रवेश पा जाता है तो पता लगने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा जिसके लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. कोई भी अभ्यर्थी जो अपने पूर्व अध्ययन काल में छात्र के रूप में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता अथवा परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए संस्थान से दंडित हुआ है तो वह प्रवेश के योग्य नहीं होगा। यदि कोई अभ्यर्थी उक्त तथ्यों को छिपाकर प्रवेश पा जाता है तो पता लगने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
7. प्रवेश सम्बन्धी समस्त मामलों में अन्तिम निर्णय का अधिकार विश्वविद्यालय प्रवेश समिति एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को ही है।
8. विश्वविद्यालय में रैगिंग पर प्रतिबन्धित हैं। **विश्वविद्यालय ने 'उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यू.जी.सी. के** 2009 **के नियमों' को अपनाया है।**

नियम और विनियमों की व्याख्या

प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के लिए विवरणिका-पुस्तिका के प्रावधान उपलब्ध दिशा-निर्देश हैं और किसी भी प्रकार से समय-समय पर पतंजलि विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश के संबंध के अतिरिक्त नियम बनाने में किसी सक्षम अधिकारी की शक्ति सीमित नहीं है।

विवरणिका में दिये गये नियम व नियमों की व्याख्या और इसमें मौजूद अन्य सभी जानकारी प्रकाशन के समय सही मानी गई है। सक्षम अधिकारी को किसी भी समय नियमों में बदलाव, प्रवेश के संचालन की शर्तो व किसी भी अन्य जानकारी में बिना बताये बदलाव करने का अधिकार है।

सक्षम अधिकारी बिना किसी सूचना के किसी भी समय विवरण-पुस्तिका में सम्मिलित अध्ययन के किसी भी कार्यक्रम को हटा सकते हैं या किसी भी कारण सीटों की संख्या को कम व बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार के परिवर्तन, चूक या त्रुटियों के लिए छात्रों या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किये गये कठिनाइयों या खर्चों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की जाएगी।

अधिकार-क्षेत्र

सभी विवादों के लिए अधिकार-क्षेत्र हरिद्वार होगा।

नोट-

पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना 5 **अप्रैल** 2006 **को हुई थी। विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर चरण-I, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग बहादराबाद के पास, हरिद्वार** 249405 **(उत्तराखण्ड) में स्थित है। विश्वविद्यालय** 60482 **वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।** 38197 **वर्ग मीटर के कवर क्षेत्र के साथ। विश्वविद्यालय के पास एक उत्कृष्ट बुनियादी ढाँचा है जो छात्रों की शैक्षणिक और पाठ्येतर आवश्यकताओं को पूरा करता है।**

IMPORTANT INSTRUCTIONS AND RULES FOR ADMISSION

1. The prospectus can be downloaded from the UOP website i.e. www.universityofpatanjali.com
2. Adhere to last date for submission of admission form.
3. The application form must be filled up in all respects. Submission of complete and proper documents by the prescribed date is the responsibility of the candidate. Incomplete application is liable to be rejected. Non-submission of documents by the due date shall make a candidate ineligible for admission.
4. Candidates, whose result of the qualifying examination is not Publically declared by the date indicated in the prospectus, shall produce the pass provisional certificate signed by the Registrar/Controller of Examination/Principal of the concerned University/College/Board with official seal. Incase of not meeting the eligibility requirement by due dates, the candidates becomes ineligible and his/her admission will be cancelled if already done. In case result has been declared publically but certificate/degree of qualifying examination has not been issued by the concerned Board/College/University, candidate shall have to produce authentic proof of Provisional Degree Certificate/Marksheet/OGPA from Head of the Institution.
5. If a candidate provides any false information in the application form, his/her application shall be summarily rejected. If any candidate secures admission in the University by providing false information his/her admission shall be cancelled on detection of the facts at the cost and risk of the candidate.
6. It may be carefully noted that the candidate who has been punished at any time in his/her earlier academic career found indulged in the activities of indiscipline or use of unfair means in any of the examination. In case, he/she secures admission by concealing any of the facts on these points the admission is liable to be cancelled as and when it is detected.
7. In all matters relating to admission, decision of the Admissions Committee of the University shall be final.

INTERPRETATION OF RULES & REGULATIONS

The provisions of the Prospectus are the guidelines available to the candidates seeking admissions and do not in any manner limit the power of any Competent Authority in making additional regulations regarding the admissions of the students in the University of Patanjali from time to time.

Disclaimer

The statements made in this Prospectus and all other information contained herein is believed to be correct at the time of publication. However, the competent authority reserves the right to make, at any time without notice, additions and alterations in the regulations, conditions governing admissions, the code of conduct of students, requirements for the degree or the diploma, fees and any other information or statement/rule contained in this Prospectus. Competent authority may delete any programme of studies indicated in the Prospectus, at any time without notice or reduce or increase the number of seats for reasons. No responsibility shall be accepted by the University for hardships or expenses incurred by the students or any other person for such changes, additions, omissions or errors, no matter how these are caused.

Jurisdiction

Jurisdiction for all disputes shall be at Haridwar.

Note:

The University of Patanjali was established on 5th April 2006. The main campus of the University is situated at Phase – 1, Patanjali Yogpeeth, Haridwar-Delhi National Highway, Near Bahardrabad, Haridwar – 249405 (Uttarakhand). The University is spread over an area of 60482 sq. mtr. with a covered area of 38197 sq. mtr. The University has an excellent infrastructure and fulfils academic and extra-curricular needs of the students.

Interaction Session of Hon'ble Chancellor

पतंजलि विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन में पूज्य स्वामी जी महाराज एवं
श्रद्धेय आचार्य जी महाराज के साथ यज्ञ में प्रतिभाग करते समस्त अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थिगण

अनुक्रमणिका

कुलगीत	(i)
प्रवेश प्रक्रिया एवं महत्त्वपूर्ण तिथियाँ	(ii)-(iii)
प्रवेश हेतु महत्त्वपूर्ण निर्देश एवं नियम	(iv)-(v)
विश्वविद्यालय-एक दृष्टि में	01
श्रद्धेय कुलाधिपति का संदेश	02
माननीय कुलपति की कलम से	03
माननीय प्रति-कुलपति का संदेश	04
प्रस्तावना	05
पतंजलि विश्वविद्यालय के अधिकारी गण	06
पतंजलि विश्वविद्यालय के प्राधिकारी गण	07
सलाहकार मण्डल	08
संकाय	09
संकाय-सदस्य	10
संसाधन एवं वातावरण	11-14
पाठ्यक्रम 2020-21	15
पाठ्यक्रम: एक दृष्टि में	16-17
शुल्क विवरण	18
पाठ्यक्रम विवरण	22-35
श्रद्धेय कुलाधिपति द्वारा प्रकाशित साहित्य	36
प्रकाशित साहित्य	37-41
पतंजलि विश्वविद्यालय छात्र नियमावली	42-45
छात्रावास नियमावली	46-48
विद्यार्थियों की दिनचर्या	49
पर्व एवं पाठ्येतर कार्यक्रम सूची	50
रैगिंग क्या है?	51-52
विश्वविद्यालय के सहयोगी सेवा प्रकल्प	53
आवेदन पत्र	**54-56**
अनुलग्नक: विभिन्न शपथ पत्र	57-63
छात्र-छात्राओं द्वारा स्थापित कीर्तिमान	64

Contents

Kulgeet	(i)
Admission Process & Important Dates	(ii)-(iii)
Important Instructions & Rules for Admission	(iv)-(v)
University at a Glance	01
Message from the Revered Chancellor	02
From the Desk of Hon'ble Vice-Chancellor	03
Message from the Hon'ble Pro Vice-Chancellor	04
Preface	05
Officers of University of Patanjali	06
Authorities of University of Patanjali	07
Advisory Committee	08
Faculties	09
Faculty Member	10
Amenities & Ambience	11-14
Programmes 2020-21	15
Overview of Courses offered	16-17
Fee Structure	18
Course Details	22-35
Literatures authored by Revered Chancellor	36
Published Literatures	37-41
Rules & Regulations of Students of UoP	42-45
Hostel Rules & Regulations	46-48
Daily Routine of the Students	49
List of Extra-Curricular activities & Celebrations	50
What is Ragging?	51-52
Sister Institutions of the University	53
Application Form	**54-56**
Annexure- Various Affidavits	57-63
Benchmarks established by the Students	64

विश्वविद्यालय: एक दृष्टि में

पतंजलि विश्वविद्यालय का नाम प्राचीन भारतीय ऋषिप्रवर पतंजलि के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने लगभग 900 ईसा पूर्व योग पर सूत्र युक्त ग्रन्थ संकलित किया था। यह विश्वविद्यालय उत्तरांचल शासन विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग अधिनियम संख्या 717/विधायी एवं संसदीय कार्य/2006 देहरादून, 05 अप्रैल, 2006 द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अन्तर्गत पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 04, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित किया गया एवं भारत गणराज्य के 60 वें वर्ष में उत्तराखण्ड राज्य विधान सभा द्वारा संशोधन अधिनियम संख्या 12/XXXVI(3)/2010/17(1)/ 2009, देहरादून 06 जनवरी, 2010 द्वारा संशोधित किया गया। पतंजलि विश्वविद्यालय पतंजलि योगपीठ न्यास द्वारा वित्त पोषित है एवं दिल्ली- हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग, बहादराबाद के निकट स्थापित किया गया है। यह विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ का सदस्य है।

पतंजलि विश्वविद्यालय में केवल सूचना एकत्रित करने तथा मात्र आजीविका प्राप्त करने पर बल न देकर सामाजिक सौहार्द हेतु व्यक्तित्व विकास पर भी बल दिया जाता है।

योगऋषि स्वामी रामदेव जी एवं आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण जी ने "पुनः प्रकृति की ओर लौटने" का सिंहनाद करते हुए प्राकृतिक खाद्य पदार्थों से योग एवं आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य एवं खुशहाली का मार्ग प्रशस्त किया है। ऐसी विचारधारा का अनुसरण करने वाली बढ़ती आबादी के साथ और अधिक उत्सुकता से भारतवासी ज्ञान के प्राचीन मूल को खोजने चल पड़े हैं। अध्यात्मवाद, स्वास्थ्य रक्षण, समग्र शिक्षा एवं उद्यमिता को पठन-पाठन विधि के मुख्य स्तम्भों में पतंजलि विश्वविद्यालय विशेष रूप से प्राथमिकता देता है।

पतंजलि विश्वविद्यालय के उद्देश्य :

1. पतंजलि विश्वविद्यालय का उद्देश्य प्राचीन ऋषि-महर्षियों द्वारा निर्दिष्ट मौलिक तत्व ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में व्यापक अध्ययन-शिक्षण एवं गहन शोध अनुसंधान द्वारा सुव्यवस्थित कर विश्व स्तरीय विद्या के रूप में स्थापित करना।

(क) राष्ट्रधर्म, स्वदेश प्रेम, स्वदेशी खानपान, आहार-शुचिता, जड़ी-बूटी व आयुर्वेद के संरक्षण व संवर्द्धन के विषय में युवाओं को जागृत करके रोजगारपरक शिक्षा को उपलब्ध कराना।

(ख) योग, आयुर्वेद सहित वेद-वेदांग आदि सभी प्राचीन विधाओं पर आधारित विविध महाविद्यालयों की स्थापना करना एवं स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करना। विश्वविद्यालय में अपने उद्देश्यों के प्रोत्साहन हेतु नये अन्य डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम आरम्भ करना।

2. भारतीय संस्कृति योग, आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवीन परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास केन्द्र की स्थापना और उसके द्वारा:-

(क) ज्ञान की सम्बन्धित शाखाओं में शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

(ख) विद्यालयों में ज्ञान की उत्पत्ति और प्रचार के लिए शोध कार्य की व्यवस्था करना जिससे विश्व पटल पर इन विधाओ को स्थापित किया जा सके तथा छात्र/छात्राओं को रोजगार भी सहज उपलब्ध हो सके।

(ग) योग, आयुर्वेद सम्बन्धी अध्ययन और ऐसी अन्य गतिविधियाँ आरम्भ करना जिससे आम जनता को योग, आयुर्वेद का लाभ मिल सके तथा रोगमुक्त स्वस्थ एवं समृद्ध समाज व राष्ट्र की सोच को विकसित किया जा सके।

University at a Glance

The University of Patanjali (UOP) is named after the great Indian sage Patanjali (c. 900 BC,), who first compiled the numerous writings on Yoga in the form of aphorisms. It was established under University of Patanjali Act No. 04/2006 of Uttaranchal State legislature No. 717/2006, published in the State Gazette on 05.04.2006 & published vide Amendment Act 12/XXXVI(3)/2010/ 17(1)/2009, Dehradun, 06 January, 2010 of Uttarakhand State Legislative Assembly. The University is sponsored by Patanjali Yogpeeth Trust (PYP) and is located on Delhi Haridwar National Highway at Bahadrabad, Haridwar. The University is a member of the Association of Indian Universities.

The education system of University of Patanjali is not restricted only to gain information for employment purposes but also emphasises on personality development for social co-existence.

From self sustaining use of natural resources to self-destructive materialism, Revered Yog Rishi Swami Ramdev and Ayurveda Shiromani Acharya Balkrishna have given the clarion call of 'Back to Nature' and propounded the path of natural food to health and happiness through Yoga and Ayurveda. With the growing mass following, more Indians are eager to go back to Ancient roots of Wisdom. Asceticism, health care, integral education and entrepreneurship are its major domains of teaching-learning.

Objectives of the University of Patanjali:

1. Objective of Patanjali University is to establish and investigate thorought scientific basis for the knowledge advanced by the ancient Indian sages and to undertake systematic research investigations in the background of scientific facts so as to provide it a firm foundation in the emerging world;

a. To provide employment oriented education and awaking to the youths so that they become in-grained to preserve knowledge of Ayurveda, herbal medicines, food hygiene, National duty, indigenous love and Swadeshi life style;

b. To establish various colleges and institutions based on traditional knowledge including Yog, Ayurveda, Veda and Vedang etc. and to provide graduate and post graduate degree courses, to introduce more degree & diploma courses in the University to meet the objectives.

2. To establish an Research & Development Center to promote research and innovations in the field of Yog, Ayurveda, Indian culture and traditional Vedic Sciences.

a. To provide instructions and training in such related branches of learning as it may deem fit.

b. To arrange research activities for the creation and dissemination of knowledge in schools, so that these traditions may be establish on the world fora & also for the research, jobs to the students.

c. To undertake Yoga/Ayurveda and other such activities related studies useful for masses leading to revival of Indian culture in higher esteem.

श्रद्धेय कुलाधिपति का संदेश

मेरे प्रिय विद्यार्थियों!

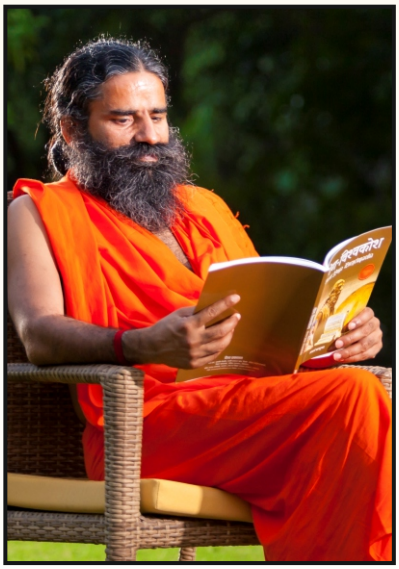

वर्त्तमान समय भारतीय ज्ञान-परम्परा का उत्कर्ष काल है। हमारे पूर्वज ऋषियों, योगियों और विविध विद्या विभूषित आचार्यों ने जीवन का सर्वविध कल्याण करने वाली अपरा व परा विद्याओं अर्थात् आध्यात्मिक, तथा भौतिक, विद्याओं का ज्ञान संपूर्ण विश्व को प्रदान किया था। ज्ञान का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं था, जिसमें भारत ने सूक्ष्म से सूक्ष्मतम रहस्यों को खोज कर मानवता का उत्कर्ष न किया हो।

वर्ष 2020 से आजतक के अन्तराल में संपूर्ण विश्व वैश्विक महामारी से भयभीत, संत्रस्त और चिन्तित है। ऐसी विषम परिस्थिति में योग और आयुर्वेद के साथ-साथ हमारी भारतीय जीवन पद्धति ने रक्षा कवच बनकर करोड़ों व्यक्तियों की रक्षा की है। हमारा संकल्प है कि हम केवल भारत के 135 करोड़ नागरिकों को ही नहीं अपितु संपूर्ण संसार को रोग, शोक, दु:ख, दरिद्रता, भूख, भय से पूर्ण रूप से मुक्त कर दें। इस सपने को साकार करने के लिये दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ-साथ प्रबल पुरूषार्थ अत्यन्त आवश्यक है। राग, द्वेष, ईर्ष्या, शत्रुता, मनोमालिन्य और आतंकवाद, अत्याचार, भ्रष्टाचार से मुक्त विश्वनिर्माण के लिए शारीरिक, आत्मिक, बौद्धिक बल के साथ-साथ धवल चरित्र, ज्ञान से विभूषित जीवन होना ही चाहिए। इस सत्य को साकार रूप प्रदान करने के लिए पतंजलि योगपीठ योग और आयुर्वेद के साथ ही शिक्षा को सर्वोपरि प्राथमिकता दे रहा है, क्योंकि उत्तम शिक्षा ही हमें श्रेष्ठ मानव बनाती है। हमारे देश के होनहार बालक, बालिकाएं विद्या-संस्कार-चरित्र विभूषित होकर राष्ट्रगौरव बढ़ायें स्वयं यशस्वी होकर भारत माता को वैभव के सर्वोच्च शिखर पर प्रतिष्ठित करें, इसी संकल्प के साथ पतंजलि विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है। हम सनातन वैदिक ज्ञान एवं नूतन वैज्ञानिक अनुसंधान को एक साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इस संकल्पना को मूर्त्त रूप देने के लिए शिक्षा जगत् के प्रतिष्ठित मनीषियों प्रो0 महावीर अग्रवाल, प्रो0 के0एन0एस0 यादव, जो पूर्व में विश्वविद्यालयों के कुलपति पद को विभूषित कर चुके हैं, की सेवायें विश्वविद्यालय को प्राप्त हो रही है। इससे हम सभी गौरवान्वित हैं।

श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी के कुलपतित्त्व एवं सुयोग्य मार्गदर्शन में डॉ0 प्रवीण पूनिया जी, पूज्या साध्वी आचार्या डॉ0 देवप्रिया जी, पूज्य स्वामी परमार्थ देव जी, प्रो0 वी0 के0 कटियार जी, कवि कुलभूषण कविरत्न डॉ0 मनोहर लाल जी आर्य अहर्निश विश्वविद्यालय के गौरव संवर्धन में पूर्णत: समर्पित व पुरुषार्थरत हैं।

समस्त गुरुजनों तथा शिक्षकेतर कर्मयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान करते हुए पुरातन एवं नूतन प्रवेश लेने वाले अपने आत्मीय विद्यार्थियों को अनन्त आशीष एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हुआ सब के सर्वविध मंगल की कामना करता हूँ। पूरा पतंजलि विश्वविद्यालय योगमूलक कर्मयोग, निवृत्तिमूलक प्रवृत्ति, पुरुषार्थमूलक परमार्थ एवं अभ्युदयमूलक नि:श्रेयस के पथ पर चलता हुआ दिव्य श्रेष्ठ विश्व नागरिकों के निर्माण में एक श्रेष्ठतम भूमिका निभायेगा, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है।

स्वामी रामदेव

Message from the Revered Chancellor

My Beloved Students!

The current scenario is the excellence at par for the Bharat's tradition and its knowledge. Our ancestors Rishis, Yogis and various intellectuals, had imparted the knowledge of Apara and Para Vidya i.e., spiritual and physical sciences to whole world which manifests as a patron of creation. There are no such areas of existence, in which Bharat had have not made humanity flourish by discovering the subtlest of secrets.

Interim from the year 2020 till today, the whole world is frightened, distressed and perturbed about the global pandemic. In such strenuous situation, along with Yoga and Ayurveda, we have secured millions of populace by becoming a shield in our cultural way of life. It is our determination that not only the 135 crores citizens of Bharat, but the entire world should be completely free from disease, misery, sorrow, hunger, destitution, and trepidation. In order to make this vision come true, iron-willed determination, vigorous endeavour is crucial. To forge a world devoid of anger, malice, jealousy, enmity, mania and terrorism, despotism, corruption, a life filled with knowledge and best character, accompanying physical, intellectual, and spiritual strength is a must. To make these potentials a reality, Patanjali Yogapeeth is pivotal towards education along with Yoga and Ayurveda because, good education makes us the best human beings. University of Patanjali is determined towards the bright youngsters of our country; shall strengthen the nation's pride by being blessed with education, culture, character, and establish Bharat Mata at the echelon of magnificence splendour. We are leading ahead by enchanting Sanatana Vedic knowledge and modern scientific research simultaneously. To carve a concrete sculpt to this idea, the services of eminent scholars of education world, Professor Mahavir Agrawal, Profesor K.N.S. Yadav; who have had formerly accomplished the post of Vice-Chancellor of universities, are being received by the university. We are all grateful to this.

Dr. Pravin Punia Ji, Pujya Sadhvi Acharya Dr. Devpriya Ji, Pujya Swami Parmarth Dev Ji, Professor V.K. Katiyar Ji, Kavi Kulbhushan Kaviratna Dr. Manohar Lal Ji Arya, under the skilful counsel of Chancellor revered Acharya Balkrishna Ji, is adamant and unconditionally devoted towards the promotion of the dignity and honour of the university.

While transmitting the best aspiration to all the teachers and non-teaching staff, I wish everyone heartiest benison and constant blessings to our old and new students who is proceeding towards admissions.

It is my firm belief that, the entire University of Patanjali would play a magnificent role in the creation of divine best citizens, walking on the path of Yoga oriented Karmayoga, renunciation inclined peopensity, attainment of enlightment through arduous human pursuit, and advancement oriented beatitude.

Swami Ramdev

माननीय कुलपति की कलम से

मेरे प्रिय विद्यार्थियों,

आज संपूर्ण विश्व एक परिवार बना हुआ दिखाई देता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की बात चरितार्थ हो रही है। संचार माध्यमों ने हजारों, लाखों किलोमीटर की दूरियों को निकटता में परिवर्तित कर दिया है। विज्ञान, अभियान्त्रिकी और कप्यूटर के क्षेत्र में विस्मयजनक क्रान्ति हुई है। इन भौतिक उपलब्धियों एवं संसाधनों से बहुत से कठिन विषय अत्यन्त सहज और सरल हो गये हैं, किन्तु भौतिक उन्नति के साथ-साथ अनेक प्रकार की समस्यायें, रोग, शोक, भय, संताप, अत्याचार, अनाचार, भ्रष्टाचार और आतंकवाद की ज्वालाओं में मानव जल रहा है। 2020 से संसार को भयाक्रान्त कर देने वाली वैश्विक महामारी ने विश्व की आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक प्रगति यात्रा को अवरुद्ध कर दिया है। आज का युग, जीवन के चौराहे पर खड़ा हुआ, सोच रहा है, किधर जायें, क्या करें? बेरोजगारी ने विकराल रूप धारण किया हुआ है। ऐसे में आत्मनिर्भर भारत समृद्ध और वैभवशाली भारत रोग रहित स्वस्थ और शक्तिशाली भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न साकार कैसे होगा? इसका एक ही समाधान है, प्राचीन ज्ञान संपदा और आधुनिक अनुसंधान परक ज्ञान का समन्वय, आध्यात्मिकता और भौतिकता का मधुर संयोग तथा पूर्व और पश्चिम का मिलन।

इन सपनों को साकार करने के लिये देश की ऋषि परम्परा को अपना आदर्श और गौरव मानते हुए उन ऋषियों द्वारा प्रदत्त आयुर्वेद, योग, वैदिक शिक्षा, संस्कृति से अनुप्राणित वर्त्तमान की नवीनतम शिक्षा व्यवस्था को अपने किशोर एवं युवा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये परम पूज्य स्वामी रामदेव जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना कर विभिन्न विषयों के विद्वान् प्राध्यापकों द्वारा अध्ययन-अध्यापन एवं अनुसन्धान का उच्चस्तरीय कार्य चल रहा है। विश्वविद्यालय का समस्त आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण भव्य-भवन, छात्रावासों एवं अत्यन्त आकर्षक विशाल भोजनालय के साथ तैयार होकर, समस्त शैक्षणिक गतिविधियां इस नूतन परिसर में प्रारम्भ हो चुकी है। हमारे विश्वविद्यालय के सुयोग्य स्नातक/स्नातिकायें देश-विदेश के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों एवं शिक्षा-संस्थानों में सम्मानजनक पदों पर कार्य कर रहे हैं।

कोविड-19 का हमने धैर्य के साथ प्रतिकार किया है। मुझे यह कहते हुए विशेष आत्मसन्तोष है कि हम देश के समस्त विश्वविद्यालयों के प्रवेश, परीक्षा, अध्ययन, अनुसन्धान आदि में अग्रणी भूमिका में हैं।

सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया हमने प्रारम्भ कर दी है। अनेक विश्वविद्यालयों में कुलपति, प्रति-कुलपति के रूप में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुदीर्घ अनुभव प्राप्त शिक्षाविद्, आई.ए.एस. के रूप में प्रशासनिक पदों पर कार्य करने वाले आई,आई.टी से अवकाश प्राप्त मनीषियों का छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्राप्त है।

श्रेष्ठ व्यक्तित्त्व का निर्माण करने के इच्छुक तथा शिक्षा से अपने जीवन को समलंकृत करने की अभिलाषा वाले किशोर, युवक, युवतियों को स्नातक, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी. आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सस्नेह निमन्त्रण देता हूँ।

पतंजलि विश्वविद्यालय में आप प्रवेश प्राप्त करें, परम पूज्य स्वामी जी का आपको सतत् आशीर्वाद मिले, यह आपका परम सौभाग्य होगा।

आचार्य बालकृष्ण

From the Desk of Hon'ble Vice-Chancellor

My beloved Students,

Today the entire planet appears to be one family. The object of Vasudhaiv Kutumbakam is being realized. The media has converted distances of thousands of millions of kilometres into proximity. There has been an astounding revolution in the field of science, engineering and computers. With these materialistic achievements and resources, numerous difficult subjects have become very smooth and easy, but, along with materialistic advancement, human beings are raging in the blaze of innumerable types of problems, disease, grief, anguish, tyranny, incest, corruption and terrorism. The global pandemic that has terrified the world since 2020 has blocked the journey of world's economic, educational, and cultural progress. The present era, stagnant at the crossroads of life, thinking, where to proceed, what to execute? Unemployment has taken a dire form. In such a situation, how will the dream of self-reliant India, grandeur and prosperous India, disease-free healthy powerful India and Vishwa-Guru India come true? There is only one solution to this, the synthesis of abundant ancient proficiency and modern research-based knowledge, the pleasant liaisoning of spirituality and materiality and the union of East and West.

To realize these dreams, in view of the country's sage tradition as its ideal and pride, the latest education methodology, inspired by Ayurveda, Yoga, Vedic education, culture, provided by the sages, is most revered for the all-round development of its teenage and young students. Under the inspiration and guidance of Swami Ramdev Ji, a towering level of study, teaching and research is going on by the scholarly professors of various subjects through establishment of University of Patanjali. All the academic activities of the university have started in this advanced campus after getting prepared with all the modern facilities, grand buildings, hostels and very attractive spacious eatery. Qualified graduates of our university are working in respectable positions in prestigious establishments and educational institutions of the country and abroad.

We have fought against COVID-19 with perseverance. I have distinctive self-contentment to remark that we are in the forefront of admission, examination, study, research etc. in respect to all the universities of the country.

We have started the admission process for the session 2021-22. The students are getting guided by the Vice-Chancellor, Pro-Vice Chancellor served for many universities, academicians with rich experience in the field of higher education, administrative position like IAS, former scholars from IIT.

I passionately invite teenagers, young men and women, desirous of building the best personality and wishing to integrate their life with education, for admission in undergraduate, postgraduate, PhD etc. courses.

You get admission in University of Patanjali, may you be blessed by Param Pujya Swami Ji, and it will be your inordinate serendipity.

Acharya Balkrishna

माननीय प्रति-कुलपति का सन्देश

आइये! विद्या मधु का पान करें।

जीवन का यथार्थ जानने वाले मनीषियों ने नाना प्रकार से विद्या, ज्ञान और बुद्धि की मुक्तकण्ठ से प्रशंसा की है। **'विद्या विहीनः पशुः' 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' 'विद्याधनं सर्व धनप्रधानम्' 'ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः'** आदि वचन इसके प्रमाण हैं।

चारों वेदों में सर्वश्रेष्ठ माने जाने वाले महामन्त्र, गुरुमन्त्र, गायत्री में 'धियो यो नः प्रचोदयात्' द्वारा बुद्धि की ही प्रार्थना की गयी है। **'बुद्धिर्यस्य बलं तस्य'** बुद्धिबल को अत्यन्त महत्त्वपूर्ण माना गया है। बुद्धिबल से महामति चाणक्य ने महानन्द को राजसिंहासन से पदच्युत कर सामान्य परिवार में उत्पन्न चन्द्रगुप्त को चक्रवर्ती सम्राट बना दिया था। प्रभु तक पहुंचने के लिये विमल ज्ञान एवं निर्मल बुद्धि सर्वोत्तम साधन हैं। श्रीमद्भगवद्गीता का निम्न श्लोक पठनीय है।

इन्द्रियाणि पराण्याहुः इन्द्रियेभ्यः परं मनः।
मनसस्तु परा बुद्धिः यो बुद्धेः परतस्तु सः॥

अर्थात् अचेतन पदार्थों की तुलना में इन्द्रियां श्रेष्ठ हैं, इन्द्रियों से मन श्रेष्ठ है, और मन से श्रेष्ठ है बुद्धि, क्योंकि इससे आगे आनन्दमय कोश का अधिष्ठाता परब्रह्म है।

व्यक्तित्व का सम्पूर्ण या सर्वाङ्गीण विकास विद्या, विवेक तथा बुद्धि से ही होता है। विद्या की प्राप्ति एवं बुद्धि का परिष्कार होता है श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, श्रेष्ठ आचार्य चरणों में बैठकर। इतिहास इस सत्य का साक्षी है, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, योगेश्वर श्रीकृष्ण, महर्षि दयानन्द, स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों का निर्माण महान् गुरुओं के श्री चरणों में ही हुआ।

भारत के उन्हीं नालन्दा, तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों एवं गुरुकुलों की पावनी परम्पराओं को आधुनिक ज्ञान, विज्ञान की धाराओं के साथ संयुक्त करते हुए शारीरिक, बौद्धिक तथा आत्मबल से परिपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करने के लिए योगऋषि पूज्य स्वामी रामदेव जी तथा आयुर्वेद शिरोमणि श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी ने तीर्थ नगरी हरिद्वार में पुण्य सलिला भगवती भागीरथी के पावन तटपर विशाल पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना की है। दिव्यता, भव्यता के साथ-साथ समस्त आधुनिक सुविधाओं एवं उपकरणों से सुसज्जित विश्वविद्यालय का नूतन भव्य-भवन तैयार है।

विशालतम सभागार (ऑडिटोरियम), प्रशासनिक भवन, बृहद् पुस्तकालय, सुन्दर विशाल कक्ष, छात्रावास, लिफ्ट आदि की समस्त सुविधायें इन भवनों में विद्यमान है।

समस्त विश्व ने कोरोना, वैश्विक महामारी की संकट की घड़ियों में देखा कि योग और आयुर्वेद ने सुरक्षा कवच बनकर करोड़ों जीवनों की रक्षा की। जिस प्रकार सहस्राब्दियों पूर्व महाराजा भगीरथ गंगा को भूतल पर ले कर आये थे, उसी प्रकार पूज्य स्वामी रामदेवजी ने गुफाओं में स्थित योग को घर-घर में पहुंचा दिया है।

पतंजलि विश्वविद्यालय के सत्र 2021-22 का शुभारम्भ हो रहा है। प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी हैं।

मैं आप सब छात्र-छात्राओं का स्नेहपूर्ण हृदय से स्वागत करता हूं। आप यहां सुयोग्य गुरुओं से शिक्षा प्राप्त करते हुए एवं परम पूज्य स्वामीजी तथा श्रद्धेय आचार्य श्री के प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक, जीवन का निर्माण करने वाले स्नेहाशीषों से अभिषिक्त होते हुए, उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें, इसी आशा और विश्वास के साथ।

महामहोपाध्याय डॉ० महावीर

Message from Pro Vice-Chancellor

Let's imbibe the nector of Intellect

The mystics, who know the reality of life, have praised *Vidya, Gyan* and Wisdom in numerous ways. ***'Vidyā Vihinah pashu', 'Vidyāyāmritmashnutey', 'Vidyādhanam Sarva Dhanpradhānam', 'Ritey Gyānānn Muktih'*** verses are its evidence.

Considered to be the best of the four Vedas, the super verse, *Gurumantra,* Gayatri, praises the intellect by 'Dhiyo Yonaḥ Prachodayāt'**. 'बुध्दिर्यस्य बलं तस्य'**; Intellectual ability is considered very important. Magnificent Chanakya, with wisdom deposed Mahananda from the throne and instated Chandragupta, the *Chakravarti* emperor who was born in an ordinary family. Explicit knowledge and refined intellect are the best means to outreach almighty. The ensuing verse of *Shrimad Bhagavad Gitā* is legible.

Indriyāṇi Parāṇyāhur Indriyebhyaḥ Paraṁ Manaḥ
Manasas Tu Parā Buddhir Yo Buddheḥ Paratas Tu Saḥ

That is, the senses are superior to the unconscious objects, the psyche is superior to the senses and the intellect is superior to the psyche, because beyond this the Supreme Brahman is the presiding officer of the Sheath of Blissfulness.

The absolute or inclusive evolution of personality takes place only through awareness, wisdom and intellect. The attainment of knowledge and the refinement of the intellect are gained by sitting at the feet of the *srotriya,* Brahmins and teacher of highest order. History is evident to the truth that, great men like *Maryādā Purushottam Shri* Ram, *Yogeshwar Shri* Krishna, *Mahārishi* Dayanand, *Swāmi* Vivekananda were created at the feet of great gurus.

Yogarishi Pujya Swāmi Ramdev *Ji* and *Ayurveda Shiromani* honourable *Achārya* Balkrishna *Ji* has established a gargantuan Patanjali University in the pilgrimage city of Haridwar on the holy banks of the holy *Salila Bhagwati* Bhagirathi to create a personality full of physical, analytical and self-power by merging the sacred traditions of the same universities and *gurukuls* like Nalanda, Taxila, with the currents of modern knowledge and science. Along with divinity, grandeur, the new magnificient building of the university equipped with all modern facilities and equipment is ready.

The largest auditorium, administrative building, macro-scale library, delightful significant room, hostel, lift etc., with all facilities are present in these buildings.

The whole world witnessed in the times of crisis of Corona, a global pandemic that Yoga and Ayurveda saved crores of lives by becoming a protective shield. Just as *Maharaja* Bhagirath had brought the Ganges to the terra-ferma centuries ago, in the same way, revered *Swami* Ramdev *Ji* has brought Yoga to door to door from the caves.

The session 2021-22 of University of Patanjali is starting and admission process has begun.

I extend a warm heartfelt welcome to all of our students. With this hope and faith, you would build a bright future here by getting education from qualified *gurus* and being anointed with the inspirational, knowledgeable, life-creating affections of *Param Pujya Swamiji* and revered *Achārya Shri.*

Mahamahopadhyaya Dr. Mahavir

Registrar

The University of Patanjali is founded on the unique philosophy defined by Param Pujya Swami Ji and Param Shradhey Acharya Ji connecting past and future for contribution towards the cause of education and health in new age yogic life across the globe.

There are faculties i.e. Faculty of Yoga Science, Faculty of Science, Faculty of Humanities & Ancient Studies, Faculty of Medical Science & Research, Faculty of Management and Faculty of Naturopathy. Deans of the Faculties, Finance Officer and the Registrar have been entrusted with the responsibility of imparting education with emphasis on moral, ethical, spiritual and overall personality development of the students; state of the art infrastructure facilities with IT enabled library; smooth and effective management and administration.

Ph.D. students are UGC NET/JRF. University has at its credit the research publications in reputed national / international journals with high impact factor.

The U.G. and P.G. course curriculum has been updated from time to time as per U.G.C. guidelines. Knowledge and skills acquired here are of certain help for students in their career, health and wellness of their families, society and humanity. Apart from the under-graduate courses in Yoga, Philosophy, Sanskrit and Biological Sciences, the University offers M.A., M.Sc., Ph.D and D.Litt. in various subjects.

This Prospectus contains an overview of the courses, rules and regulation regarding admission, hostel rules, finances and other facilities required for students. For further information, please consult our website- **"www.universityofpatanjali.com".**

Dr. Praveen Punia

संकायाध्यक्ष-शिक्षण एवं शोध संकाय

पतंजलि विश्वविद्यालय भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में योग की शिक्षा प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक है। इसका योगदान योग के उभरते हुए क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के साथ-साथ, प्राचीन भारतीय ऋषियों के द्वारा प्रतिपादित अग्रवती ज्ञान को वर्तमान में अपेक्षित अन्वेषण के आधार पर पुनः स्थापित करना व दृढ़ता से प्रतिष्ठित करना है। विश्वविद्यालय में योग-विज्ञान संकाय, विज्ञान संकाय, मानविकी एवं प्राचीन अध्ययन संकाय, चिकित्सा-विज्ञान एवं अनुसंधान संकाय तथा प्रबन्धन संकाय हैं। संकाय सदस्यों के परामर्श से भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान हेतु शिक्षण-कार्य को प्रभावी बनाने का कार्य संकायाध्यक्षों एवं कुलसचिव को सौंपा गया है। उत्तराखण्ड राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार समय-समय पर स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों का अद्यतन (Updation) किया जाता है। हमारा प्रयास विश्व-स्तरीय शिक्षण-प्रशिक्षण कार्य करने-कराने व सिखाने का ऐसा वातावरण प्रदान करना है, जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी अपने व्यावसायिक और बौद्धिक विकास के लिए अपनी पूरी क्षमता का प्रयोग कर सकें। यहाँ से प्राप्त ज्ञान और कौशल, विद्यार्थियों को उनके करियर, स्वयं व परिवार के स्वास्थ्य, समाज और मानवता के कल्याण में निश्चित रूप से मदद करता है। विश्वविद्यालय योग, दर्शनशास्त्र, संस्कृत और जैविक विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रमों के अलावा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

देश के प्रमुख योग विश्वविद्यालयों में से एक होने के कारण, देश के विभिन्न राज्यों के छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर और 'डाक्टरेट' पाठ्यक्रमों के लिए विभिन्न विषयों में प्रवेश दिया जाता है।

इस विवरण-पुस्तिका (Prospectus) में पाठ्यक्रमों का विवरण, छात्रावास नियमावली, वित्त व विद्यार्थियों हेतु सुविधाएँ, नव-प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश के नियमों एवं विनियम के बारे में अवलोकन शामिल है। विस्तृत जानकारी के लिए विश्वविद्यालय वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं - **"www.universityofpatanjali.com".**

प्रो. (डॉ.) वी.के. कटियार

कुलानुशासिका एवं संकायाध्यक्षा-मानविकी एवं प्राच्य विद्या अध्ययन

सदियों पहले भारतीय मनीषियों ने यह वैज्ञानिक उद्घोष किया था कि -''जन्मना जायते शुद्रः, संस्काराद् द्विज उच्चते'' अर्थात् जन्म के समय (By birth) मनुष्य की ज्ञानचेतना व सामर्थ्य अन्य प्राणियों की अपेक्षा अति अल्प होती है, मनुष्य के लिए शिक्षा ही एक मात्र ऐसा साधन है जो इस अल्पज्ञ मनुष्य को मानवीय जीवन मूल्यों से अलङ्कृत करके इसे अमूल्य एवं सर्वपूजनीय बना देता है। आज दुर्भाग्य से कुछ शिक्षण संस्थानों में शिक्षा का स्वरूप जर्जरित होकर दम तोड़ रहा है। ''विद्या ददाति विनयम्'' की जगह आज शिक्षा उद्दण्डता, उच्छृंखलता व खोखलापन देती नजर आती है ऐसे समय में उस मूलभूत शिक्षा की जड़ों से जोड़ने वाला एक मात्र प्रामाणिक शिक्षण संस्थान है - पतंञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार। यहाँ व्यक्ति का शरीरबल, बुद्धिबल, चरित्रबल व आत्मबल सहज ही इसलिए विकसित हो जाता है क्योंकि परम पूज्य कुलाधिपति श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं पूज्य कुलपति महोदय श्रद्धेय आचार्य श्री जी ने अपने साक्षात (Live) जीवन के उदाहरण से एक उच्च चेतना युक्त दिव्य जीवन का वायुमंडल सब छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराया है। सब मनुष्यों में किसी न किसी क्षेत्र (Field) की अनन्य कुशलता (Talent) होती है लेकिन वह प्रसुप्त (Silent) है। सात्विक शिक्षा एवं समर्थ गुरु की कृपा के माध्यम से उसे जागृत किया जा सकता है इसका प्रत्यक्ष (Live) उदाहरण वे स्वयं हैं। मैं सभी देशवासी युवक-युवतियों से यह आह्वान करती हूँ कि ऐसे परम, महान् गुरुओं के दिव्य आश्रय में रहकर तथा अन्य प्रामाणिक, विद्वान्, यशस्वी व धर्मात्मा प्राध्यापकगणों की सन्निधि में आकर अपने जीवन का सर्वाङ्गीण विकास करें तथा अपने कुल-खानदान व राष्ट्र का अपनी सुशिक्षा व संस्कारों से गौरव बढ़ायें। योग, वेद, आयुर्वेद, दर्शन, उपनिषद् व गीता आदि वैदिक संस्कृति की दिव्यता को यहाँ से आत्मसात् करके देश व विश्व के कोने-कोने तक फैला दें। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज के इस विराट् ज्ञान यज्ञ में हम भी एक समिधा के रूप में समर्पित होकर, अपने अज्ञान को नष्ट करके ज्ञान स्वरूप, अग्नि स्वरूप या गुरु स्वरूप बनकर अपना जीवन आलोकित करें। जब सबका जीवन वेदानुकूल अनुशासित होगा शिक्षित, सुखी, समृद्ध, स्वस्थ व संस्कारवान होगा तो इसी धराधाम में रहकर हम स्वर्गीय सुख का आनन्द ले पायेंगे।

हमारी शिक्षा का मूल उद्देश्य है मनुष्य में एकत्व, सह अस्तित्व, विश्वबन्धुत्व का भाव भर देना।

अतः जीवन व संस्कृति के समग्र विकास के लिए आइये पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार की ओर। योगं शरणं गच्छामि।

ऐसी अनन्त शुभकामनाओं के साथ.....।

डॉ. साध्वी देवप्रिया

संकायाध्यक्ष-प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा संकाय

पतंजलि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र को एक नई दिशा देने तथा श्रेष्ठ मानक स्थापित करने वाले एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में आज प्रतिष्ठित है । परम पूज्य आदरणीय स्वामी रामदेव जी एवं श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशों के अनुसार चलते हुए पतंजलि विश्वविद्यालय योग, मनोविज्ञान, आयुर्वेद, मानविकी एवं प्राचीन अध्ययन, शिक्षा एवं अनुसंधान तथा प्रबंधन आदि संकायों के माध्यम से निरंतर प्रगति करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है । इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान संकाय प्रारंभ किया गया है । इसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के क्षेत्र में साढ़े 5 वर्षीय डिग्रीधारक, सुयोग्य, समर्पित एवं सेवाभावी चिकित्सक तैयार करना तथा प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के कर्तव्यनिष्ठ उपचारक तैयार करना है । शीघ्र ही प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के 3 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के डिग्रीधारी चिकित्सकों के लिए प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाने का भी संकल्प है । देश की चिकित्सा व्यवस्था में आयुष पद्धतियों आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा तथा होम्योपैथी का बहुत बड़ा योगदान है । जीवनशैली से संबंधित रोगों के निवारण, सकारात्मक स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने एवं रोगों से बचाव के लिए लोग प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की ओर उन्मुख हो रहे हैं तथा इनसे लाभान्वित भी हो रहे हैं । उद्देश्य यही है कि लोगों को रोग निवारण के साथ-साथ स्वस्थ रहने की प्रेरणा दी जाए। यही समय की मांग है। पूज्य स्वामी जी एवं श्रद्धेय आचार्य जी की प्रेरणा से पतंजलि विश्वविद्यालय ने इस तरह के सेवाभावी एवं कर्मठ चिकित्सक तैयार करने का दायित्व लिया है। विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ पतंजलि विश्वविद्यालय में शिक्षण-प्रशिक्षण तथा सीखने-सिखाने का एक श्रेष्ठ एवं सुंदर वातावरण निर्मित किया गया है जहां पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण पूरे मनोयोग से अपना बौद्धिक विकास तथा ज्ञानार्जन कर सकते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के विद्यार्थियों के प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के लिए योग ग्राम एवं निरामयम में समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रयास यही है कि विद्यार्थी अपने सेवाभाव, निष्ठा एवं लगन से पतंजलि विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को सर्वोच्च स्तर तक ले जाएं ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विद्यार्थीगण पतंजलि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाओं का लाभ उठाएंगे तथा यहां के स्नातक के रूप में न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि देश की कीर्ति को भी विश्वपटल पर स्वर्णाक्षरों से अंकित करेंगे ।

प्रो. (डॉ.) राजीव रस्तोगी

Administrators
University of Patanjali

Visitor/Governor of Uttarakhand
Smt. Baby Rani Maurya

↓

Chancellor
Swami Ramdev Ji

↓

Vice Chancellor
Acharya Balkrishna Ji

↓

Pro Vice Chancellor
Dr. Mahavir Agarwal

↓

- Registrar — Dr. Praveen Punia
  - Controller of Examination — Shri V.C. Pandey
  - Deputy Registrar — Dr. Nirvikar
- Finance Officer — Mr. Lalit Mohan
- Dean Academics & Research — Dr. V.K. Katiyar
- Dean Faculty — P. Sadhvi Devpriya Ji
- Proctor (Seperately for Male & Female Students) — Dr. Mahavir Agarwal, Sadhvi Dev Priya Ji
- Dean Student's Welfare

Visitor

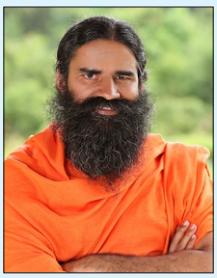

Chancellor

Vice Chancellor

Pro Vice Chancellor

Registrar

Finance Officer

Dean Academics & Research

Dean Faculty

Controller of Examination

Deputy Registrar

Authorities of University of Patanjali

1. Board of Governors
2. Board of Management
3. Academic Council
4. Finance Committee

Other Authorities/Committees of University of Patanjali

1. Board of Faculty
2. Board of Studies
3. Departmental Committee
4. Admission Committee
5. Examination Committee
6. Disciplinary Committee
7. Anti Ragging Committee
8. POSH Committee

Admission Committee

1. Dr. Mahavir Agrawal, Pro-Vice Chancellor
2. Dr. Parveen Punia, Registrar
3. Dr. V. K. Katiyar, Dean Academics & Research
4. Pujya Sadhvi Devpriya Ji, HOD's Philosophy
5. Shri V.C. Pandey, Controller of Examination
6. Dr. Nirvikar, Deputy Registrar
7. Dr. Manohar Lal Arya, HOD's Sanskrit
8. Dr. Sanjay Singh, Coordinator, Yoga Science
9. Dr. Nidheesh Yadav, Asst. Professor, Yoga Science
10. Dr. Abhishek Bhardwaj, Asst. Professor, Psychology
11. Swami Parmarth Dev Ji, President, Discipline Committee
12. Dr. Narendra Singh, Asst. Professor, Yoga Science

Advisory Committee

President

Dr. Prem Lal Gautam
Former V.C., G.B. Pantnagar University, (U.K.)
Former V.C., C.P. University, HAMIRPUR, (H.P.)
Former Deputy Director General, I.C.A.R., New Delhi
Former Director I.C.A.R.-N.B.P.G.R., New Delhi

Secretary

Dr. Kedar Nath Singh Yadava
Former V.C., A.P.S. University Rewa (M.P.)
Former V.C., R.D. University, Jabalpur (M.P.)
Former V.C., U.P.R.T. Open Univ., Allahabad, (U.P.)
Former V.C. (I/c), M.C.B. Univ., Chhattarpur, (M.P.)

Members

1. **Dr. Mahavir Agarwal**
(Pro Vice Chancellor)
Former V.C., Uttarakhand Sanskrit University, (U.K.)
Former Pro. V.C., Gurukul Kangri Vishwavidyalaya, (U.K.)

2. **Dr. Parveen Punia**
(Registrar)
Former Dean, COHS, C.C.S.H.Agri. University, Hisar, Haryana

3. **Dr. V.K. Katiyar**
(Dean Academics & Research)
Former Head, Deptt. of Mathematics, I.I.T., Roorkee

4. **Swami Parmarth Dev**
(Asst. Proctor)
Administrator, Vedic Gurukulam, P.Y.P., Haridwar (U.K.)

With the goal to witness the University of Patanjali among World's best institutions, Honourable Chancellor Swami Ramdev Ji and Honourable Vice Chancellor Revered Acharya Balkrishna Ji have constituted an **Advisory Board** for Higher Education in University. The Board comprises of accomplished members and experts from diverse fields to provide guidance for quality improvements in academic and research programs of the university.

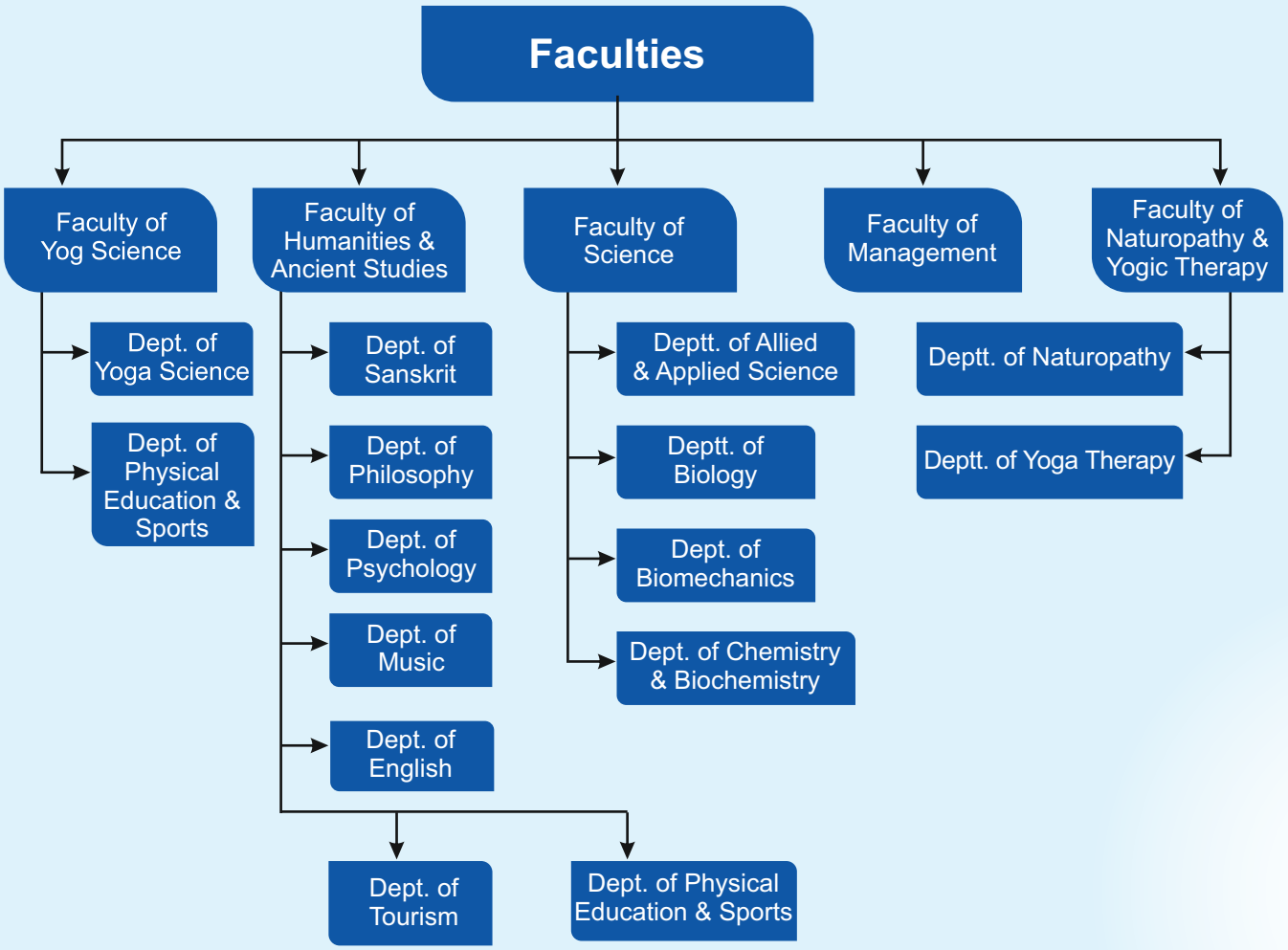
Faculties
Faculty of Yog Science
Faculty of Humanities & Ancient Studies
Faculty of Science
Faculty of Management
Faculty of Naturopathy & Yogic Therapy
Dept. of Yoga Science
Dept. of Physical Education & Sports
Dept. of Sanskrit
Dept. of Philosophy
Dept. of Psychology
Dept. of Music
Dept. of English
Dept. of Tourism
Dept. of Physical Education & Sports
Deptt. of Allied & Applied Science
Deptt. of Biology
Dept. of Biomechanics
Dept. of Chemistry & Biochemistry
Deptt. of Naturopathy
Deptt. of Yoga Therapy

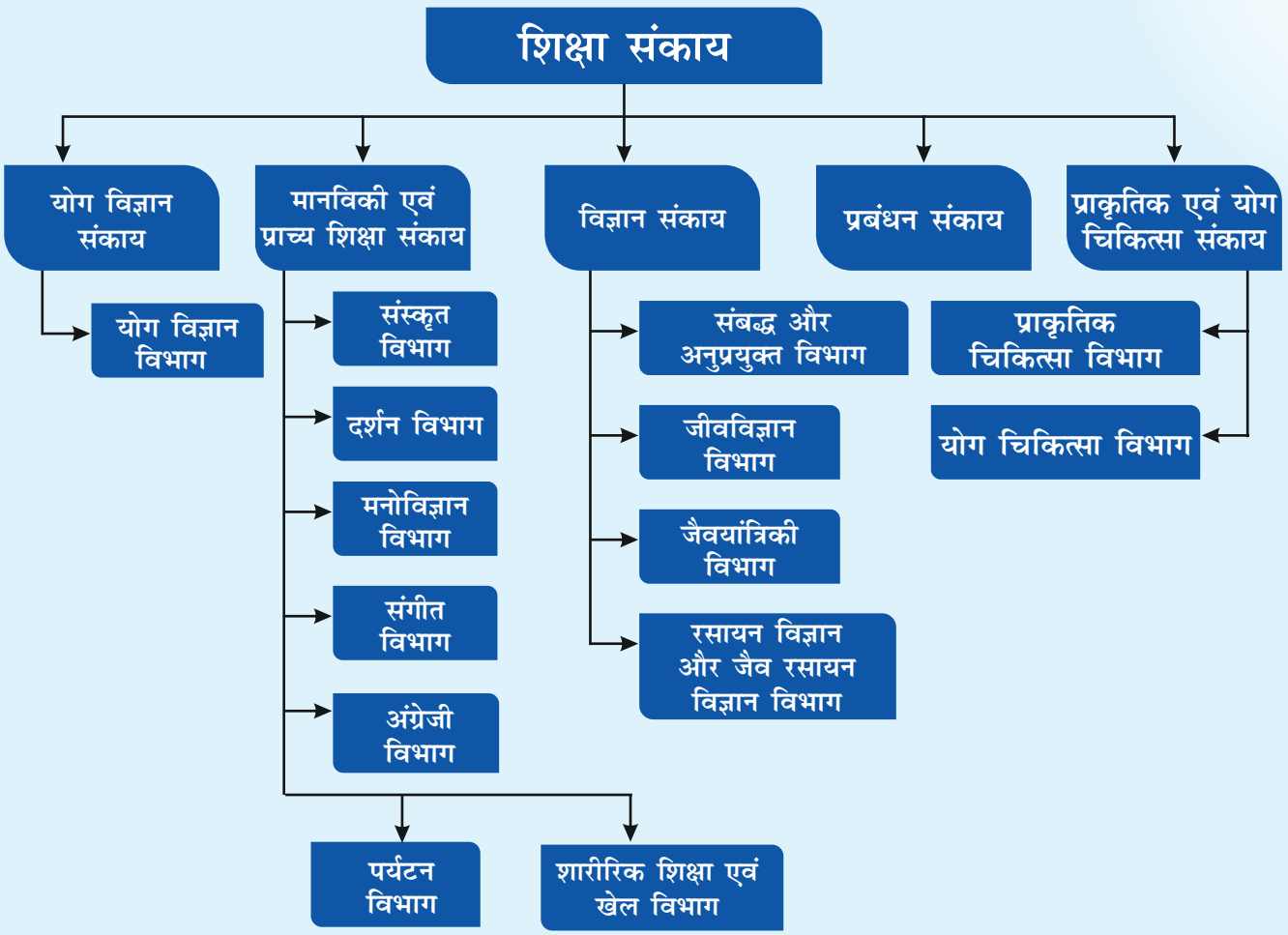
शिक्षा संकाय
योग विज्ञान संकाय
मानविकी एवं प्राच्य शिक्षा संकाय
विज्ञान संकाय
प्रबंधन संकाय
प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा संकाय
योग विज्ञान विभाग
संस्कृत विभाग
दर्शन विभाग
मनोविज्ञान विभाग
संगीत विभाग
अंग्रेजी विभाग
पर्यटन विभाग
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग
संबद्ध और अनुप्रयुक्त विभाग
जीवविज्ञान विभाग
जैवयांत्रिकी विभाग
रसायन विज्ञान और जैव रसायन विज्ञान विभाग
प्राकृतिक चिकित्सा विभाग
योग चिकित्सा विभाग

Faculty Members

1.	**Department of Yoga Science**		5.	**Department of Philosophy**	
	Dr. V. K. Katiyar, Ph.D.	Professor & Dean (Academics & Research)		Dr. Sadhvi Devpriya, Ph.D., D.Litt.	Dean & H.O.D. Proctor
	Dr. Shirley Telles, MBBS, M. Phil., Ph.D., D.Sc.	Professor		Swami Parmarth Dev, M.A., Ph.D. (Pursuing)	Assistant Professor
	Dr. Paran Gowda, Ph.D.	Professor		Shrikant Yellaiah Gottigalla	Assistant Professor
	Dr. Ved Priya Arya, Ph.D.	Adjunct Faculty		Nilachal Jagannathsa	Assistant Professor
	Dr. Sanjay Singh, NET, Ph.D.	Assistant Professor		Rajneesh Mishra	Assistant Professor
	Dr. Rudra B. Bhandari, NET, Ph.D.	Assistant Professor	6.	**Department of Sanskrit**	
	Dr. Narendra Singh, Ph.D.	Assistant Professor		Prof. Mahavir Agarwal, Ph.D.	Professor, Pro. V.C
	Dr. Nidheesh K. Yadav, BAMS Ph.D.	Assistant Professor		Dr. Manohar Lal Arya, Ph.D.	Professor
	Dr. Sandeep Singh, Ph.D.	Assistant Professor		Dr. Suman (Sadhna), Ph.D.	Visiting Professor
	Dr. Arti Yadav, Net. Ph.D.	Assistant Professor		Dr. Urmila, Ph.D.	Professor
	Dr. Anju Kumari, Ph.D.	Assistant Professor	7.	**Department of Psychology**	
	Dr. Arti Pal	Assistant Professor		Dr. Vaishali Gaur, Ph.D.	Assistant Professor
	Mr. Parvesh Kumar, M.Sc	Yoga Instructor		Dr. Abhishek Kr. Bhardwaj, Ph.D.	Assistant Professor
	Ms. Monika Panwar, M.A.	Yoga Demonstrators	8.	**Department of Travel & Tourism Management**	
	Mr. Prashant Rathore, M.A.	Yoga Instructor		Dr. Aditya Bhargava, Ph.D.	Assistant Professor
	Ms. Sadhna, M.A.	Yoga Instructor	9.	**Department of English**	
	Ms. Pooja, M.A.	Yoga Instructor		Dr. Anju Tyagi, Ph.D.	Assistant Professor
	Mr. Gourav Kumar, M.A.	Yoga Instructor		Dr. Rachna Arora, M.Ed., Ph.D.	Assistant Professor
2.	**Deptt. of Physical Education & Sports**	Yoga Instructor	10.	**Department of Allied & Applied Science**	
	Dr. Ramji Mishra, Ph.D.	Assistant Professor		Dr. Anurag Varshney, Ph.D., M.B.A.	Vice President - PRI & Professor
	Mr. Kapil Shastri, M.A., M. Phil.	Sports Officer	11.	**Department of Biology**	
	Mr. Sandeep Manikpuri, M.Sc.	Yoga-cum-Sports Instructor		Dr. Vinay Kumar Sharma, Ph.D.	Associate Professor
3.	**Department of Music**	Assistant Professor		Dr. Nivedita Sharma, Ph.D.	Assistant Professor
	Mr. Chandra Mohan Mishra	Music Instructor	12.	**Department of Chemistry & Biochemistry**	
4.	**Department of History**			Dr. Laxmi Shankar Rath, Ph.D.	Associate Professor
	Dr. Bipin Kumar Dube, Ph.D.	Assistant Professor	13.	**Faculty of Naturopathy & Yoga Therapy**	
				Dr. Rajiv Rastogi, Ph.D.	Dean

संसाधन एवं वातावरण

Amenities & Ambience

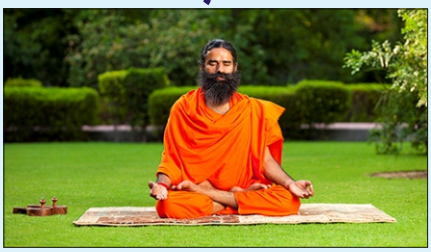

स्वस्थ वातावरण

पतंजलि विश्वविद्यालय ऋषि-मुनियों एवं साधकों की तप:स्थली तथा सभ्यता व संस्कृति की उद्गमस्थली हरिद्वार की पुण्य भूमि पर शहर के प्रदूषण एवं कोलाहल से मुक्त प्रकृति की गोद में स्थित है। यहाँ रहकर छात्र/छात्राएं सौहार्दपूर्ण परिवेश में अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं।

संस्कृत शिक्षा

अध्ययनरत जिन छात्र/छात्राओं की पृष्ठभूमि विज्ञान की होती है, परन्तु प्राचीन ग्रन्थ जैसे वेद, गीता, दर्शन, उपनिषद् आदि अन्य ग्रन्थ संस्कृत भाषा में हैं। इन ग्रन्थों को तब तक नहीं समझा जा सकता, जब तक छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा का ज्ञान न हो। पतंजलि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन की विशेष व्यवस्था की गयी है, जिससे छात्र-छात्राएँ योग से सम्बन्धित ग्रन्थों का ज्ञान-विज्ञान सरलता से प्राप्त कर सकें।

आध्यात्मिकता का वातावरण

छात्र/छात्राओं में सेवा-भाव, कार्य-कुशलता, कर्मठता और स्वावलम्बन आदि गुणों के विकास के लिए सेवा-प्रकल्पों की व्यवस्था की गयी है। इसमें छात्र/छात्राओं द्वारा सफाई, बागवानी, आस-पास के क्षेत्रों में जाकर शिविर आयोजन के द्वारा जनसेवा आदि के कार्य सम्पादित किये जाते हैं। योगऋषि स्वामी रामदेव जी के निर्देशन में देश के शीर्ष साधु सन्तों, विद्वानों, बुद्धिजीवियों द्वारा छात्र/छात्राओं के लिए विशेष प्रबोधन की व्यवस्था करायी जाती है।

अनुसन्धान और प्रशिक्षण

पतंजलि विश्वविद्यालय से विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन और ऑफलाइन शोधपत्र/पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है। आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विषयों पर अतिथि व्याख्यान, कार्यशाला आदि का आयोजन भी किया जाता है।

दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन

दुर्लभ एवं प्राचीन योग, आयुर्वेद से सम्बन्धित पाण्डुलिपियों का प्रकाशन भी पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में ऐसे ही सैकड़ों प्रकाशित और अप्रकाशित पाण्डुलिपियाँ हैं। यहाँ तक कि छ: दुर्लभ एवं प्राचीनतम अप्रकाशित पाण्डुलिपियों का पहली बार प्रकाशन भी विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया है।

Vibrant Campus

University of Patanjali is a holy place blessed by sages and saints. It is situated in a green pollution free zone. Students transform themselves here within its conducive atmosphere.

Linguistic Opportunities

Students generally comes from science background but traditional text such as Vedas, Geeta, Darshan, Yoga, Upnishad and many other are in Sanskrit Language. For this, University provides bridge classes to impart Sanskrit knowledge for better understanding of Classical texts.

Spiritual Initiation

To develop generosity, skills, hard-working and self-dependent, various projects such as cleaning of the surroundings, gardening, organising yoga camp etc. are conducted by the University. Students get an opportunity to learn from sages, saints, great scholars, intellectuals under the guidance of Yog Rishi Swami Ramdev.

Research and Development

University publishes both online and offline papers/magazines on various subjects. Various guest lectures, workshops etc. on relevant subjects are organised as and when required.

Publication of Rare Manuscripts

Publication of rare manuscripts is being done in Research & Development Cell of the University. There are hundreds of published and unpublished manuscripts in the University Library. The first publication of six rare and ancient manuscripts has also been published by the University.

पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में प्राचीन आर्ष साहित्य, आधुनिक विज्ञान एवं तकनीकी विषयों सम्बंधी पुस्तकों से सुसज्जित एक बृहत् पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 30,500 से भी अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के ज्ञानसंवर्धन हेतु वाचनालय में विभिन्न समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं भी उपलब्ध कराये जाते हैं। छात्र-छात्राओं को यथासंभव ऋण के रूप में पुस्तकें भी प्रदान करायी जाती हैं।

अंग्रेजी शिक्षा

अंग्रेजी शिक्षा को एक अनिवार्य विषय के रूप में रखा गया है ताकि हमारे छात्रों की सम्प्रेषण क्षमता उत्तम हो तथा वे योग एवं आयुर्वेद के ज्ञान को विश्व पटल पर स्थापित कर सकें।

इण्टरनेट की सुविधा

विद्यार्थियों को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं शोध से जोड़ने हेतु इण्टरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है।

चिकित्सा सुविधा

यदि छात्र-छात्राएँ यदा-कदा रोगग्रस्त होते हैं, तो पतंजलि योगपीठ परिसर में स्थित ओ.पी.डी. व आई.पी.डी. में उनकी चिकित्सा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है जो NABH द्वारा प्रमाणित है। इसके अतिरिक्त पतंजलि योगपीठ परिसर में पंचकर्म व षट्कर्म सहित अत्याधुनिक मशीनों से युक्त पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी आदि में सभी प्रकार के चिकित्सकीय परीक्षणों की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अद्वितीय छात्रावास

विद्यार्थियों के निवास हेतु छात्रावास की विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध है। छात्र/छात्राओं को अलग-अलग छात्रावासों में उनकी योग्यता के अनुसार रहने की सुविधा प्रदान की जाती है। विद्यार्थियों के लिए शुद्ध, पौष्टिक, ऋतु के अनुकूल व विविध पर्वों के अवसरों पर तदनुरूप भोजन तथा फलाहार की भी व्यवस्था की जाती है।

छात्रवृत्ति

मेधावी छात्र-छात्राओं को वरीयता के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

क्रीड़ा सुविधाएँ

पतंजलि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं जैसे- खो-खो, कबड्डी, 'वॉलीबॉल', 'फुटबॉल', 'हैंडबॉल', 'बेड-मिन्टन', 'क्रिकेट', 'वूडबॉल', तीरंदाजी, 'टेबल-टेनिस', कुश्ती, शतरंज, 'जिम्नास्टिक', मलखम्भ, 'ऐथलेटिक्स' इत्यादि।

Library

University has more than 30,500 books on ancient literature, modern science and technology. Different newspapers and magazines are available in the reading room. A book loan facility is also available to needy students.

Communicative English

English is a compulsory subject for improving the communication skills of the students for global spread of ancient Indian knowledge of Yoga and Ayurveda.

Internet Facility

Internet facility is also available in the University to connect students with the recent development in research based knowledge.

Medical Facility

Adequate OPD and IPD facilities are available in the NABH accredited Patanjali Ayurveda Hospital. Besides, Panchkarma, Shatkarma, highly equipped Pathology, Radiology and Cardiology laboratories are well established.

Unique Hostels

Separate Hostels with top class facilities for boys & girls are available. Allotment is on merit.

Pure, nutritious and seasonal vegetarian food is served to students at the University Mess. On various festivals and occasions, special foods and fruits are also served.

Scholarship

Talented students are given scholarships.

Sports Activities

Various indoor & outdoor sports facilities are available at the University such as- Kho-Kho, Kabaddi, Volleyball, Football, Handball, Badminton, Cricket, Wood-Ball, Archery, Table-Tennis, Wrestling, Chess, Gymnastic, Mallkhambh, Athletics etc. are available in the University.

बैंक तथा डाक सुविधाएं

विश्वविद्यालय परिसर में बैंक तथा डाक की सुविधा उपलब्ध है। भारतीय डाकघर, एटीएम सहित एस.बी.आई. व पी.एन.बी. बैंक, मेगा स्टोर, दुकानें, ट्रैवल एजेंसी आदि परिसर के अन्दर उपलब्ध हैं।

सुरक्षा

विश्वविद्यालय की सुरक्षा के लिए पूरे समय सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। विश्वविद्यालय का सम्पूर्ण भवन भूकम्प अवरोधी है तथा अग्नि सुरक्षा यन्त्र यथास्थान लगे हुए हैं। सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिसर एवं छात्रावास सी.सी.टी.वी. कैमरे की निगरानी में है।

शुद्ध पेयजल

आधुनिक जल शोधन प्रणाली से शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था है।

लॉन्ड्री व्यवस्था

छात्रों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए कपड़ों के प्रक्षालन हेतु एक बड़ी लॉन्ड्री की सुविधा परिसर में भीतर उपलब्ध है। यह लॉन्ड्री आधुनिक संसाधनों से युक्त है तथा न्यूनतम शुल्क पर यहाँ की सेवा ली जा सकती है।

परिवहन सुविधा

छात्रों के लिए नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध है। पतंजलि योगपीठ दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर स्थित है और आसानी से सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से यहाँ पहुंचा जा सकता है। यहाँ से निकटतम रेलवे स्टेशन रुड़की (21 किमी. दूर) तथा हरिद्वार (17 किमी. दूर) है। विभिन्न अवसरों पर विश्वविद्यालय की तरफ से बस सुविधा रुड़की तथा हरिद्वार के लिए उपलब्ध है।

अन्य अनुसन्धान संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय की भागीदारी :

१. स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास), यूनिवर्सिटी, बंगलौर
२. कैवल्यधाम योग संस्थान, लोणावला, मुम्बई
३. मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली
४. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
५. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
६. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ समझौता

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकश
2. वॉन्क वॉग डिजिटल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया
3. त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल

Banking and Postal Facilities

Banking & Indian Postal facilities are available in the campus area. Post Office, SBI & PNB Banks with ATMs, Patanjali Mega Store, Paridhan, other shops and travel agency etc are available within the campus.

Security

The University of Patanjali is an earthquake resistant structure. The private security personnel are deployed at all important locations in the campus with CCTV surveillance. Fire extinguishers are installed sufficiently in the campus.

Water Filtration

Modern water purification system is installed to ensure pure drinking water.

Laundry

A laundry equipped with modern equipments has been setup within the campus to cater the needs of the students for washing of clothes at nominal charges.

Transport Facility

Public transport is readily available out of the main gate at Delhi-Haridwar NH-58. Nearest Railway stations are at a distance of Roorkee- 21 km. & Haridwar-17 km. Occasionally the bus facility is also provided by the University both the places.

Collaboration with other Research Institutions and Universities :

1. Swami Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana (S-VYASA) University, Bengaluru.
2. Kaivalyadhama Yoga Institute, Lonavla, Mumbai.
3. Morarji Desai National Institute of Yoga, New Delhi.
4. Indian Institute of Technology, Roorkee,
5. Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar
6. Gurukul Kangri Vishwavidyalaya, Haridwar etc.

Memorandum of Understanding with National & International Educational Institutions.

1. AIIMS Rishikesh
2. Wonk Wang Digital University, South Korea
3. Tribhuvan University Kathmandu, Nepal

कल्याणकारी योजना एवं कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत सरकार का एक सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम है, जो भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्त्व को विकसित करना हैं। पतंजलि विश्वविद्यालय में इस योजना के अन्तर्गत रक्तदान शिविर, स्वस्थ भारत, हरित भारत, कौशल भारत, महिला आत्मरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता रैली जैसी विभिन्न गतिविधियाँ होती हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय युवाओं को "मैं नहीं परन्तु आप" सीखना है।

पतंजलि कला संगम

कला के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत को एवं छात्रों के समग्र विकास हेतु पतंजलि कला संगम की स्थापना की गई है। यह छात्रों को अपनी कलात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच देता है जिसका विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय चैनलों जैसे आस्था, संस्कार आदि पर प्रसारण होता है। विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राएँ वीर रस के प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कवि एवं पतंजलि विश्वविद्यालय व्यवस्थापक मण्डल के सम्मानित सदस्य डॉ. हरिओम पंवार तथा अन्य राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कलाकारों से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं।

पतंजलि विश्वविद्यालय प्रभा

पतंजलि विश्वविद्यालय प्रभा एक त्रैमासिक पत्रिका है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों व गैर शैक्षणिक सदस्यों को वैज्ञानिक, भाषा सम्बन्धी, पर्यावरण, सामाजिक, सांस्कृतिक व दार्शनिक विषयों पर अपने महत्त्वपूर्ण विचारों को साझा करने का अवसर प्राप्त होता है।

इंटरनेशनल योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन

अन्य खेल की तरह योगासनों का भी राष्ट्रीय स्तर से लेकर ओलम्पिक खेलों तक समावेश हो, इसी उद्देश्य से इस फेडरेशन की स्थापना योगऋषि पू. स्वामी रामदेव जी की प्रेरणा से 2019 में की गई है। इस विधा के माध्यम से भी युवा अपनी राष्ट्रीय पहचान बना सकते है।

नैतिक उत्कर्ष का वातावरण

छात्रों के संस्कार, अच्छी आदतों तथा मूल्य आधारित विकास के शिक्षण पर विश्वविद्यालय में बल दिया जाता है। छात्र/छात्राओं में अपनी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्र व मानवता के प्रति निष्ठा तथा कर्तव्यबोध को विकसित करने का प्रयास किया जाता है।

छात्रों का सर्वांगीण विकास

छात्र-छात्राओं को विशेषज्ञों द्वारा संस्कृत सम्भाषण का विशेष अभ्यास कराया जाता है। छात्र/छात्राओं में ज्ञान-वर्धन तथा अपनी सभ्यता-संस्कृति तथा इतिहास आदि का ज्ञान, निष्ठा व आत्मगौरव जागृत करने के उद्देश्य से विविध धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक, ऐतिहासिक, प्रौद्योगिक संस्थानों, पतंजलि योगपीठ संस्था की अन्य संस्थानों का परिभ्रमण भी कराया जाता है। निर्दिष्ट ग्रन्थ-वेद, व्याकरण, दर्शन, उपनिषद्, गीता, घेरण्डसंहिता, हठयोग प्रदीपिका आदि शास्त्रों को रुचि व योग्यतानुसार स्मरण कराया जाता है। संस्था द्वारा आयोजित वार्षिक शास्त्र स्मरण प्रतियोगिता में नियमानुसार शास्त्रों को प्रामाणिकता से स्मरण कर सुनाये जाने पर शास्त्रानुसार निर्धारित 1000/- (एक हजार) से लेकर 1,00,000/- (एक लाख) रुपये तक का पुरस्कार दिया जाता है।

Welfare Schemes and Programs

The National Service Scheme (NSS) is a Indian public service program of Government under the Ministry of Youth Affairs and Sports of the Government of India. It aims at development of student's personality through community service. Various activities like blood donation camp, awareness rally about healthy India, green India, skill India, women self defence and environment protection are being run under NSS in University of Patanjali. The prime motto of the scheme is to learn 'Not Me but You."

Patanjali Kala Sangam

Patanjali Kala Sangam is established to promote Indian Cultural Heritage and holistic development of the students. It gives a platform to the students to showcase their artistic abilities which is broadcasted on various international channels such as Astha, Sanskar. The students also keep receiving guidance from the renowned international poet of *veer ras*, Hon'ble Member of Board of Management of the University of Patanjali Dr. Hari Om Panwar and other well known national - international artists.

Patanjali Vishwavidhyalaya Prabha

This is University's quarterly magazine covering artistic, scientific, linguistic, ecological, social, cultural and philosophical writings of students, teachers and non- teaching staff.

International Yogasana Sports Federation

In 2019, Yoga Guru Swami Ramdev has founded this Federation with the aim of including Yogasana as a sport at the Olympics. This federation may also aspire those their entered in developing identity in the field of Yoga.

Moral Cultivation

Quality education based on morals and ethics is emphasized at the University. Students are groomed through Vedic tradition, Rishikul culture, nationalism and humanity.

Holistic Personality Development

Students practice Sanskrit discourse under the guidance of experts. Students are promoted to develop their own knowledge, culture, history and self-esteem through tours to various religious- historical places, educational institutes and other institutes of Patanjali Yogpeeth. Specified texts- Vedas, Vyakaran, Darshan, Upanishads, Geeta, Gherand- Samhita, Hathyogpradipika etc are to be memorized as per interest and caliber. Institute organizes an annual competition for the recitation of memorized shashtras etc. The successful students are awarded cash prize ranging from Rs. 1000/- (One Thousand) to 1,00,000/- (One Lakh).

Programmes 2021-22

Dept. of Yoga Science	Dept. of Physical Education & Sports	Dept. of Sanskrit	Dept. of Philosophy	Dept. of Naturopathy
1.	2.	3.	4.	5.
1. B.A. (with Yoga Science) 2. B.Sc. Yoga Science 3. M.A. Yoga Science 4. M.Sc. Yoga Science 5. P.G. Diploma in Yoga Science 6. Ph.D. in Yoga Science	1. B.P.E.S. (Bachelor of Physical Education & Sports) 2. Bhartiya Vyavam Padhatti Evam Khel	1. One Year Bridge Course 2. Acharya 3. B.A. (Sanskrit evam Laukik Sahitya) 4. Shastri/B.A. (Vyakaran) 5. M.A. Sanskrit (Literature) 6. M.A. Sanskrit (Grammar) 7. Ph.D. in Sanskrit 8. M.A. Sanskrit (Philosophy) 9. D. Lit.	1. Shastri/Honours B.A. Philosophy 2. M.A. Philosophy 3. P.G. Diploma in Vaidik Darshan 4. Ph.D. in Philosophy 5. D. Lit.	1. Bachelor of Naturopathy & Yogic Science 2. Diploma in Naturopathy & Yoga Therapy

Dept. of Psychology	Dept. of Tourism	Dept. of Science	Dept. of Allied and Applied Science	Dept. of Music	Dept. of English
5.	6.	7.	8.	9.	10.
1. M.A. Psychology (with Specialization in Clinical Psychology) 2. Ph.D. in Psychology	1. M.A. (Travel & Tourism Management) 2. P.G. Diploma in Yoga Health and Cultural Tourism	1. B.Sc. (Hons) Biological Science	1. P.G. Diploma in Yoga and Ayurveda	1. Diploma in Hindustani (Bhartiya) Music	1. M.A. in English

पाठ्यक्रम : एक दृष्टि में

क्र. सं.	पाठ्यक्रम		शैक्षणिक प्रवेश अर्हता	अवधि	कुल सीट	सत्रार्द्ध शिक्षण शुल्क
१.	**पी-एच.डी. पाठ्यक्रम :**					
	१.	योग विज्ञान	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विषय में स्नातकोत्तर में कम-से-कम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग हेतु 5% प्रवेश छूट मान्य होगी)	न्यूनतम 3 वर्ष से 5 वर्ष तक (अधिकतम 6 वर्ष)		रजिस्ट्रेशन शुल्क 5,000/- पाठ्यक्रम शुल्क 50,000/- शोध-प्रबन्ध 20,000/- मासिक शुल्क 1,000/- (प्रत्येक तीन माह के प्रगति-पत्र के साथ)
	२.	संस्कृत				
	३.	मनोविज्ञान				
	४.	दर्शन शास्त्र				
२.	**स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम :**					
	१.	एम.ए. योग विज्ञान	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)	2 वर्ष	80	13,750/-
	२.	एम.एस-सी. योग विज्ञान	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)		55	13,750/-
	३.	एम.ए. संस्कृत (साहित्य)	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)		40	13,750/-
	४.	एम.ए. संस्कृत (व्याकरण)	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)		40	13,750/-
	५.	एम.ए. मनोविज्ञान (नैदानिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ)	50% अंकों के साथ स्नातक		40	13,750/-
	६.	एम.ए. संस्कृत (दर्शन)	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)		40	13,750/-
	७.	एम.ए. दर्शनशास्त्र	50% अंकों के साथ स्नातक		40	13,750/-
	८.	आचार्य	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)		....	13,750/-
	९.	एम.ए. यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन	50% अंकों के साथ स्नातक		40	13,750/-
	१०.	एम.ए. अंग्रेजी	50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)		40	13,750/-
३.	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम :**					
	१.	स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग विज्ञान	50% अंकों के साथ स्नातक	1 वर्ष	40	16,500/-
	२.	स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन	50% अंकों के साथ स्नातक		40	16,500/-
	३.	स्नातकोत्तर डिप्लोमा वैदिक दर्शन	50% अंकों के साथ स्नातक		40	11,000/-
	४.	योग एवं आयुर्वेद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	50% अंकों के साथ स्नातक		40	16,500/-
४.	**स्नातक पाठ्यक्रम :**					
	१.	बी.ए. (योग विज्ञान)	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट	3 वर्ष	100	11,000/-
	२.	बी.ए. (संस्कृत एवं लौकिक साहित्य)	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट		50	11,000/-
	३.	बी.एस-सी. (योग विज्ञान)	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (विज्ञान विषय के साथ)		100	13,750/-
	४.	बी.एस-सी. प्रतिष्ठा (जैविक विज्ञान)	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (जीव विज्ञान विषय के साथ)		30	13,750/-

	५.	बी.ए. संस्कृत (व्याकरण)	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट	3 वर्ष	50	11,000/-
	६.	शास्त्री/आनर्स बी.ए. दर्शन	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट		50	11,000/-
	७.	शास्त्री	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (सम्बद्ध विषय में)		50	11,000/-
	८.	शास्त्री/बी.ए. व्याकरण	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (सम्बद्ध विषय में)		50	11,000/-
	९.	बी.पी.ई.एस. (शारीरिक शिक्षा एवं खेल)	60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट		20	13,750/-
५.	**स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम :**					
	१.	डिप्लोमा हिन्दुस्तानी (भारतीय) संगीत	50% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट, आयु : अधिकतम 35 वर्ष	1 वर्ष	40	4,400/-
६.	**सहायक पाठ्यक्रम :**					
	१.	संस्कृत	इन्टरमीडिएट	1 वर्ष	50	11,000/-
७.	**प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम :**					
	१.	भारतीय व्यायाम पद्धति एवं खेल	इन्टरमीडिएट	6 माह	30	4,400/-

स्नातक पाठ्यक्रम

बी.ए. (योग विज्ञान के साथ) का पाठ्यक्रम विवरण :

1. योग विज्ञान (अनिवार्य)
2. संस्कृत
3. मनोविज्ञान
4. सांस्कृतिक पर्यटन
5. इतिहास

(इन विषयों में से किन्हीं दो विषयों , का चयन अभ्यर्थी द्वारा किया जायेगा)

Graduate Courses

Course Details of B.A. (with Yoga Science) :

1. Yoga Science (Compulsory)
2. Sanskrit
3. Psychology
4. Cultural Tourism
5. History

The Student will have to choose two subject from the these subjects.

6. English (English is Compulsory for every students and they have to pass the subject.)

नोट:

1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2+3 उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 30 वर्ष)
2. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2+3 उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 35 वर्ष)
3. किसी मान्यताप्राप्त शिक्षा परिषद् से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2 उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातक पाठ्यक्रम / स्नातक सहायक पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 25 वर्ष)
4. किसी मान्यताप्राप्त शिक्षा परिषद् से विज्ञान विषय के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2 उत्तीर्ण अभ्यर्थी बी.एस-सी योग विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 25 वर्ष)
5. आयु सीमा के निर्धारण हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2021 मान्य होगी ।
6. सभी पाठ्यक्रमों में आरक्षित एवं दिव्यांग वर्ग के छात्रों के लिए प्रवेश अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट प्रदान की जायेगी ।
7. नौकरी पेशा एवं सशस्त्र बलों के अभ्यर्थियों की आयु सीमा में छूट कुलाधिपति, कुलपति और प्रबंधक मण्डल के अनुमोदन के साथ होगा।

NOTE:

1. Any Graduate (10+2+3) passed with minimum 50% marks is eligible for Post Graduate Courses. (Maximum age is 30 Years.)
2. Any Graduate (10+2+3) passed with minimum 50% marks is eligible for Post Graduate Diploma Courses. (Maximum age is 35 Years.)
3. Intermediate students (10+2) passed with minimum 60% marks from any recognized board are eligible for Under Graduate Courses /Bridge Courses. (Maximum age is 25 Years.)
4. Intermediate students (10+2) passed with of science stream minimum 60% marks from any recognized board are eligible for B.Sc. Yoga Science. (Maximum age is 25 Years.)
5. The reference date for age calculation will be 31 July 2021.
6. There will be relaxation of 5% for reserved and differently abled candidates for all courses.
7. Relaxation in age only for in Service candidates & armed forces with approval from Chancellor, Vice Chancellor and BOM.

शुल्क विवरण

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए चयनित अभ्यर्थी निम्नलिखित शुल्कों का भूगतान करेंगें।

1. **आवासीय शुल्क** – 2,000/– रुपये प्रति माह
2. **भोजन शुल्क** – 4,000/– रुपये प्रति माह
3. **परीक्षा शुल्क** – 1,000/– रुपये प्रति सत्र
4. **क्रीड़ा शुल्क** – 1,000/– रुपये वार्षिक
5. **निर्धारित गणवेश** – 2,500/– रुपये प्रवेश के समय एकमुश्त (ट्रैक–सूट=रुपये 1,200/– + ब्लेज़र=रुपये 1300/–)
6. **प्रयोगशाला शुल्क व षट्कर्म सामग्री** – 1,000/– रुपये प्रवेश के समय एकमुश्त
7. **सुरक्षा धनराशि** – 5,000/– रुपये एकमुश्त

नोट :

1. **प्रवेश के समय –** छात्रावास शुल्क + भोजन शुल्क अग्रिम 6 माह हेतु + प्रथम–सत्र का शिक्षण शुल्क + परीक्षा शुल्क + क्रीड़ा शुल्क + निर्धारित गणवेश शुल्क + षट्कर्म सामग्री शुल्क + एकमुश्त सुरक्षा धनराशि।
2. **जनवरी माह का प्रथम/द्वितीय सप्ताह –** छात्रावास शुल्क + भोजन शुल्क अग्रिम 6 माह हेतु + द्वितीय सत्र का शिक्षण शुल्क + परीक्षा शुल्क।
3. विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्राओं को दो जोड़े सफेद परिधान (छात्रों हेतु कुर्ता–पाजामा एवं छात्राओं हेतु कमीज–सलवार) सत्र प्रारंभ होने से पूर्व अपने साथ लाना आवश्यक है।

Fees Structure

Candidates selected for various Programmes will pay the following Fees:

Hostel Fee	-	Rs. 2,000/- per month
Canteen Fee	-	Rs. 4,000/- per month
Examination fee	-	Rs. 1,000/- per semester
Sports Fee	-	Rs. 1,000/- annually
Uniform Fee	-	Rs. 2,500/- one time (Track-suit = Rs. 1,200/- (Blazer) = Rs. 1,300/-)
Lab Fee & Shatkarma Kit	-	Rs. 1,000/- one time
Caution Money	-	Rs. 5,000/- one time

Note :

1. **At the time of admission:**Canteen & Hostel Fee for 6 months +Tuition Fee for 1st Semester + Examination Fee + Sports Fee + Uniform Fee+ Shatkarma Kit Fee + Caution Money.
2. **First/Second Week of January :** Canteen & Hostel Fee for next 6 months + Tuition Fee+ Examination Fee for 2nd Semester.
3. Students have to bring two pairs of dress code (White Kurta and Paijama for males and white Kameez and salwaar for female) before session commencement.

Classes- At a Glance

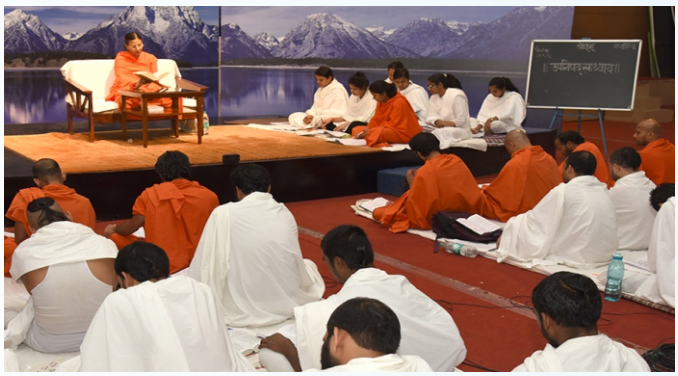

Examinations under the supervision of Hon'ble Provice Chancellor & Officers of the University

विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियाँ

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

डी. लिट्./डी.एस-सी. योग विज्ञान एवं संस्कृत		D.Lit./D.Sc. Yoga Science and Sanskrit		Int.	Ext.	Total
पी.एच-डी. (योग, संस्कृत, दर्शन एवं मनोविज्ञान) अनिवार्य पाठ्यक्रम कार्य		**Ph.D. (Yoga, Sanskrit, Philosophy and Psychology) Core Course Work (6 months)**				
	प्रथम प्रश्न-पत्र-अनुसन्धान विधियाँ		Paper I - Research Methodology			
	द्वितीय प्रश्न-पत्र-कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं सांख्यिकी		Paper II - Computer Application & Statistics			
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम		**Post Graduate Course**				
एम.ए. (योग विज्ञान), २ वर्ष		**M.A. (Yoga Science), 2 Years**				
प्रथम	योग के आधारभूत तत्व	**1st**	Fundamentals of Yoga	30	70	100
	हठयोग के सिद्धान्त		Theory of Hatha Yoga	30	70	100
	श्रीमद्भगवदगीता एवं सांख्य दर्शन परिचय		Shrimadbhagwadgeeta & Introduction of Sankhya Darshan	30	70	100
	मानव जीव विज्ञान-I		Human Biology - I	30	70	100
	क्रियात्मक-योग-I		Yoga Practicum - I	30	70	100
	क्रियात्मक-मानव जीव विज्ञान-I		Human Biology Practicum - I+A1	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		Communicative English (Non-credit)	30	70	100
द्वितीय	पातंजल योगदर्शन	**2nd**	Patanjal Yoga Darshan	30	70	100
	भारतीय दर्शन एवं संस्कृति		Indian Philosophy & Culture	30	70	100
	योग मनोविज्ञान		Yoga Psychology	30	70	100
	मानव शरीर विज्ञान-II		Human Biology-II	30	70	100
	क्रियात्मक-योग-II		Yoga Practicum - II	30	70	100
	क्रियात्मक-मानव जीव विज्ञान-II		Human Biology Practicum - II	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		Communicative English (Non-credit)	30	70	100
तृतीय	योग शिक्षण की पद्धति व शिक्षण महत्त्व	**3rd**	Methods of Teaching Yoga and Value Education	30	70	100
	आयुर्वेद परिचय		Introduction of Ayurveda	30	70	100
	अनुसन्धान व सांख्यिकीय विधियाँ		Research & Statistical Methods	30	70	100
	प्राकृतिक चिकित्सा		Naturopathy	30	70	100
	क्रियात्मक-योग-III		Yoga Practicum - III	30	70	100
	क्रियात्मक-नेचुरोपैथी		Naturopathy Practicum	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		Communicative English (Non-credit)	30	70	100
चतुर्थ	स्वस्थवृत आहार एवं पोषण	**4th**	Hygiene, Diet And Nutrition	30	70	100
	यौगिक चिकित्सा		Yoga Therapy	30	70	100
	पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा		Complementary & Alternative Therapy (CAT)	30	70	100
	लघु शोध-पत्र/ कार्यक्षेत्र प्रशिक्षण		Dissertation / Field Training	30	70	100
	क्रियात्मक-योग-IV		Yoga Practicum-IV	30	70	100
	क्रियात्मक-पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा		Complementary & Alternative Therapy Practicum	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		Communicative English (Non-credit)	30	70	100
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम		**Post Graduate Course**				
एम.एस-सी. (योग विज्ञान), २ वर्ष		**M.Sc. (Yoga Science), 2 Years**				
प्रथम	भारतीय दर्शन में अंतर्दृष्टि	**1st**	Insights into Indian Philosophy	30	70	100
	हठयोग और पतंजलि योग के अनुप्रयोग		Applications of Hatha Yoga & Patanjali Yoga	30	70	100
	जैव यान्त्रिकी व पेशीगति विज्ञान		Biomechanics & Kinesiology	30	70	100
	उपचारात्मक योग		Therapeutic Yoga	30	70	100
	योग और सामरिक प्रबंधन		Yoga & Strategic Management	30	70	100
	योग चिकित्सा अभ्यास-I		Yoga Therapy Practices-I	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	क्रियात्मक: जैव यान्त्रिकी व पेशीगति विज्ञान		Biomechanics & Kinesiology Practicum	30	70	100
	योग के आधारभूत तत्त्व (क्रेडिट रहित)		Fundamentals of Yoga (Non-credit)	30	70	100
द्वितीय	योग वशिष्ठ एवं भगवद्गीता में योग का महत्त्व	2nd	Aplication of Yoga in Yoga Vasistha & Bhagavadgitha	30	70	100
	योग अभ्यास के शारीरिक प्रभाव		Physiological Efect of Yoga Practices	30	70	100
	योग, आहार और पोषण		Yoga, dietetics and nutrition	30	70	100
	प्रयुक्त मनोविज्ञान और यौगिक परामर्श		Applied Psychology and Yogic Counselling	30	70	100
	अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी		Research Methodology and Statistics	30	70	100
	स्व-प्रबन्धन के लिए समकालीन योग विधियाँ		Contemporary Yoga Techniques for self-management	30	70	100
	क्रियात्मक: प्रयुक्त मनोविज्ञान और परामर्श		Practical: Applied psychology and Counselling	30	70	100
तृतीय	रोग विशिष्ट विकृति विज्ञान-I	3rd	Disease specific pathology-I	30	70	100
	साक्ष्य आधारित योग चिकित्सा-I		Evidence based yoga therapy-I	30	70	100
	इलेक्टिव-I		Elective-I†	30	70	100
	क्रियात्मक-I : रोग विशिष्ट विकृति विज्ञान		Disease specific pathology, practical-I	30	70	100
	क्रियात्मक-I : साक्ष्य आधारित योग चिकित्सा		Evidence based yoga therapy, practical-I	30	70	100
	क्षेत्र प्रशिक्षण-I		Field training-I	30	70	100
	परियोजना कार्य-I		Project work-I	30	70	100
चतुर्थ	रोग विशिष्ट विकृति विज्ञान-II	4th	Disease specific pathology-II	30	70	100
	साक्ष्य आधारित योग चिकित्सा-II		Evidence based yoga therapy-II	30	70	100
	इलेक्टिव-II		Elective-II	30	70	100
	क्रियात्मक-II : रोग विशिष्ट विकृति विज्ञान		Disease specific pathology, practical-II	30	70	100
	क्रियात्मक-II : साक्ष्य आधारित योग चिकित्सा		Evidence based yoga therapy, practical-II	30	70	100
	क्षेत्र प्रशिक्षण-I		Field training-II	30	70	100
	परियोजना कार्य-II		Project work-II	30	70	100
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम		**Post Graduate Course**				
एम.ए. मनोविज्ञान नैदानिक मनोविज्ञान की विशेषज्ञता के साथ, २ वर्ष		**M.A. Psychology with Specialization in Clinical Psychology, 2 Years**				
प्रथम	योग मनोविज्ञान	1st	Yoga Psychology	30	70	100
	सांख्यिकीय तकनीक एवं प्रयोगात्मक अभिकल्प		Statistical techniques and experimental designs	30	70	100
	सामाजिक मनोविज्ञान		Social Psychology	30	70	100
	व्यवहार के जैविक आधार		Biological foundation of behavior	30	70	100
	प्रयोग/ परीक्षण		Practicum	30	70	100
द्वितीय	शोध विधियाँ	2nd	Research Methods	30	70	100
	सकारात्मक मनोविज्ञान		Positive Psychology	30	70	100
	संज्ञानात्मक मनोविज्ञान		Cognitive Psychology	30	70	100
	व्यक्तित्व के सिद्धान्त		Psychology of Personality	30	70	100
	प्रयोग/ परीक्षण		Practicum	30	70	100
तृतीय	स्वास्थ्य मनोविज्ञान	3rd	Health Psychology	30	70	100
	मनोविकृति विज्ञान		Psychopathology	30	70	100
	नैदानिक मनोविज्ञान		Clinical Psychology	30	70	100
	मनोमिति		Psychometry	30	70	100
	प्रयोग/ परीक्षण		Practicum	30	70	100
चतुर्थ	निर्देशन एवं परामर्श मनोविज्ञान	4th	Guidance and Counseling Psychology	30	70	100
	मनोवैज्ञानिक परीक्षण		Psychological Testing	30	70	100
	चिकित्सकीय तकनीक		Therapeutic Techniques	30	70	100
	लघुशोध प्रबंध/ परियोजना कार्य		Dissertation/ Project work	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में सर्वेक्षण/ शैक्षिक भ्रमण परियोजना/ विद्यार्थियों द्वारा नैदानिक परिस्थिति में तैयार की गयी शैक्षिक भ्रमण रिपोर्ट		A report of the academic tour/ Survey in Mental Health Institution/ In clinical situation prepared by the students	30	70	100
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम		**Post Graduate Course**				
एम.ए. (दर्शन), २ वर्ष		**M.A. (Philosophy), 2 Years**				
प्रथम	वैदिक साहित्य एवं सांख्य-योग-1	**1st**	Vedic Sahitaya evam Sankhya Yoga-1	30	70	100
	न्याय-वैशेषिक-1		Nyaya Vaishesik-1	30	70	100
	वेदान्त-मीमांसा -1		Vedant - Mimansa - 1	30	70	100
	वैदिकेतर दर्शन-1		Vaidik Darshan-1	30	70	100
द्वितीय	सांख्य-योग-2	**2nd**	Sankhya Yoga - 2	30	70	100
	न्याय-वैशेषिक-2		Nyay Vaisheshik - 2	30	70	100
	वेदान्त-मीमांसा-2		Vedant Mimansa - 2	30	70	100
	पाश्चात्य दर्शन		Pashchatya Darshan	30	70	100
तृतीय	सांख्य-योग-3	**3rd**	Sankhya Yoga-3	30	70	100
	न्याय-वैशेषिक-3		Nyay Vaisheshik - 3	30	70	100
	वेदान्त-मीमांसा-3		Vedant Mimansa - 3	30	70	100
	सर्वदर्शन संग्रह-1		Sarvdarshan Sangrah - 1	30	70	100
चतुर्थ	सांख्य-योग-4	**4th**	Sankhya Yoga - 4	30	70	100
	न्याय-वैशेषिक-4		Nyay Vaisheshik - 4	30	70	100
	वेदान्त-मीमांसा-4		Vedant Mimansa - 4	30	70	100
	सर्वदर्शन संग्रह-2		Sarvdarshan Sangrah - 2	30	70	100
	निबंध		Essay	30	70	100
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम		**Post Graduate Course**				
एम.ए. (यात्रा एवं पर्यटन प्रबन्धन), २ वर्ष		**M.A. (Travel & Tourism Management), 2 Years**				
प्रथम	पर्यटन अवधारणा एवं सिद्धान्त	**1st**	Tourism Concepts and Principles	30	70	100
	उत्तराखण्ड पर्यटन		Tourism in Uttarakhand	30	70	100
	योग स्वास्थ्य एवं पर्यटन		Yoga Health & Tourism	30	70	100
	साहसिक प्रर्यटन		Adventure Tourism	30	70	100
	क्रियात्मक- पर्यटन		Tourism Practicum	30	70	100
द्वितीय	ट्रेवल एजेन्सी एवं टूर ऑपरेशन	**2nd**	Travel Agency & Tour Operation	30	70	100
	भारत में पर्यटन संसाधन		Tourism Resource in India	30	70	100
	परिवहन प्रबन्धन		Transport Management	30	70	100
	पर्यटन में संगणक सम्प्रयोग		Computer Applications in Tourism	30	70	100
	-शैक्षणिक भ्रमण		Educational Tour	30	70	100
तृतीय	संस्कृति, विरासत एवं पर्यटन	**3rd**	Culture Heritage & Tourism	30	70	100
	हवाई जहाज टिकटिंग		Airlines Ticketing	30	70	100
	होटल एवं रिसोर्ट प्रबन्धन		Hotel and Resort Management	30	70	100
	-शोध प्रविधि		Research Methodology	30	70	100
	क्रियात्मक पर्यटन		Tourism Practicum	30	70	100
चतुर्थ	विश्व के गन्तव्य स्थल	**4th**	Major Destinations of World	30	70	100
	टूर पैकेजिंग प्रबन्धन		Tour Packaging Management	30	70	100
	पर्यटन विपणन		Tourism Marketing	30	70	100
	पर्यटन नीति एवं योजना		Tourism Policy & Planning	30	70	100
	संस्थागत प्रशिक्षण		On-the Job Training	30	70	100
परास्नातक संस्कृत (साहित्य), २ वर्ष		**M.A. in Sanskrit (Literature), 2 Years**				
प्रथम	वैदिक संहिताएं	**1st**	Vaidik Sanghitayen	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	व्याकरण		Vyakaran	30	70	100
	भारतीय दर्शन		Bhartiya Dharshan	30	70	100
	काव्य और नाटक		Kavya and Natak	30	70	100
	संस्कृत वाङ्मय का इतिहास		Sanskrit Vangmay ka Itihas	30	70	100
द्वितीय	वेदांग और उपनिषद्	**2nd**	Vedang and Upnishad	30	70	100
	व्याकरण		Vyakaran	30	70	100
	भारतीय दर्शन		Bhartiya Dharshan	30	70	100
	काव्य एवं काव्यशास्त्र		Kavya and Kavyashastra	30	70	100
	धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और आयुर्वेद		Dharmshastra, Arthshastra and Ayurveda	30	70	100
तृतीय	काव्यशास्त्र का इतिहास	**3rd**	Kavyshastra Ka Itihas	30	70	100
	गद्य, पद्य, काव्य एवं व्याकरण		Gadya, Padya, Kavya evam Vyakaran	30	70	100
	नाट्यसाहित्यम्		Natyasahitya	30	70	100
	काव्यशास्त्र		Kavyashastra	30	70	100
	महाकाव्य एवं खण्डकाव्य		Mahakavya evam Khandkavya	30	70	100
चतुर्थ	नाट्यसाहित्यम्	**4th**	Natyashahityam	30	70	100
	काव्यशास्त्रम्		Kavyashastram	30	70	100
	चम्पूकाव्यम्, नाटकम्		Champukavyam, Natkam	30	70	100
	महाकाव्यम्		Mahakavyam	30	70	100
	प्राचीनाधुनिककवीनां परिचय:		Prachin Adhunik Kavinam Parichay	30	70	100
परास्नातक अंग्रेजी, २ वर्ष		**M.A. in English, 2 Years**				
प्रथम	अंग्रेजी में साहित्य (1550-1660) खण्ड I	**1st**	Literature in English (1550-1660) Part I	30	70	100
	अंग्रेजी में साहित्य (1660-1798) खण्ड I		Literature in English (1560-1798) Part I	30	70	100
	अंग्रेजी में साहित्य (1798-1914) खण्ड I		Literature in English (1798-1914) Part I	30	70	100
	अंग्रेजी में साहित्य (1914-2000) खण्ड I		Literature in English (1914-2000) Part I	30	70	100
द्वितीय	अंग्रेजी में साहित्य (1550-1660) खण्ड II	**2nd**	Literature in English (1550-1660) Part II	30	70	100
	अंग्रेजी में साहित्य (1660-1798) खण्ड II		Literature in English (1560-1798) Part II	30	70	100
	अंग्रेजी में साहित्य (1798-1914) खण्ड II		Literature in English (1798-1914) Part II	30	70	100
	अंग्रेजी में साहित्य (1914-2000) खण्ड II		Literature in English (1914-2000) Part II	30	70	100
तृतीय	साहित्यिक आलोचना एवं सिद्धान्त खण्ड I	**3rd**	Literary Criticism and Theory Part-I	30	70	100
	अमेरिकी साहित्य खण्ड I		American Literature Part-I	30	70	100
	अंग्रेजी में भारतीय लेखन खण्ड I		Indian Writing in English Part-I	30	70	100
	महिला लेखन खण्ड I		Women Writing Part-I	30	70	100
चतुर्थ	साहित्य आलोचना सिद्धान्त खण्ड II	**4th**	Literary Theory and Criticism Part-II	30	70	100
	अमेरिकी साहित्य खण्ड II		American Literature Part-II	30	70	100
	अंग्रेजी में भारतीय लेखन खण्ड II		Indian Writing in English Part-II	30	70	100
	महिला लेखन खण्ड II /लघुशोध (100 अंक)		Women Writing Part-II/ Dissertation (100 marks)	30	70	100
एम.ए. संस्कृत (व्याकरण), २ वर्ष		**M.A. Sanskrit (Vyakaran), 2 Years**				
प्रथम	संस्कृत व्याकरणम् (क)	**1st**	Sanskrit Vyakaranam (A)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (B)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)		Sanskrit Vyakaranam (C)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)		Sanskrit Vyakaranam (D)	30	70	100
	संस्कृत साहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
द्वितीय	संस्कृत व्याकरणम् (क)	**2nd**	Sanskrit Vyakaranam (A)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (B)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)		Sanskrit Vyakaranam (C)	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	संस्कृत व्याकरणम् (घ)		Sanskrit Vyakaranam (D)	30	70	100
	संस्कृत साहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
तृतीय	संस्कृत व्याकरणम् (क)	3rd	Sanskrit Vyakaranam (A)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (B)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)		Sanskrit Vyakaranam (C)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)		Sanskrit Vyakaranam (D)	30	70	100
	संस्कृत साहित्यम्		Sanskrit Sahitya	30	70	100
चतुर्थ	संस्कृत व्याकरणम् (क)	4th	Sanskrit Vyakaranam (A)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (B)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)		Sanskrit Vyakaranam (C)	30	70	100
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)		Sanskrit Vyakaranam (D)	30	70	100
	संस्कृत साहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (योग विज्ञान) १ वर्ष		**Post Graduate Diploma (Yoga Science), 1 Year**				
प्रथम	योग के आधारभूत तत्व	1st	Fundamentals of Yoga	30	70	100
	हठयोग के सिद्धान्त		Theory of Hatha Yoga	30	70	100
	श्रीमद्भगवद्गीता तथा सांख्य दर्शन परिचय		Shrimadbhagvadgeeta & Introduction of Samkhya Darshan	30	70	100
	शरीर क्रियाविज्ञान		Human Biology	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Practical Yoga	30	70	100
	क्रियात्मक-शरीर विज्ञान		Human Biology Practicum	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		English Communication (Non-credit)	30	70	100
द्वितीय	पातंजल योगदर्शन	2nd	Patanjal Yoga Darshan	30	70	100
	योग चिकित्सा		Yoga Therapy	30	70	100
	स्वस्थवृत्त आहार व पोषण		Hygiene, Diet & Nutrition	30	70	100
	पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा		Complementary & Alternative Therapy	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Practical Yoga	30	70	100
	क्रियात्मक-पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा		Complementary & Alternative Therapy Practicum	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		English Communication (Non-credit)	30	70	100
वर्ष		**Post Graduate Diploma (Yoga Health and Cultural Tourism), 1**				
प्रथम	योग के आधारभूत तत्व	1st	Fundamentals of Yoga	30	70	100
	हठयोग के सिद्धान्त		Theory of Hatha Yoga	30	70	100
	पर्यटन सिद्धान्त और व्यवहार		Tourism Theory and Practice	30	70	100
	आतिथ्य प्रबन्धन		Hospitality Management	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Practical Yoga	30	70	100
	परियोजना कार्य पर्यटन		Project Report Tourism	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		English Communication (Non-credit)	30	70	100
द्वितीय	पातंजल योगदर्शन	2nd	Patanjal Yoga Darshan	30	70	100
	योग चिकित्सा		Yoga Therapy	30	70	100
	सांस्कृतिक पर्यटन स्रोत		Cultural Tourism Resources	30	70	100
	यात्रा विवरण योजना, विपणन, टूर पैकेज और लागत		Itinerary Planning, Marketing, Tour Packaging and Costing	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Practical Yoga	30	70	100
	शैक्षणिक भ्रमण		Educational Tour	30	70	100
	कम्यूनीकेटिव अंग्रेजी (क्रेडिट रहित)		English Communication (Non-credit)	30	70	100
स्नातकोत्तर डिप्लोमा - योग और आयुर्वेद, १ वर्ष		**Post Graduate Diploma in Yoga & Ayurveda, 1 Year**				
प्रथम	योग के सिद्धान्त	1st	Basics of Yoga	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	आयुर्वेद के सिद्धान्त		Principles of Ayurveda	30	70	100
	मानव शरीर विज्ञान		Human Biology	30	70	100
	द्रव्य गुण विज्ञान		Pharmacotherapeutical Science	30	70	100
	आहार एवं पोषण		Diet & Nutrition	30	70	100
	क्रियात्मक- योग		Yoga Practical	30	70	100
	क्रियात्मक- आयुर्वेद		Ayurved Practical	15	35	50
द्वितीय	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	**2nd**	Yoga & Nature Cure	30	70	100
	वैकल्पिक एवं पूरक चिकित्सा		Complementary & Alternative Therapy	30	70	100
	महत्वपूर्ण औषधीय पादप		Important Medicinal Herbs	30	70	100
	स्वस्थ वृत्त		Basics of Healthy Living	30	70	100
	रोग परक विकृति विज्ञान		Disease Specific Pathology	30	70	100
	क्रियात्मक- योग		Practical Yoga	30	70	100
	क्रियात्मक-विकृति विज्ञान		Pathology Practical	15	35	50
	परियोजना कार्य		Project Work	15	35	50
स्नातकोत्तर डिप्लोमा वैदिक दर्शन, १ वर्ष		**PG Diploma in Vedic Darshan, 1 Year**				
प्रथम	सांख्यकारिका-योग	**1st**	Sankhyakarika-Yog	30	70	100
	संस्कृत व्याकरण		Sanskrit Vyakaran	30	70	100
	संस्कृत साहित्य		Sanskrit Sahitya	30	70	100
	दर्शन प्रबोध-षड् दर्शन परिचय		Darshan Prabodh-Shad Darshan Parichaya	30	70	100
	वैदिक साहित्य		Vedic Sahitaya	30	70	100
द्वितीय	दर्शन स्मरण	**2nd**	Darshan Smaran	30	70	100
	संस्कृत व्याकरण		Sanskrit Vyakaran	30	70	100
	संस्कृत साहित्य		Sanskrit Sahitya	30	70	100
	वेदांग प्रबोध		Vedang Prabodh	30	70	100
	वैदिक साहित्य		Vedic Sahitya	30	70	100
बी.ए. (योग विज्ञान के साथ), ३ वर्ष		**B.A. (with Yoga Science), 3 Years**				
प्रथम	योग परिचय	**1st**	Introduction of Yoga	30	70	100
	हठयोग परिचय		Introduction of Hathyog	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Yoga Practical	30	70	100
	मौलिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया-I		Basic Psychological Process-I	30	70	100
	सामाजिक मनोविज्ञान-I		Social Psychology-I	30	70	100
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान		Psychology Practical	30	70	100
	पर्यटन अवधारणा एवं सिद्धान्त		Tourism Concepts and Principles	30	70	100
	सांस्कृतिक पर्यटन संसाधन		Cultural Tourism Resources	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरणम्		Sanskrit Grammar	30	70	100
	साहित्यं धर्मशास्त्रं च		Sahitaya and Dharmashastra	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
द्वितीय	भारतीय दर्शन एवं संस्कृति	**2nd**	Indian Philosophy and Culture	30	70	100
	श्रीमद्भगवद्गीता परिचय		Introduction of Shrimadbhagwadgeeta	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Yoga Practical	30	70	100
	मौलिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया-II		Basic Psychological Process-II	30	70	100
	सामाजिक मनोविज्ञान-II		Social Psychology-II	30	70	100
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान		Psychology Practical	30	70	100
	यात्रा परिवहन एवं पर्यटन		Transport in Travel and Tourism	30	70	100
	भौगोलिक पर्यटन		Geography for Tourism	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	संस्कृत-व्याकरणम्		Sanskrit Grammar	30	70	100
	साहित्यं धर्मशास्त्रं च		Sahitaya and Dharmashastra	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
	इलेक्टिव-I (बेसिक संस्कृत-II)		Elective I- (Basic Sanskrit-II)	30	70	100
तृतीय	आयुर्वेद परिचय	**3rd**	Introduction of Ayurveda	30	70	100
	मानव शरीर विज्ञान-I		Human Biology-I	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Yoga Practical	30	70	100
	मनोविज्ञान की प्रणाली व पद्धति-I		System and Schools of Psychology-I	30	70	100
	मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी		Psychological Statistics	30	70	100
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान		Psychology Practical	30	70	100
	पर्यटन नीति एवं योजना		Tourism Policy and Planning	30	70	100
	ट्रेवल एजेन्सी एवं टूर संचालन व्यवसाय		Travel Agency and Tour Operations Business	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरणम्		Sanskrit Grammar	30	70	100
	साहित्यं धर्मशास्त्रं च		Sahitaya and Dharmashastra	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		English Communication	30	70	100
चतुर्थ	मानव शरीर विज्ञान-II	**4th**	Human Biology-II	30	70	100
	आयुर्वेद एवं स्वस्थवृत्त परिचय		Introduction of Ayurveda & Swasthvritta	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Yoga Practicum	30	70	100
	मनोविज्ञान की प्रणाली व पद्धति-II		System and Schools of Psychology-II	30	70	100
	सामाजिक अनुसंधान		Social Research	30	70	100
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान		Psychology Practicum	30	70	100
	भारत में देशाटन हेतु गन्तव्य		Destination Interpretation- India	30	70	100
	आतिथ्य प्रबन्धन		Hospitality Management	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरणम्		Sanskrit Grammar	30	70	100
	साहित्यं धर्मशास्त्रं च		Sahitaya and Dharmashastra	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		English Communication	30	70	100
पंचम	पातंजल योग सूत्र	**5th**	Patanjal Yoga Sutra	30	70	100
	उपनिषद् परिचय		Upnisad Parichay	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Yoga Practicum	30	70	100
	नैदानिक मनोविज्ञान-I		Clinical Psychology-I	30	70	100
	व्यक्तित्व मनोविज्ञान		Psychology of Personality	30	70	100
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान		Psychology Practicum	30	70	100
	विश्व में देशाटन हेतु गन्तव्य		Destination Interpretation- World	30	70	100
	भ्रमण-औपचारिकताएँ एवं सरलीकरण		Travel Formalities and Facilitation	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरणम्		Sanskrit Grammar	30	70	100
	साहित्यं धर्मशास्त्रं च		Sahitaya and Dharmashastra	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		English Communication	30	70	100
षष्ठ	योग चिकित्सा	**6th**	Yoga Therapy	30	70	100
	प्राकृतिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा परिचय		Introduction of Naturopathy and Alternative Therapy	30	70	100
	क्रियात्मक-योग		Yoga Practicum	30	70	100
	नैदानिक मनोविज्ञान-II		Clinical Psychology-II	30	70	100
	परामर्श के सिद्धान्त व उपयोगिता		Principles and Applications of Counseling	30	70	100
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान		Psychology Practicum	30	70	100
	व्यावसायिक संचार		Business Communication	30	70	100
	-शैक्षणिक भ्रमण		Educational Tour	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	संस्कृत-व्याकरणम्		Sanskrit Grammar	30	70	100
	साहित्यं धर्मशास्त्रं च		Sahitaya and Dharmashastra	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		English Communication	30	70	100
बी.एस-सी (योग विज्ञान), ३ वर्ष		**B.Sc. (Yoga Science), 3 Years**				
प्रथम	योग परिचय	**1st**	Foundations of Yoga	30	70	100
	हठयोग-I		Hatha Yoga – I	30	70	100
	शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान-I		Human Biology –I	30	70	100
	संस्कृत के मूलतत्व		Basics of Sanskritam -I	15	35	50
	जी ई- 1 आयुष परिचय		GE- 1 Introduction to AYUSH	15	35	50
	क्रियात्मक योग-1		Yoga Practicum-1	30	70	100
	क्रियात्मक योग-2		Yoga Practicum-2	15	35	50
	क्रियात्मक- मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान I		Human Anatomy & Physiology Practicum I	15	35	50
द्वितीय	पातंजल योग दर्शन	**2nd**	Patanjala Yoga Darshana	30	70	100
	हठयोग-II		Hatha Yoga-II	30	70	100
	शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान-II		Human Biology-II	30	70	100
	संस्कृत के मूलतत्व-II		Basics of Sanskritam-II	15	35	50
	जी ई 2 स्वास्थ्य और यौगिक स्वच्छता		GE 2 Health & Yogic Hygiene	15	35	50
	क्रियात्मक- योग-3		Yoga Practicum-3	30	70	100
	क्रियात्मक योग-4		Yoga Practicum-4	15	35	50
	क्रियात्मक- मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान II		Human Anatomy & Physiology Practicum II	15	35	50
तृतीय	समग्र जीवन के लिए भगवद्गीता का मूलतत्व	**3rd**	Essence of Bhagavad Geeta for Holistic Living	30	70	100
	योग एवं समग्र स्वास्थ्य		Introduction to Holistic Health	30	70	100
	योग शिक्षण पद्धति		Applied Yoga	30	70	100
	पर्यावरण अध्ययन		Environmental studies	15	35	50
	जी ई 3 योग मनोविज्ञान		GE 3 Yoga Psychology	15	35	50
	क्रियात्मक योग-5		Yoga Practicum 5	30	70	100
	क्रियात्मक योग-6		Yoga Practicum 6	15	35	50
	क्षेत्र कार्य-योगऋषि स्वामी रामदेव जी की योग शिक्षाओं को स्थापित करने हेतु		Field work to established yoga teachings of Yogrishi Swami Ramdev Jee	15	35	50
चतुर्थ	प्रमुख उपनिषद्दों के मूलतत्व	**4th**	Essence of Principal Upanishads	30	70	100
	योग शिक्षण की विधियाँ		Methods of Teaching Yoga	30	70	100
	जैव रसायन एवं पेशीगति विज्ञान के मूल सिद्धान्त		Fundamentals of Biochemistry/Biomechenics	30	70	100
	एईईसी-4 कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		AEEC-4 Communicative English	15	35	50
	जी ई-4 यौगिक आहार एवं पोषण		GE-4 Yoga Diet and Nutrition	15	35	50
	क्रियात्मक योग 7 शिक्षण योग्यता		Yoga Practicum 7 Teaching Skills	30	70	100
	क्रियात्मक योग-8		Yoga Practicum-8	15	35	50
	क्रियात्मक जैव रसायन एवं पेशीगति विज्ञान		Practicum Biochemistry & Biomechanics	15	35	50
पंचम	वैदिक दर्शन एवं संस्कृति	**5th**	Vedic Philosophy and Culture	30	70	100
	योग चिकित्सा-I		Yoga Therapy-I	30	70	100
	वैकल्पिक एवं पूरक चिकित्सा		Complementary and Alternative Therapy (CAT)	30	70	100
	कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	15	35	50
	डी.एस.ई-1 योग के अनुसार मानव तंत्र		DSE-1 Human System According To Yoga	15	35	50
	क्रियात्मक योग-9 रोग आधारित योग चिकित्सा तकनीक		Yoga Practicum-9 Disease Specific Yoga Therapy Modules	30	70	100
	क्रियात्मक योग-10 शैक्षणिक भ्रमण		Yoga Practicum-10 Study Tour	15	35	50

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	क्रियात्मक- वैकल्पिक एवं पूरक चिकित्सा		CAT Practicum	15	35	50
षष्ठ	योग तथा मानवीय मूल्य	6th	Yoga and Human Values	30	70	100
	योग चिकित्सा-II		Yoga Therapy-II	30	70	100
	अनुसन्धान प्रणाली एवं सांख्यिकी		Research Methodology & Statistics	30	70	100
	प्राकृतिक चिकित्सा परिचय		Introduction to Naturopathy	15	35	50
	आयुर्वेद परिचय		Introduction to Ayurveda	15	35	50
	क्रियात्मक योग-11 रोग आधारित योग चिकित्सा तकनीक		Yoga Practicum-11 Disease Specific Yoga Therapy Modules	30	70	100
	क्रियात्मक योग-12		Yoga Practicum-12	15	35	50
	क्रियात्मक अनुसंधान एवं सांख्यिकी		Practical Research & Statistics	15	35	50
बी.एस-सी. आनर्स (जैविक विज्ञान अण्डर सी.बी.सी.एस.), ३ वर्ष		**Structure of B.Sc. (Hons.) Biological Science under CBCS, 3 Years**				
१	**कोर कोर्स: ४ क्रेडिट**	१	**Core Course: 4 credit**			
CC-1	रसायन विज्ञान	**CC-1**	Chemistry	30	70	100
CC-2	सेल बायोलॉजी	**CC-2**	Cell Biology	30	70	100
CC-3	आणविक जीवविज्ञान	**CC-3**	Molecular Biology	30	70	100
CC-4	सूक्ष्म विज्ञान	**CC-4**	Microbiology	30	70	100
CC-5	सिस्टम बायोलॉजी	**CC-5**	System Biology	30	70	100
CC-6	अनुवांशिकी	**CC-6**	Genetics	30	70	100
CC-7	जैव रसायन शास्त्र	**CC-7**	Biochemistry	30	70	100
CC-8	पारिस्थितिकी विज्ञान	**CC-8**	Ecology	30	70	100
CC-9	जैव-विविधता	**CC-9**	Bio-Diversity	30	70	100
CC-10	जैव भौतिकी	**CC-10**	Biophysics	30	70	100
CC-11	चयापचय क्रियायें एवं समन्वय	**CC-11**	Metabolism and Integration	30	70	100
CC-12	विकासात्मक जीव विज्ञान	**CC-12**	Developmental Biology	30	70	100
CC-13	स्नायु जीव विज्ञान	**CC-13**	Neurobiology	30	70	100
CC-14	इवोल्यूशन बायोलॉजी	**CC-14**	Biology of Evolution	30	70	100
२	**अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (कोई भी चार) + डीसीई-१० अनिवार्य: ४ क्रेडिट**	२	**Discipline Specific Elective (Any Four) + DCE-10 Mandatory: 4 credit**			
DCE-1	जैव-विज्ञान में विश्लेषणात्मक तकनीक	**DCE-1**	Analytical Biology	30	70	100
DCE-2	वन्यजीव संरक्षण	**DCE-2**	Wildlife Conservation	30	70	100
DCE-3	अंत:स्त्रविका	**DCE-3**	Endocrinology	30	70	100
DCE-4	बायोमैटिरियल्स और नैनोसाइन्स	**DCE-4**	Biomaterials and Nanoscience	30	70	100
DCE-5	औद्योगिक सूक्ष्म विज्ञान	**DCE-5**	Industrial Microbiology	30	70	100
DCE-6	जड़ी-बूटियों का संरक्षण	**DCE-6**	Conservation of Herbs	30	70	100
DCE-7	दवाओं की खोज एवं विकास	**DCE-7**	Drug Discovery and Development	30	70	100
DCE-8	शोध प्रबंध/ परियोजना	**DCE-8**	**Dissertation / Project ***	30	70	100
३	**योग्यता अभिवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम : २ क्रेडिट**	३	**Ability Enhancement Compulsory Course: 2 credit**			
AE-1	कॉम्युनिकेटिव अंग्रेजी	**AE-1**	English Communication	15	35	50
AE-2	पर्यावरण विज्ञान	**AE-2**	Environmental Sciences	15	35	50
AE-3	योग और आयुर्वेद के मूल तत्व	**AE-3**	Fundamentals of Yoga and Ayurveda	15	35	50
AE-4	मानवीय मूल्य और सदाचार	**AE-4**	Human Values and Ethics	15	35	50
४	**कौशल संवर्धन वैकल्पिक पाठ्यक्रम (कोई भी दो) ४ क्रेडिट**	४	**Skill Enhancement Elective Courses (Any two): 4 credit**			
SE-1	औषधीय वनस्पति	**SE-1**	Medicinal Botany	30	70	100
SE-2	बायोफर्टिलाईजर	**SE-2**	Biofertilizers	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

SE-3	जैव सांख्यिकी	**SE-3**	Biostatistics	30	70	100
SE-4	सार्वजनिक स्वास्थ्य और प्रबन्धन	**SE-4**	Public Health and Management	30	70	100
SE-5	रिकम्बिनेन्ट डीएनए प्रौद्योगिकी	**SE-5**	Recombinant DNA Technology	30	70	100
SE-6	जैविक कृषि तकनीक	**SE-6**	Organic Farming Techniques	30	70	100
SE-7	खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	**SE-7**	Food Processing Technologies	30	70	100
SE-8	जैव-उपकरण	**SE-8**	Bio-Instrumentation	30	70	100
बी.ए. आनर्स (दर्शन), ३ वर्ष		**B.A. Honours (Philosophy), 3 Years**				
प्रथम	योगदर्शन	**1st**	Yog Darshan	30	70	100
	सांख्यदर्शन		Sankhya Darshan	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-I		Sanskrit Vyakaran -I	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-II		Sanskrit Vyakaran -II	30	70	100
	संस्कृत-साहित्य		Sanskrit Sahitaya	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी -I		Communicative English -I	30	70	100
द्वितीय	सांख्यकारिका	**2nd**	Sankhya Karika	30	70	100
	सांख्यदर्शन		Sankhya Darshan	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-I		Sanskrit Vyakaran-I	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-II		Sanskrit Vyakaran-II	30	70	100
	संस्कृत साहित्य		Sanskrit Sahitaya	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-2		Communicative English -2	30	70	100
तृतीय	न्याय दर्शन-1	**3rd**	Nyaya Darshan - 1	30	70	100
	वैशेषिक दर्शन-1		Vaisheshik Darshan -1	30	70	100
	संस्कृत व्याकरण-I		Sanskrit Vyakaran-I	30	70	100
	संस्कृत व्याकरण-II		Sanskrit Vyakaran-II	30	70	100
	संस्कृत-साहित्य		Sanskrit Sahitya	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-3		Communicative English-3	30	70	100
चतुर्थ	न्याय दर्शन-2	**4th**	Nyaya Darshan - 2	30	70	100
	वैशेषिक दर्शन-2		Vaisheshik Darshan -2	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-I		Sanskrit Vyakaran-I	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-II		Sanskrit Vyakaran-II	30	70	100
	संस्कृत-साहित्य		Sanskrit Sahitya	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-4		Communicative English - 4	30	70	100
पंचम	वेदान्त दर्शन-1	**5th**	Vedant Darshan - 1	30	70	100
	मीमांसा-दर्शन-1		Mimansa Darshan - 1	30	70	100
	संस्कृत व्याकरण-I		Sanskrit Vyakaran-I	30	70	100
	संस्कृत व्याकरण-II		Sanskrit Vyakaran-II	30	70	100
	संस्कृत साहित्य		Sanskrit Sahitya	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-5		Communicative English-5	30	70	100
षष्ठ	वेदान्त दर्शन-2	**6th**	Vedant Darshan - 2	30	70	100
	निघण्टु		Nighantu	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-I		Sanskrit Vyakaran-I	30	70	100
	संस्कृत-व्याकरण-II		Sanskrit Vyakaran-II	30	70	100
	संस्कृत साहित्य		Sanskrit Sahitya	30	70	100
	पर्यावरण विज्ञान		Environmental studies	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी- 6		Communicative English-6	30	70	100
शास्त्री/बी.ए. (व्याकरण), ३ वर्ष		**Shastri/B.A. (Vyakarana), 3 Years**				

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

प्रथम	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**1st**	Sanskrit Vyakaranam (1)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (2)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
द्वितीय	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**2nd**	Sanskrit Vyakaranam (3)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (4)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
तृतीय	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**3rd**	Sanskrit Vyakaranam (5)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (6)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
चतुर्थ	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**4th**	Sanskrit Vyakaranam (7)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (8)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
पंचम	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**5th**	Sanskrit Vyakaranam (9)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (10)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
षष्ठ	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**6th**	Sanskrit Vyakaranam (11)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaranam (12)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vedic Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
	पर्यावरण अध्ययन		Environmental studies	30	70	100
शारीरिक शिक्षा और खेल स्नातक, ३ वर्ष		**Bachelor of Physical Education & Sports, 3 Years**				
प्रथम	अनिवार्य पाठ्यक्रम I अनिवार्य पाठ्यक्रम हिन्दी	**1st**	Compulsory Course I Compulsory Course Hindi	30	70	100
	अमुख्य मूल पाठ्यक्रम I मानव शरीर रचना और क्रियाविज्ञान-I		Minor Core Course I Human Anatomy and Physiology-I	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम II शारीरिक शिक्षा एवं खेल का इतिहास		Major Core Course II History of Physical Education and Sports	30	70	100
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम I क) योग के आधार, ख) खेल पत्रकारिता		Elective Course I i) Foundation of Yoga, ii) Sport Journalism	30	70	100
	वैकल्पिक मैदान पाठ्यक्रम I खेल क्रियात्मक: वॉलीबाल, कबड्डी, वुडबॉल, बैडमिंटन		Elective Ground Course I Games Practicals: Volleyball, Kabaddi, Woodball, Badminton	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम II सामान्य पाठ्यक्रम क्रियात्मक (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) आवागमन, कैलिस्थेनिक्स, बैंड और बांसुरी संचलन, सर्वांग सुन्दर व्यायाम		Elective Ground Course II General Lessons Practicals (on any one of the following activities) Marching, Calisthenics, Dumb-Bell, Band & Flute	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगाशाला पाठ्यक्रम II क्रियात्मक योग		Minor Elective Lab Course II Yoga Practical	30	70	100
द्वितीय	अनिवार्य पाठ्यक्रम II अनिवार्य पाठ्यक्रम अंग्रेजी	2nd	Compulsory Course II Compulsory Course English	30	70	100
	अमुख्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम III योग और सर्वांगीण स्वास्थ्य		Minor Core Course III Yoga and Holistic Health	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम II शारीरिक शिक्षा का परिचय		Major Core Course II Introduction to Physical Education	30	70	100
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम IV क) स्वास्थ्य शिक्षा और पोषण, ख) अभ्यास फिजियोलॉजी		Elective Course IV i) Health Education and Nutrition, ii) Exercise Physiology	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम III खेल क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) डिस्कस थ्रो, ट्रिपल जम्प, हर्डलेस, मध्य और लंबी दूरी की दौड़		Elective Ground Course III Athletics Practical (on any one of the following Athelitic events): Discus Throw,Triple Jump, Hurdles, Middle & Long distance Races	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम IV खेल क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) लघु-दौड़, लम्बी कूद, गोला, चक्का फेकना, रिले		Elective Ground Course IV Athletics Practical (on any one of the following events) Sprints, Long Jump, Shot Put, Relay	30	70	100
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगाशाला पाठ्यक्रम II क्रियात्मक योग		Minor Elective Lab Course II Yoga Practical	30	70	100
तृतीय	अनिवार्य पाठ्यक्रम II पर्यावरण विज्ञान (स्वयं अध्ययन मोड)	3rd	Compulsory Course III Environmental Science (Self study mode)	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम V योग शिक्षण की विधि		Major Core Course V Methods in Teaching Yoga	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम VI शारीरिक शिक्षण की विधि		Major Core Course VI Methods in Physical Education	30	70	100
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम III क) खेल में जैव यांत्रिकी के बुनियादी सिद्धान्त, ख) अनुकूलित शारीरिक शिक्षा		Elective Course III i) Fundamentals of Biomechanics in Sports, ii) Adapted Physical Education	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम V खेल क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) खो खो, बास्केट बॉल, जूडो, मुक्केबाजी, टेबल टेनिस		Elective Ground Course V Games Practical (on any one of the games): Kho Kho, Basket Ball, Judo, Boxing, Table Tennis	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम IV जिमनास्टिक प्रयोग (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) तलबद्ध व्यायाम, मेहराब घोड़ा, समांतर बार, संतुलन बीम		Elective Ground Course IV Gymnastics Practical (on any one of the activities): Floor Exercises, Vaulting Horse, Parallel Bar, Balancing Beam	30	70	100
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगाशाला पाठ्यक्रम III क्रियात्मक योग		Minor Elective Lab Course III Yoga Practical	30	70	100
चतुर्थ	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम VII उपचारात्मक और मालिश	4th	Major Core Course VII Remedial & Massage	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम VIII शारीरिक शिक्षा के संगठन और प्रशासन		Major Core Course VIII Organization & Administration of Physical Education	30	70	100
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम IV योग थैरेपी का आधार निर्णयन और कोचिंग		Elective Core Course IV Basis of Yoga Therapy Officiating and Coaching	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	वैकल्पिक पाठ्यक्रम V खेलों में विशेषज्ञता (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) वुडबॉल, कबड्डी, जूडो, बैडमिंटन		Elective Course V Specialization in the Games (On any one of the following Games): Woodball, Kabaddi, Judo, Badminton	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम VII सामान्य पाठ प्रैक्टिकल (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) कक्षा गठन, लेजिएम, भारतीय क्लब और रिंग्स, एरोबिक्स		Elective Ground Course VII General Lessons Practicals(On any one of the following Activities): Class Formation, Lazium, Indian Clubs & Rings, Aerobic	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम VIII कसरत क्रियात्मक (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) अनियमित बाधा (महिलाओं के लिए), लयबद्ध कसरत (महिलाओं के लिए), क्षैतिज बाधा (पुरुषों के लिए), पोम्मेल हार्स (पुरुषों के लिए), रोमन रिंग्स (पुरुषों के लिए)		Elective Ground Course VIII Gymnastics Practicals (On any one of the following Activities): Uneven Bar (For women) Rhythmic Gymnastics (For Women), Horizontal Bar (For men), Pomell Horse (for men), Roman Rings (For men)	30	70	100
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगाशाला पाठ्यक्रम IV क्रियात्मक योग		Minor Elective Lab Course IV Yoga Practical	30	70	100
पंचम	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम IX पेशीगति विज्ञान	**5th**	Minor Core Course IX Kinesiology	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम X खेल परीक्षण की बुनियादी बातें		Minor Core Course X Fundamentals of sports Training	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XI सामान्य खेल चोटें, रोकथाम और ईलाज		Minor Core Course XI Common Sports Injuries (Prevention and Cure)	30	70	100
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम VI खेलों में विशेषज्ञता (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) खो-खो, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, ताइक्वॉण्डो		Elective Course VI Specialization in the Game: (on any one of the following Games): Kho Kho, Basketball, Boxing, Teakwondo	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम IX खेल क्रियात्मक (किसी भी खेल पर): क्रिकेट, हैन्डबाल, ताइक्वॉण्डो, भारोत्तोलन, फुटबॉल		Elective Ground Course IX Games Practical (on any one of the games): Cricket, Handball, Taekwondo, Weightlifting, Football	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम X व्यायाम क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) ऊँची छलांग, हथौड़ा फेंक, भाला, प्रतिस्पर्धा चाल		Elective Ground Course X Athletics Practicals (on any one of the following athletic events): High Jump, Hammer Throw, Javelin, Competitive walking	30	70	100
षष्ठ	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XII शारीरिक शिक्षा में कम्प्यूटर अनुप्रयोग का आधार	**6th**	Minor Core Course XII Fundamental of Computer Applications In Physical Education	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XIII खेल मनोविज्ञान		Minor Core Course XIII Sports Psychology	30	70	100
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XIV परीक्षण, मापन और मूल्यांकन		Minor Core Course XIV Test, Measurement And Evaluation	30	70	100
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम VI खेलों में विशेषज्ञता (निम्नलिखित खेल में से किसी एक पर): योग, हैण्डबाल, वॉलीबाल, फुटबाल		Elective Course VI Specialization in Yoga (On any one of the following Games): Yoga, Handball, Volleyball, Football	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम XI किसी भी दो गेम में चिह्नित और कार्यवाहक (सेमेस्टर I-V की पाठ्यक्रम सामग्री में शामिल)		Elective Ground Course XI Marking & officiating in any two games (Covered In course contents of Semester I-V)	30	70	100
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम XII चिह्नित और कार्यवाहक में व्यायाम (सेमेस्टर I-V की पाठ्यक्रम सामग्री में एक ट्रैक इवेंट और एक फील्ड इवेंट शामिल)		Elective Ground Course XII Marking & officiating in atheletics (i.e on track Event & one filed event covered In course contents of Semester I-V)	30	70	100

पाठ्यक्रम विवरण - Course Details

	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम VII कम्प्यूटर की बुनियादी बातें शारीरिक शिक्षा में आवेदन (क्रियात्मक)		Minor Elective Lab Course VII Fundamentals of Computer Application in Physical Education (Practical)	30	70	100
डिप्लोमा हिन्दुस्तानी (भारतीय) संगीत, १ वर्ष		**Diploma in Hindustani (Bhartiya) Music, 1 Year**				
प्रथम	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत गायन में-I	**1st**	Theory of Vocal-I	30	70	100
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायनं-II		Theory of Vocal-II	30	70	100
	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत वादन में-I		Theory of Instrumental-I	30	70	100
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायन-I		Practical of Vocal-I	30	70	100
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत वादन-I		Practical of Instrumental-I	30	70	100
द्वितीय	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत गायन में-III	**2nd**	Theory of Vocal-III	30	70	100
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायनं-II		Theory of Instrumental-II	30	70	100
	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत वादन में-III		Practical of Vocal-II	30	70	100
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायन-II		Practical of Instrumental-II	30	70	100
	सेमीनार और टूर		Seminar & Tour	30	70	100
सहायक पाठ्यक्रम (संस्कृत), १ वर्ष		**Brige Course (Sanskrit), 1 Year**				
प्रथम	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**Ist**	Sanskrit Vyakaran (A)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Vyakaran (B)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
द्वितीय	संस्कृतव्याकरणम् (क)	**2nd**	Sanskrit Vyakaran (A)	30	70	100
	संस्कृतव्याकरणम् (ख)		Sanskrit Sahitya (B)	30	70	100
	संस्कृतसाहित्यम्		Sanskrit Sahityam	30	70	100
	वैदिकसाहित्यम्		Vaidik Sahityam	30	70	100
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी		Communicative English	30	70	100
प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम		**Certificate Course**				
भारतीय व्यायाम पद्धति एवं खेल, ६ माह		**Bhartiya Vyavyam Paddati evam Khel, 6 Months**				
	योग के आधार भूत तत्त्व		Fandamental of Yoga	30	70	100
	जैव यान्त्रिकी व पेशीगति विज्ञान		Biomechanics & Kinesiology	30	70	100
	पारम्परिक व्यायाम के सिद्धान्त व इतिहास		Principles and and History of Traditional Exercise	30	70	100
	खेल प्रशिक्षण एवं कोचिंग		Sports training and Coaching	30	70	100
प्रायोगिक		**Practicum**				
	(1) **तालबद्ध व्यायाम:**- दण्ड-बैठक, मुद्गर, डंबल, लेजियम, लाठी, संचलन, पी.टी. (सर्वांग सुन्दर व्यायाम)		(1) **Rythmic Exercise:-** Dand Baithak, Mudgar, Dumbbell, Lazium, Lathi, March-past, P.T. (Physical Tranning)	30	70	100
	(2) **योग:**- आसन, प्राणायाम, मुद्रा बंध, षट्कर्म, सूर्य नमस्कार, खेल-योगासन प्रतियोगिता		(2) **Yoga:-** Asana, Pranayama, Mudra, Bandha, Shatkarma, Sports, Sun Salutation	30	70	100
	(3). **अ. भारतीय खेल:**- खो-खो, कबड्डी, कुश्ती, मलखम्भ- लकडी (बालकों के लिए), मलखम्भ रस्सी (बालिकाओं के लिए) गदका, नियुद्धम **(कोई-२)**, (3). **ब. ओलम्पिक खेल :** ट्रेक व फील्ड		(3). **A. Indian Games:-** Kho-Kho, Kabaddi, Wrestling, Gatka, Malkhambh- Wooden (Boys) and Rop (Girls), Martial Art **(any two)** (3). **B. Olympic:** Athletics, Track and field	30	70	100

Campus Life
University of Patanjali

Yoga Classes

Out Door Pics

Facilities
University of Patanjali

Reception

Library

Canteen

Hostel

Lectures & Mentoring Sessions
University of Patanjali

Lecture Classes

Mentor-Mentee Interaction

पतंजलि विश्वविद्यालय छात्र नियमावली

सृष्टि के समस्त प्राणियों के कल्याण व उत्थान हेतु परमात्मा के विधान हैं। उनके द्वारा विभिन्न नियम व मर्यादाएं निश्चित की गई हैं जिन्हें वेदों में ऋत्-नियमों के रूप में भी जाना जाता है। अनुशासन से ही राष्ट्र का उत्थान सम्भव है। वेदोक्त जीवन हमें विधि-निषेध पूर्वक मर्यादित जीवन जीने की शिक्षा देता है। ''बन्धन में ही सृजन है'' अतएव नियमों एवं मर्यादाओं को बन्धन न मानकर अपने सृजन का आधार मानकर प्रसन्नतापूर्वक आत्मसात करना है। प्रस्तुत नियम विश्वविद्यालय में पंजीकृत सभी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक रूप से पालनीय हैं अन्यथा यथोचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

१. प्रत्येक सत्र के प्रत्येक विषय में 75% उपस्थिति अनिवार्य है, प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर की अन्तिम परीक्षा में उपस्थित होने के लिए, योग्य होने के लिए, सेमेस्टर की कक्षाओं की शुरुआत से प्रत्येक पाठ्यक्रम में अलग-अलग आयोजित किए गये और व्यवहारिक रूप से आयोजित व्याख्यान के कम से कम 75 प्रतिशत अंक लेने की आवश्यकता है। 75% उपस्थिति से कम होने पर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं है।

२. यदि रैगिंग की कोई भी घटना विश्वविद्यालय के अधिकारी के संज्ञान में आती है तो नियामानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी।

३. विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को परिसर में मोटर-चलित वाहनों को रखने व उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

४. सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी शिक्षकों व शिक्षकेत्तर से सम्मानजनक व्यवहार करेंगे। ध्यातव्य रहे कि किसी भी स्थिति-परिस्थिति में किसी को भी वाणी व्यवहार से प्रताड़ित नहीं करना है। अमर्यादित शब्दों यथा- तू, तेरे को, मेरे को, अबे, तबे इत्यादि का प्रयोग निषेध है। किसी भी प्रकार के अवांछित/ अशोभनीय/ अमर्यादित कृत्य में संलिप्तता नहीं करनी है। विश्वविद्यालय परिसर या पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट से सम्बन्धित किसी भी इकाई के अन्दर व बाहर परस्पर किसी के ऊपर हाथ उठाना अक्षम्य अपराध है। ऐसी स्थितियों में सख्त दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

५. छात्र एवं छात्राएं कक्षाओं, सभाओं एवं अन्य सामूहिक कार्यक्रमों में मर्यादित रूप से अलग-अलग बैठेगें तथा कार्यक्रमों की समाप्ति पर छात्र पहले छात्राओं को जाने देंगे बाद में स्वयं जायेंगे। द्वार पर या अन्य स्थानों पर अनावश्यक रूप से एकत्रित न होंगे। मर्यादा का पालन करते हुए कोई भी छात्र/छात्रा समूह या युगल में व्यर्थ ही भ्रमण न करें, न किसी स्थान पर बैठें, न ही अमर्यादित रूप से परस्पर हँसी-मजाक करें या कुचेष्टा करें, ऐसा करते हुए पाये जाने पर तथा कक्षाओं, सभाओं व दिनचर्या में विलम्ब से पहुँचने पर, दीर्घ अनुपस्थिति की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।

६. विश्वविद्यालय परिसर अथवा पतंजलि योगपीठके किसी भी संस्थान में विद्यार्थियों के द्वारा जातिवाद, प्रान्तवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, वंशवाद एवं शारीरिक-संरचना, रंग-रूप व परिधान इत्यादि विषयों के आधार पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी, भेद-भाव तथा वाद-विवाद दण्डनीय अपराध माना जायेगा तथा ऐसी स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

७. विद्यार्थियों को विदित रहे कि अपने से बड़ों से वार्तालाप करते समय अति विनम्रता और सहनशीलता का परिचय देते हुए सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग करें जैसे-आप, जी, इत्यादि। उनकी बातों की अहवेलना व उपहास कदापि न करें।

८. किसी भी प्रकार के विषय को लेकर परिसर में/ छात्रावास में विद्यार्थियों के अध्ययन को बाधित कर उनको भड़काना, भ्रमित करना, हड़ताल आदि की चेष्टा करने पर दोषी छात्र/छात्रा को दण्डित किया जायेगा।

९. विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से छात्रावास में अन्तेवासी के रूप में रहना है। सम्बन्धित छात्रावासों के प्रत्येक विद्यार्थी को छात्रावास से सम्बन्धित नियम व मर्यादाओं का पालन करना आवश्यक होगा।

१०. सभी विद्यार्थियों को निर्धारित गणवेश व परिचय-पत्र के साथ में ही विश्वविद्यालय परिसर में रहना है।

११. सभी सादगीपूर्वक रहते हुए वस्त्र तथा केश विन्यास व सौन्दर्य प्रसाधन में मर्यादाओं का ध्यान रखेंगे। किसी भी अत्याधुनिक सौन्दर्य प्रसाधन का प्रयोग निषेध है।

१२. शैक्षणिक गतिविधियों एवं परीक्षा सम्बन्धी क्रिया-कलापों में भ्रष्टता व गड़बड़ी पाये जाने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

१३. विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय के किसी भी सदस्य की सम्पत्ति को क्षति पहुँचाये जाने पर अथवा विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्पत्ति का अनधिकृत प्रयोग या दुरुपयोग करते हुए पाये जाने पर दोषी विद्यार्थियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

१४. संस्थागत उत्सव एवं ज्ञानवर्धक सत्र आदि में माननीय कुलाधिपति, मा0 कुलपति एवं मा0 प्रतिकुलपति अथवा अन्य अधिकारियों के निर्देशानुसार तथा जनजागरुकता के लिए विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किये जाने वाले स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरुकता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान अभियान, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि विभिन्न कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

१५. विद्यार्थियों को अपरिहार्य स्थिति में भी अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना अवकाश अनुमन्य नहीं है। अध्ययन-सत्र अवधि में किसी भी प्रकार का अवकाश नहीं मिलेगा। अवकाश समाप्ति पर सुनिश्चित तिथि में ही उपस्थित होना अनिवार्य है।

१६. विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वस्तु क्रय व सामानों के प्रयोग में स्वदेशी भावना की अनुपालना सुनिश्चित करें। सभी माननीय प्रधानमंत्री जी के **'आत्मनिर्भर भारत अभियान'** की सफलता हेतु स्वदेशी एवं 'लोकल' सामानों का ही प्रयोग कर उसे 'ग्लोबल' बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में रहते समय उपलब्ध पतंजलि उत्पादों का ही यथासम्भव प्रयोग करना है।

१७. विभिन्न क्षेत्रों यथा- खेल-कूद, योगासन, गायन-वादन, अनुसंधान, शास्त्र-स्मरण, साहित्य लेखन आदि में प्रतिभा सम्पन्न छात्र/छात्राओं को बढ़-चढ़ कर भाग लेना है। विश्वविद्यालय की ओर से प्रोत्साहित करने के लिए यथासम्भव पुरस्कृत भी किया जाता है।

नोट :-

1. सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर/ छात्रावास में लगे सूचनापट्ट (नोटिस बोर्ड) पर लगाई गयी सभी प्रकार की सूचनाओं से भी आवश्यक रूप से अवगत रहें।
2. किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता के पाये जाने पर नियमानुसार अर्थदण्ड, श्रमदण्ड, निलम्बन व निष्कासन इत्यादि दण्ड हो सकते हैं।
3. वर्ष में एक बार विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'अभिभावक गोष्ठी' में विद्यार्थियों के माता-पिता/ अभिभावकों की उपस्थिति अनिवार्य है ताकि वे विश्वविद्यालय संस्थान की प्रगति के बारे में तथा अपने पुत्र-पुत्रियों कीगतिविधियों/उनकी अध्ययन सम्बन्धी प्रगति की जानकारी प्राप्त करें।

प्रतिदिन प्रातःकाल में योग और यज्ञ करना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है।
उसी की अनुपालना की एक झलक।

RULES & REGULATIONS FOR STUDENTS OF UNIVERSITY OF PATANJALI

OM-The supreme soul has set various rules and decoroum to sustain the cosmos. These are known as "Rit Niyam" in Vedas. Vedas teach us to live moderate and disciplined life for physical, spiritual, social and economic advancements. Discipline is important for Nation's progress. Discipline induces creativity, hence it is mandatory to follow the given rules and regulations of the University by all enrolled students within and outside the University premises.

1. 75% attendance is mandatory in every subject offered in each semester. As every student is required to attend at least 75% of the lectures scheduled and practicals conducted, separately in each course, from the start of the classes of a semester, for being eligible to appear in the final examination of that semester such students will not be permitted to take examination of the subject in the semester.
2. Ragging is banned in University. The University has adopted the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009. If any incident of ragging comes to the notice of the University Authorities, action will be taken as per the rules.
3. The students residing in University hostels shall not be permitted to keep and use motorized vehicles in the campus. An Undertaking will be obtained in Annexure- __ in this regard.
4. All students are expected to behave respectfully with teaching as well as non-teaching staff. Remember that one should not ill treat and torture anyone by one's vulgar language, speech and behavior. Address by words like *'Tu', 'Tere ko', 'Mere ko', 'Abe', 'Tbe'* etc. is uncalled for. None should be of indulged in unwanted, uncultured and uncalled for acts. Any physical assault within and outside the campuses of University of Patanjali and related institutions is unforgivable offence and liable for punishment.
5. Male and female students need to sit separately in classrooms, meetings and other programs. At the end of classes or programs, male students are expected to allow female students to come out first without creating random barriers and gathering on the gate and elsewhere. Moving around of male & female students together or sitting in a group and cutting vulgar funs anywhere in the University Campus shall be treated unmannered and liable to disciplinary action.
6. It is a punishable offence to comment, discriminate and debate anyone in terms of cast, region, language, pedigree, physical structure, complexion and dress codes etc.
7. Students have to follow due etiquettes and speak culturally accepted words (Ji, Aap etc.) during conversations among peers and seniors. They should never underestimate and criticize seniors' talks/advices.
8. Planning/creating any sort of disturbance in studies, conflicts, disharmony, mistrusts, aggression, deviation from the study, persuasion for strikes etc. will be punishable. Such activities are strictly prohibited.
9. It is compulsory for the students of all the programmes of UoP to reside in the hostels. These rules and regulations of the respective hostels are to be followed by all the residents.
10. Dressing up in prescribed dress codes and possession of identity card while in the University Campus is compulsory otherwise will be liable for disciplinary action.
11. Students while living a life of simplicity will follow the modesty, accepted hair styles and use of simple cosmetics only. Use of ultra modern beauty products is forbidden.
12. Disciplinary action will be taken against any type of dishonesty and mess in teaching and examination related activities.
13. Students engaged in damage to the property of University or its member/s and unauthorized use/misuse of University assets will be liable for punishment.
14. Students have to ensure their 100% presence in institutional festivals; teaching and other programs like campaigns for cleanliness, awareness among voters, plantation, blood donation and NSS programs organized by the University as per instructions from (i) Hon'ble Pro Vice Chancellor/ (ii) Hon'ble Vice Chancellor/ (iii) Hon'ble Chancellor.
15. Even in urgent cases, students' leave will not stand sanctioned without permission of the authorized officers. No leave will be granted during teaching days. Timely presence of the students after end of the vacation is mandatory.

16. All students of the University are expected to purchase and use indigenous consumer products. Students should contribute to Hon'ble Prime Minister's *"Aatm Nirbhar Bharat Abhiyan"*- a grand success by purchasing *"Swadeshi Products"*. Preferably the students should use Patanjali FMCG products during their stay at the University.
17. Students to participate enthusiastically in games, yoga, singing (vocal and instrumental), research, *Shastra smaran*, literary writing etc. Off and on they will be honored.

NOTE:

1. Students are advised to cultivate the regular habit of watching notice boards affixed in the University Campus/Hostels to get intermittent updates.
2. Any type of indiscipline will lead to punishment as fine, *'Shramdand'*, suspension and rustication etc.
3. Students' parents/guardians must attend parent meeting once in a year to be informed about their ward's behavioral, curricular and extracurricular progresses.

शैक्षणिक पंचांग २०२१-२२ (सम्भावित)

कार्यक्रम	सेमेस्टर	
	प्रथम	द्वितीय
प्रवेश शुल्क और पिछला शेष शुल्क जमा करना (नवीन छात्रों हेतु)	15.09.2021 से 20.09.2021	22.01.2022 से 06.02.2022
शिक्षण प्रारम्भ	01.09.2021 (वरिष्ठ कक्षा) 01.10.2021 (नवीन कक्षा)	24.01.2022
आन्तरिक परीक्षाएं	23.12.2021 से 30.12.2021	09.04.2022 से 20.04.2022
प्रायोगात्मक परीक्षाएं	15.01.2022 से 25.01.2022	20.05.2022 से 30.05.2022
मुख्य परीक्षाएं	01.02.2022 से 20.02.2022	01.06.2022 से 20.06.2022
शैक्षणिक अवकाश	24.02.2022 से 01.03.2022	21.06.2022 से 27.07.2022
मुख्य परीक्षा परिणाम की घोषणा	02.03.2022	

Academic Calendar 2021-22 (Proposed)

Event	Semester	
	1st	2nd
Admission fee & dues payment (for new students)	15-09-2021 to 20-09-2021	22-01-2022 to 06-02-2022
Commencement of classes	01-09-2021 (Senior Class) 01-10-2021 (New Class)	24-01-2022
Internal Examinations	23-12-2021 to 30-12-2021	09-04-2022 to 20-04-2022
Practical Exams	15-01-2022 to 25-01-2022	20-05-2022 to 30-05-2022
Final Exams	01-02-2022 to 20-02-2022	01-06-2022 to 20-06-2022
Academic Vaccation	24-02-2022 to 01-03-2022	21-06-2022 to 27-07-2022
Announcement of Final Result Submission	02-03-2022	

छात्रावास नियमावली

प्राचीन भारतीय वैदिक परम्पराओ व मूल्यों को अपना आदर्श मानते हुए एवं ऋषियों के द्वारा निर्दिष्ट वैदिक जीवन पद्धति को आत्मसात् करते हुए पतंजलि विश्वविद्यालय अपने छात्रावास में दिव्य अध्यात्मिक चेतना से युक्त छात्रों के निर्माण हेतु संकल्पित है, अत: आशा है कि प्रस्तुत नियम एवं प्रतिबन्ध सभी अन्तेवासी आत्मकल्याण, राष्ट्रकल्याण के महान लक्ष्य की पूर्ति के लिए पूर्ण शालीनता एवं अनुशासन के साथ प्रसन्नता पूर्वक स्वीकार करेंगें।

1. पतंजलि विश्वविद्यालय के मूल में ऋषियों की पावनी परम्परा है अत: सभी अन्तेवासियों से अपेक्षा है कि प्रात: जागरण, योग व यज्ञ में अपनी उपस्थिति जागरुकता पूर्वक अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें । अनुपस्थित अन्तेवासियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक / अर्थदण्ड /श्रमदण्ड आदि की कार्यवाही की जायेगी।
2. भोजनालय में शुद्ध सात्विक शाकाहारी भोजन की उपलब्धता निम्न समयानुसार रहेगी–

प्रात: राश	:	प्रात: 08:00 से 09:00 बजे तक
दोपहर का भोजन	:	मध्याह्न 01:00 से 02:00 बजे तक
रात्रि का भोजन	:	सायं 07:30 से 08:30 बजे तक

   किसी को भी किसी भी प्रकार से माँसाहारी भोजन रखने, बनाने अथवा लाने की अनुमति नहीं है, यदि कोई नियम भंग करता है तो उस पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।
3. भोजन भोजनालय से बाहर ले जाना मना है एवं बाहर का कुछ भी भोजनालय में लाकर खाना अथवा छात्रावास में भी ले जाना पूर्णत: प्रतिबन्धित है।
4. कक्षा के समय किसी भी अन्तेवासी का बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के छात्रावास में रहना दण्डनीय होगा ।
5. छात्रावास से किसी भी अन्तेवासी को रात्रि 10:00 बजे के पश्चात् तथा प्रात: 5 बजे से पूर्व बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
6. अन्तेवासियों को निर्दिष्ट किया जाता है कि अधिकृत व्यक्ति को बिना सूचना दिये विश्वविद्यालय परिसर से बाहर जाना प्रतिबन्धित है।
7. विश्वविद्यालय एवं छात्रावास परिसर में किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों का प्रयोग(रखना– ले आना व ले जाना)किसी भी प्रकार से वर्जित है। (यथा– पान, बीड़ी, गुटखा, पान–मसाला, तम्बाकू, गांजा, सिगरेट, खैनी, हुक्का, बियर, मदिरा आदि)
8. अन्तेवासी बिना किसी लिखित अनुमति के अपना कक्ष नहीं बदल सकते है एवं अन्य किसी के साथ कक्ष परस्पर अदला– बदली भी नहीं कर सकते हैं ।
9. अन्तेवासी अपने कक्ष की दीवार व दरवाजे आदि पर किसी भी प्रकार का चित्र, नोटिस, पेंटिंग, अमान्य स्लोगन आदि नहीं लगायेगें जिससे की दीवार अथवा फर्नीचर आदि के खराब होने की संभावना हो।
10. विश्वविद्यालय परिसर में वाहन के रूप में केवल साईकिल चलाना ही अनुमन्य है। एवं साईकिल निर्धारित स्थान पर ही खड़ी करें।
11. अन्तेवासी अपने कक्ष में किसी भी अन्य को (जिनमें मित्र / बन्धु /अतिथि / परिजन आदि) को नहीं ले जा सकते हैं।
12. विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रावास में उपलब्ध कराये गये बेड, फर्नीचर, टेबल आदि को हटाना, क्षतिग्रस्त करना, किसी भी प्रकार से उन पर कुछ लिखना, चिपकाना आदि पूर्णत: वर्जित है।
13. अन्तेवासियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कक्ष एवं परिसर को स्वच्छ, सुन्दर एवं व्यवस्थित रखेगें।
14. गीले / भीगे वस्त्रों को यथा स्थान पर ही सुखाने के लिए फैलायें न कि सार्वजनिक स्थानों पर व कक्ष में इधर–उधर, दरवाजों, टेबल आदि पर छोडें ।
15. अन्तेवासी अपने कक्ष की चाबी जो उन्हे दी गयी है उसे सुरक्षित रखेगें एवं खो जाने पर निर्धारित शुल्क(500 रुपये) जमा कर दूसरी चाबी प्राप्त करेगें व किसी भी स्थिति में कोई भी डुप्लीकेट चाबी नहीं बनवायेगें।
16. संस्था, एवं छात्रावास के किसी भी सम्पत्ति के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में सम्बन्धित दोषी छात्र से अर्थदण्ड द्वारा उसकी क्षतिपूर्ति की जायेगी एवं यदि क्षतिग्रस्त करने वाले दोषी छात्र की पहचान अन्य छात्रों द्वारा छिपायी जाती है तो सभी छात्रों पर समान रूप से अर्थदण्ड

लगाकर उस सम्पत्ति के मूल्य अथवा लागत की भरपायी की जायेगी।

17. बिजली व पानी का दुरुपयोग न करें, कक्ष से निकलते समय हमेशा यह सुनिश्चित करे कि पंखा, ट्यूब लाइट आदि ठीक प्रकार से सभी विद्युत उपकरण बन्द है या नहीं। कक्ष से निकलते समय यह भी ध्यान दें कि दरवाजा, खिड़की आदि ठीक प्रकार से बन्द हों। किसी भी प्रकार का कैमरा, रिकार्डर, विडियो यंत्र, ऑडियो यंत्र आदि का रखना एवं प्रयोग करना तथा किसी भी प्रकार का अस्त्र, शस्त्र, धारदार हथियार, आग्नेयास्त्र आदि का रखना व प्रयोग करना भी पूर्णत: प्रतिबन्धित है।
18. छात्रावास के कक्ष में किसी भी प्रकार का विद्युत यंत्र यथा- हीटर, रूम हीटर, म्युजिक सिस्टम आदि का प्रयोग न करें एवं कमरें में गैस, सिलेण्डर, पेट्रोलादि ज्वलनशील पदार्थ न रखें। यह छात्रावास में पूर्णत: वर्जित है।
19. छात्रावास परिसर के किसी भी कक्ष की किसी भी समय तलाशी ली जा सकती है जिसमें छात्र / छात्राओं का सहयोग अनिवार्यत: अपेक्षित है।
20. छात्रावास में अपने पास मूल्यवान आभूषण / सामग्री / नकदी आदि नहीं रखने का निर्देश दिया जाता है किसी भी चोरी आदि की स्थिति में छात्र / छात्रा स्वयं जिम्मेदार होगें ।
21. छात्रावास में अन्दर व बाहर जाने पर अनिवार्य रूप से सुरक्षा कर्मियों द्वारा सामान की जाँच करवाना तथा अवाश्यक होने पर अपना परिचय-पत्र अवश्य प्रस्तुत करना होगा ।
22. छात्रावास वार्डन / छात्रपाल द्वारा दी गयी सभी सूचनाओं का पूर्ण पालन करना अनिवार्य है एवं समय-समय पर आहूत की जाने वाली बैठकों व सभा आदि में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जानी चाहिए।
23. छात्रावास कार्यालय द्वारा आप के माता-पिता / संरक्षक को किसी कारणवश बुलाने पर निश्चित समय अवधि पर आना अनिवार्य है । छात्र / छात्राओं से अपेक्षित है कि वे प्रस्तुत नियमावली की एक प्रति विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.universityofpatanjali.com) से लेकर अपने माता-पिता को अवश्य दिखायें।
24. यदि कोई छात्र या उसका साथी किसी भी प्रकार की संक्रमित बीमारी से ग्रस्त हैं तो तुरंत छात्रपाल को सूचित करना अनिवार्य है। किसी भी साथी की रुग्णावस्था में सहानुभूति व प्रेमपूर्वक उसका ध्यान रखें एवं उसका सहयोग अपेक्षित है ।
25. छात्रावास में किसी भी प्रकार की पार्टी, गोष्ठी, जन्मदिन का आयोजन करना, शोर मचाना, उच्च स्वर में वार्तालाप, वाद-विवाद व गाना गाना आदि का पूर्णत: निषेध है ।
26. छात्रावास में शयनकालीन मन्त्र पाठ रात्रि 9:00 बजे से लेकर के प्रात: काल यज्ञ पर्यन्त मौन का वातावरण स्थापित करने में परस्पर सहयोग दें। शयनकालीन और जागरणकालीन प्रार्थनाओं में सभी अन्तेवासियों की उपस्थिति अनिवार्य है।
27. योग, यज्ञ, अध्ययन, अध्यापन, बैठकों, सभा, गोष्ठी आदि में मोबाइल का किसी भी प्रकार से प्रयोग पूर्णत: वर्जित रहेगा । स्मार्ट फोन का प्रयोग निर्धारित समय अवधि के अतिरिक्त यदि प्रयोग करते हुए पाये जाते हैं तो फोन जमा कर लिया जायेगा एवं अर्थदण्ड या श्रमदण्ड दिया जायेगा ।
28. छात्रावास के बाहर हमेशा वस्त्र की मर्यादा का ध्यान रखें छात्रों के लिए कुर्ता-पायजामा अथवा धोती-कुर्ता तथा छात्राओं के लिए सलवार-कुर्ता अथवा साड़ी ही स्वीकार्य हैं । विश्वविद्यालय परिसर या छात्रावास में छात्र-छात्राएं सजगता पूर्वक इस बात का ध्यान रखें कि वस्त्रों के रूप में भारतीय परिधान का ही प्रयोग करें । भड़कीले एवं अशोभनीय पश्चिमी पहनावा स्वीकार्य नहीं हैं।
29. योग एवं खेल-कूद के समय विश्वविद्यालय से प्रदत्त व निर्धारित ट्रैक सूट, टी-शर्ट आदि ही धारण करें तथा यज्ञ में व विशेष पर्वों पर उत्तरीय व कटिवस्त्र धारण करें। छात्राएं सलवार-कुर्ता अथवा साड़ी धारण करें।
30. अन्तेवासियों को निर्देशित किया जाता है कि वैदिक संस्कृति के प्रतीक चिन्हों यथा-शिखा, यज्ञोपवीत (सूत्र) का पूर्ण मनोयोग से सम्मान करेगें एवं इन प्रतीकों को स्वयं धारण करने के साथ ही अन्यों को धारण करने हेतु उत्साहित करेगें।

HOSTEL RULES

University of Patanjali hostels have envisaged the creation of divine consciousness among the students according to ancient Indian Vedic Traditions and values.The motive of these guidelines is to
\the Vedic way of life in accordance to the visionary Sages, with full hope to inculcate strong leadership and discipline within our youth.

1. University of Patanjali is established with the foundation of reestablishment of Vedic Cultural heritage. So all the residents of the hostels are expected with full presence in Yoga classes and Yajna compulsively, otherwise they may attract in-disciplinary action/ fine / physical punishment.
2. Food served in the mess will be vegetarian (*Satvic*) only and will be served as:

Breakfast	:	08:00AM to 09:00AM
Lunch	:	01:00PM to 02:00PM
Dinner	:	07:30PM to 08:30PM

   Cooking, keeping or consuming Non-Vegetarian (*Tamasik*) food is strictly prohibited in campus as well as in the hostel.
3. Food will not be allowed outside the mess and any market food into the mess or in the hostel is strictly restricted.
4. Residents are not allowed to stay in the hostel during academic sessions without any pre-permission.
5. Residents will not be allowed to stay out from the hostel building from 10:00pm to 4:00 am.
6. Residents of the hostel are not allowed to move out or leave the campus without permission of the warden.
7. Use of any kind of intoxicants (betel, tobacco, *beedi*, cigarette, hookah, bear, alcohol,etc.) are strictly prohibited in the university campus as well as the hostel campus.
8. Residents are neither allowed to change their room nor exchange their rooms among others without anyauthorized permission in written.
9. Residents should not ruin the furniture, doors and walls of the hostel by pasting pictures, invalid slogans, paintings etc.
10. Only bicycle is allowed as vehicle in the campus, which should be parked in specified area only.
11. Family members, friends, relatives are not allowed in the hostel.
12. Furnitures, table, bed etc, given by the university administration should not be degraded, scribbled, removed by the students.
13. Residents have to keep cleanliness, hygiene and systematic rooms as well as campus.
14. Residents have to hang their wet clothes in the specified area and should not spread them in any public places, tables or doors.
15. Allotted roomhas to be kept safe. Otherwise it will be reissued with a fine of Rs 500 by the resident. No one is allowed to keep any duplicate keys.
16. Damage of any kind of property of the campus or the hostel has to be compensated from the penalty imposed on the resident concerned. If the identity of the convicted student will be concealed by the other residents, then they shall be charged with the original cost of the damaged property as fine.
17. Student should not misuse water and power. Be sure to lock windows, doors and switch off lights before leaving the room.
18. Electrical devices like heaters, room heaters, music players, etc are totally prohibited in the hostel rooms.
19. Rooms can be enquired and checked by the authorities at anytime and the residents are expected to cooperate.
20. Valuable jewellery, cash and expensive stuff are not allowed in hostel. Resident himself will be held responsible in case of any theft.
21. Resident's luggage and identity cards may be checked by the security if found necessary.
22. All the residents have to abide by the directions from the Warden. Residents have to ensure presence in the meetings conducted by the hostel wardens.
23. It is mandatory for the residents to inform and provide the copy of University Rules to their parents.In case of any call by the hostel office, parents should visit the hostel warden within specified time period.
24. In case of any health related symptoms or illness it is mandatory to report the hostel warden or office. It is also expected that residents should be caring towards each other in such situations.
25. Any kind of Get-together, parties, loud communication, playing music, making noise is strictly prohibited.
26. Residents have to cooperate to create a satvik and yogic atmosphere throughout the day. Silence to be strictly maintained after night prayer till the morning Yajna.
27. Use of mobile phones are restricted especially in Classrooms, Yajna, Seminars, Official meetings/gatherings etc. If found using mobile phone beyond the given time, it will be recovered along with fine or physical punishments.
28. Students have to be in the Indian wear in the campus, western wear will not be accepted, female have to be in *salwar kurta*/ saree, and male have to be in kurta pajama/ dhoti kurta.
29. During yoga or sports students have to be in the given track suit and t-shirts only, *dhoti kurta* for male and *salwar kurta* for female in special occasions, festivals, programmes and yajna will only be considered.
30. According to our Vedic culture male students have to wear *Yagyopaveet* and keep*Shikha* on the head as a religious symbol and should encourage others also for the same.

विद्यार्थियों की दिनचर्या/Daily Schedule of the Students

क्र.सं.	समय	गतिविधि	समयान्तराल
1.	प्रातः 04 बजे	प्रातः जागरण	–
2.	प्रातः 04 से 05 बजे	नित्यकर्म	01 घण्टा
3.	प्रातः 05 से 06:30 बजे	प्रयोगात्मक योग कक्षा	01:30 घण्टा
4.	प्रातः 06:30 से 07 बजे	हवन (यज्ञ)	30 मिनट
5.	प्रातः 07 से 08 बजे	स्वाध्याय	01 घण्टा
6.	प्रातः 08 से 09 बजे	प्रातराश	01 घण्टा
7.	प्रातः 09:15 से 10:15 बजे	व्याख्यान–01 / पुस्तकालय	01 घण्टा
8.	प्रातः 10 से 11 बजे	व्याख्यान–02 / पुस्तकालय	01 घण्टा
9.	प्रातः 10:45 से 11:45 बजे	व्याख्यान–03 / पुस्तकालय	01 घण्टा
10.	प्रातः 11:30 से 12:30 बजे	व्याख्यान–04 / पुस्तकालय	01 घण्टा
11.	मध्यान्ह 12:15 से 01:15 बजे	व्याख्यान–05 / पुस्तकालय	01 घण्टा
12.	मध्यान्ह 01 से 02 बजे	मध्यान्ह भोजन	01 घण्टा
13.	मध्यान्ह 02 से 03 बजे	व्याख्यान–06 / पुस्तकालय	01 घण्टा
14.	मध्यान्ह 02:45 से 03:45 बजे	व्याख्यान–07 / पुस्तकालय	01 घण्टा
15.	मध्यान्ह 03:30 से 04:30 बजे	व्याख्यान–08 / पुस्तकालय	01 घण्टा
16.	मध्यान्ह 04:30 से 05:30 बजे	विश्राम	01 घण्टा
17.	सायं 05:30 से 07 बजे	प्रयोगात्मक योग कक्षा	01:30 घण्टा
18.	सायं 07 से 07:30 बजे	विश्राम	30 मिनट
19.	सायं 07:30 से 08:30 बजे	रात्रि भोजन	01 घण्टा
20.	सायं 08:30 से 08:45 बजे	रात्रि कालीन मंत्रपाठ / छात्रावास उपस्थिति	15 मिनट
21.	सायं 08:45 से 10:15 बजे	स्वाध्याय	01:30 घण्टा
22.	रात्रि 10:15 बजे	शयन	

Sl.No.	Time	Activity	Duration
1.	04:00 AM	Wake up	-
2.	04:00 to 05:00 AM	Daily Routine/ Nitya Karma	01 Hour
3.	05:00 to 06:30 AM	Yoga Practical	01:30 Hours
4.	06:30 to 07:00 AM	Yajya / Hawan	30 Minutes
5.	07:00 to 08:00 AM	Self Study	01 Hour
6.	08:00 to 09:00 AM	Breakfast	01 Hour
7.	09:15 to 10:15 AM	TheoryLecture 1/ Library	01 Hour
8.	10:00 to 11:00 AM	Theory Lecture 2/ Library	01 Hour
9.	10:45 to 11:45 AM	Theory Lecture 3/ Library	01 Hour
10.	11:30 to 12:30 PM	Theory Lecture 4/ Library	01 Hour
11.	12:15 to 01:15 PM	Theory Lecture 5/ Library	01 Hour
12.	01:00 to 02:00 PM	Lunch	01 Hour
13.	02:00 to 03:00 PM	Theory Lecture 6/ Library	01 Hour
14.	02:45 to 03:45 PM	Theory Lecture 7/ Library	01 Hour
15.	03:30 to 04:30 PM	Theory Lecture 8/ Library	01 Hour
16.	04:30 to 05:30 PM	Rest	01 Hour
17.	05:30 to 07:00 PM	Yoga Practical	01:30 Hours
18.	07:00 to 07:30 PM	Rest	30 Minutes
19.	07:30 to 08:30 PM	Dinner	01 Hour
20.	08:30 to 08:45 PM	Ratri Kalin Mantra Path/ Hostel Attendance	15 Minutes
21.	08:45 to 10:15 PM	Self Study	01:30 Minutes
22.	10:15 PM	Good Night	

पर्व एवं पाठ्येतर गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की सूची

क्र. सं.	कार्यक्रम	तिथि
१.	जड़ी-बूटी दिवस	04.08.2021
२.	स्वतंत्रता दिवस	15.08.2021
३.	श्रावणी उपाकर्म यज्ञ	22.08.2021
४.	दीक्षारम्भ, यज्ञ	25.09.2021
५.	शारदीय नव-सस्येष्टी यज्ञ एवं विजयादशमी	15.10.2021
६.	दीपावली यज्ञ	04.11.2021
७.	पतंजलि स्थापना दिवस	05.01.2022
८.	गणतंत्र दिवस	26.01.2022
९.	वार्षिक क्रीड़ा-संगम	19.02.2022- 21.02.2022
१०.	वासंती/फाल्गुनी एवं होलिकोत्सव नव-सस्येष्टी यज्ञ	17.03.2022
११.	पतंजलि विश्वविद्यालय स्थापना दिवस	05.04.2022
१२.	राम नवमी/पूज्य स्वामी रामदेव संन्यास दीक्षा दिवस	10.04.2022
१३.	वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम	24.04.2022 – 25.04.2022
१४.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21.06.2022
१५.	गुरु-पूर्णिमा	13.07.2022

नोट : उपरोक्त सभी तिथियाँ सम्भावित हैं। विशेष परिस्थितियों में इनमें परिवर्तन संभव है।

List of Celebrations & Extra-Curricular Activities

S.No.	Event	Dates
1.	Jadi-Buti Diwas	04.08.2021
2.	Independence Day	15.08.2021
3.	Shravani Upakarm Yajya	22.08.2021
4.	Deeksharambha, Yajya	25.09.2021
5.	Shardiya Nav-Sashyeshti Yajya and Vijayadashami	15.10.2021
6.	Dipawali	04.11.2021
7.	Patanjali Sthapna Diwas	05.01.2022
8.	Republic Day	26.01.2022
9.	Annual Sports Meet	19.02.2022 - 21.02.2022
10.	Vaasanti/Falguni and Holikotsav Nav-Sashyeshti Yajya	17.03.2022
11.	Establishment Day of University of Patanjali	05.04.2022
12.	Ram Nawami/ Swami Ramdev Sanyas diwas	10.04.2022
13.	Annual Cultural Festival	24.04.2022 – 25.04.2022
14.	International Yoga Day	21.06.2022
15.	Guru-Purnima	13.07.2022

Note : All the dates are tentative and subjects to change if necessary.

रैगिंग क्या है?

छात्र-छात्राओं द्वारा कोई भी व्यवहार या कृत्य चाहे वह मौखिक, लिखित अथवा जिससे कि दूसरे व्यक्ति को परेशानी हो। छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार, शोर-गुल या अनुशासनहीनता की गतिविधियों में भाग लेना जिससे किसी को कोपन, कठिनाई, मानसिक क्षति या फिर भय अथवा उसका अंदेशा हो। किसी अन्य छात्र, कनिष्ठ छात्र से अथवा इनसे ऐसा कोई कार्य करने के लिए कहना, जो कि नही करना चाहे अथवा जिससे उसमें हीनता अथवा लज्जा का मान पैदा हो एवं उसके शारीरिक एवं मानसिक सन्तुलन पर विपरीत प्रभाव पड़े। यदि कोई भी कृत्य कनिष्ठ छात्रों की नियमित शिक्षण गतिविधि को विघ्न एवं अस्त-व्यस्त करता है, रैगिंग में शामिल है। इसके अतिरिक्त किसी कनिष्ठ छात्र की सेवाओं का शोषण करना जिससे कि उसकी नियमित शिक्षा बाधित हो। किसी से पैसे ठगना अथवा बलात् या जबरन आर्थिक व्यय का बोझ कनिष्ठ छात्र/छात्राओं पर डालना, कोई भी शारीरिक यातना अथवा यौन शौषण एवं इससे सम्बद्ध अन्य विकृत रूप जिससे कि विद्यार्थी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो अथवा कोई ऐसा कृत्य या अनुचित भाषा का प्रयोग, अणुवाक् (E-mail) पत्र प्रेषण अथवा अन्य किसी संचार माध्यमों द्वारा सार्वजनिक रूप से अपशब्द कहना, जिससे दूसरों को नीचा दिखाने व परेशान करने से आनन्द मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य जिससे कि कनिष्ठ छात्र के आत्मविश्वास अथवा मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता हो अथवा अपनी श्रेष्ठता का आभास दिखाने हेतु प्रदर्शन अथवा बल श्रेष्ठता का प्रदर्शन करना शामिल है।

रैगिंग के लिए दण्डनीय सामग्री :

1. रैगिंग के लिए उकसाना।
2. आपराधिक षड़यन्त्र करना।
3. रैगिंग करते समय अवांछित कृत्य के लिए एकत्रित होना।
4. सामाजिक शोरगुल करना।
5. सभ्य एवं नैतिक मूल्यों का हनन।
6. शरीर को चोट पहुंचाना अथवा घातक प्रहार करना।
7. किसी को गलत नियत से रोकना या बन्दी बनाना।
8. आपराधिक बल का प्रयोग।
9. आक्रामक प्रहार करना अथवा यौन व अप्राकृतिक कृत्य।
10. पैसे ठगना।
11. किसी स्थान पर आपराधिक रूप से प्रवेश करना।
12. सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षति पहुंचाना।
13. आपराधिक कृत्यों के लिए उकसाना।
14. उपरोक्त दिये गये किसी भी अपराध को पीड़ित व्यक्ति पर करने की कोशिश करना।
15. शारीरिक एवं मानसिक तौर से अपमानित करना।
16. रैगिंग की परिभाषा में निहित उपरोक्त सभी कृत्य दण्डनीय होंगे।

विशेष: रैगिंग से प्रभावित छात्र-छात्राएं निम्नलिखित नम्बरों पर तुरन्त सूचना दें:

संकायाध्यक्ष	-	9897000998	**सहायक कुलानुशासक**	-	9897907777
पुरुष छात्रावास अधीक्षक	-	9313186405	**सहायक कुलानुशासिका**	-	9760028061
महिला छात्रावास अधीक्षिका	-	9760000163			

What is Ragging?

Any conduct whether by words spoken or written or by an act which has the effect of harassing, teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging in rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the student to do any act or perform something which such student will not in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of a fresher or a junior student. The conduct includes but is not restricted to any act by a senior student that prevents, disrupts or disturbs the regular academic activity of any other student for completing the academic tasks assigned to an individual or a group of student; any act of financial extortion or forceful expenditure burden put on a fresher or any other students by student; any act of physical abuse including all variants of it : sexual abuse, homosexual assaults, stripping, forcing obscene and lewd acts, gestures, causing bodily harm or any other danger to health or person: any act or abuse by spoken words, emails, post, public insults which would also include deriving perverted pleasure, "vicarious or sadistic thrill from activity or passively participating in the discomfiture to fresher or any other students any act that affects the mental health and self-confidence of a fresher or any other student with or without an intent to derive a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by a student over any fresher or any other student"

Punishable ingredients of Ragging:-

1. Abetment to ragging;
2. Criminal conspiracy;
3. Unlawful assembly and rioting while ragging;
4. Creation of Public nuisance;
5. Violation of decency and morals through ragging;
6. Injury to body, causing hurt or grievous hurt;
7. Wrongful restraint and confinement;
8. Use of criminal force;
9. Assaults as well as sexual offences or even unnatural offences;
10. Extortion;
11. Visiting a place with wrongful intent;
12. Offences against property;
13. Inciting others to commit crimes;
14. Attempts to commit any or all of the above mentioned offences against the victim(s)
15. Physical or psychological humiliation.
16. All other offences following from the definition of "Ragging"

Note : The students who are affected with Ragging, may inform officers on following numbers :

Dean Academics	**-**	**9897000998**	**Asst. Proctor for Male**	**-**	**9897907777**
Male Hostel Warden	**-**	**9313186405**	**Asst. Proctor for Female**	**-**	**9760028061**
Female Hostel Warden	**-**	**9760000163**			

पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोगी सेवा प्रकल्प

सहयोगी सेवा प्रकल्प

- पतंजलि योग समिति
- महिला पतंजलि योग समिति
- भारत स्वाभिमान
- हाम्रो स्वाभिमान
- युवा भारत
- पतंजलि किसान सेवा समिति
- दिव्य प्रकाशन

पतंजलि समूह के शैक्षणिक प्रकल्प

- वैदिक गुरुकुलम्
- वैदिक कन्या गुरुकुलम्
- आचार्यकुलम शिक्षण संस्थान
- बाल गुरुकुलम्
- पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज
- भारतीय शिक्षा बोर्ड

पतंजलि समूह के महत्त्वपूर्ण स्थल

- पतंजलि हर्बल गार्डन
- पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क
- योगग्राम एवं निरामयम
- ध्यान केन्द्र, गंगोत्री
- योग भवन

पतंजलि रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं पतंजलि रिसर्च फाउन्डेशन

इन संस्थानों के माध्यम से विश्वस्तरीय अनुसंधान का कार्य पूर्ण प्रामाणिकता से किया जा रहा है। विश्व में पहली बार एनिमल ट्रायल से लेकर ह्यूमन ट्रायल तक एविडेंस बेस्ड मेडिसिन की ड्रग डिस्कवरी के प्रामाणिक कार्य का संपादन यहाँ से हो रहा है। इसमें 500 वैज्ञानिक, 1000 से अधिक डॉक्टर्स व स्कालर्स, सैकड़ों शिक्षाविद आचार्यों व विद्वान संन्यासी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। अब तक 100 से अधिक शोध पत्र पतंजलि की ओर से इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं।

दिव्य फार्मेसी एवं पतंजलि आयुर्वेद

आयुर्वेद चिकित्सा की बढ़ती लोकप्रियता में बहुत बड़ा योगदान पतंजलि समूह का रहा है। दिव्य फार्मेसी एवं पतंजलि आयुर्वेद में सुरक्षा परीक्षण व नैदानिक परीक्षण के पश्चात् आयुर्वेदिक औषधियों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण किया जाता है। यहाँ औषधि निर्माण हेतु आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित तकनीक के साथ-साथ नवीन अनुसंधान आधारित साक्ष्यों का उपयोग किया जाता है।

Associated Service Initiatives

- Patanjali Yoga Samiti
- Mahila Patanjali Yoga Samiti
- Bharat Swabhiman
- Hamro Swabhiman
- Yuva Bharat
- Patanjali Kisan Sewa Samiti
- Divya Prakashan

Educational Organization of Patanjali Group

- Vedic Gurukulam
- Vedic Kanya Gurukulam
- Acharyakulam School
- Bal Gurukulam
- Patanjali Ayurveda College
- Bhartiya Shiksha Board

Important Place of Patanjali Group

- Patanjali Herbal Garden
- Patanjali Food and Herbal Park
- Yog Gram and Niramyam
- Meditation Center, Gangotri
- Yog Bhawan

Patanjali Research Institute and Patanjali Research Foundation

These institutes have been carrying out research on global standards. Ayurveda Drug Discovery and their randomized controlled trials on animals and humans are ongoing first time in the world. 500 scientists, more than 1000 scholars, hundreds of educated ascetics are serving for the same. Patanjali has published over 100 research papers in international journals.

Divya Pharmacy and Patanjali Ayurved

Divya Pharmacy and Patanjali Ayurved have been a major contributors to the growing popularity of Ayurveda medicine. Quality testing of Ayurvedic medicines is done in the Divya Pharmacy and Patanjali Ayurveda after safety and diagnostic tests. These companies are using modern and classical Ayurveda based evidance to manufacture medicines.

छात्र-छात्राओं द्वारा स्थापित कीर्तिमान

विश्वविद्यालय के छात्र/छात्रओं द्वारा विभिन्न आयु-वर्ग एवं भार-वर्ग में अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा सम्मान व पारितोषिक प्राप्त किये। अनेक विद्यार्थियों ने अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान भी स्थापित किये है

1.	आचार्य फूलचंद्र जी	-	गोमुखासन- 9 घण्टे 11 मिनट
2.	कुलदीप सैनी	-	समस्त दण्ड 6 घण्टे में 10832 आवृत्ति
3.	रवि व्योम शंकर झा	-	पद्म शीर्षासन 39 मिनट 30 सेकण्ड
4.	देवेन्द्र	-	सूर्य नमस्कार 8 घण्टे में 4042 आवृत्ति
5.	विभा रानी	-	सूर्य नमस्कार 1 घण्टे में 2100 आवृत्ति
6.	ऋचा	-	सूर्य नमस्कार 1 घण्टे में 477 आवृत्ति
7.	आदित्य सिंह	-	समस्त दण्ड 1 मिनट में 157 आवृत्ति
8.	मदन मोहन	-	वृक्षासन, 48 मिनट 30 सेकण्ड
9.	ओमिका निषाद	-	सूर्य नमस्कार 8 घण्टे में 3123 आवृत्ति
10.	हर्षम	-	समस्त दण्ड 1 मिनट में 73 आवृत्ति
11.	कुलदीप सैनी	-	समस्त दण्ड 1 घण्टे में 3147 आवृत्ति
12.	दिनेश कुमार	-	तीव्रतम 1000 अर्द्धदण्ड, 12 मिनट में
13.	मनीषा कुमावत	-	शीर्षासन, 51 मिनट
14.	जागृति	-	सूर्य नमस्कार 1 घण्टे में 487 आवृत्ति
15.	चंद्र मोहन नेगी	-	सूर्य नमस्कार 8 घण्टे में 4488 आवृत्ति
16.	गायत्री	-	शीर्षासन, 1 घण्टा 3 मिनट
17.	चंद्र मोहन नेगी	-	सूर्य नमस्कार 1 घण्टे में 559 आवृत्ति

गोल्डन बुक आफॅ वर्ल्ड रिकार्ड - २०२०

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020 के शुभावसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के छात्र–छात्राओं ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपना नाम स्वर्णाक्षरों में 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' हेतु अंकित करा कर विश्वविद्यालय की कीर्ति को विश्व पटल पर स्थापित किया –

पुष्कर
बी.एस–सी.
(योग विज्ञान) अन्तिम वर्ष
वस्त्र धौति (40ft 10'')
01 मिनट, 11 सेकेण्ड

सर्वजीत सिंह
बी.ए. योग, अन्तिम वर्ष
पद्म मयूर आसन
02 मिनट 50 सेकेण्ड

रिद्धि महेश्वरी
बी.ए. योग अन्तिम वर्ष
सुप्त हनुमानासन
40 मिनट 43 सेकेण्ड

सोनित कुमार
बी.ए. योग अन्तिम वर्ष
सुप्त पद्मासन
01 घण्टा 15 मिनट

ओलम्पिया मुखर्जी
बी.ए. योग अन्तिम वर्ष
राजकपोतासन
02 घण्टे 30 सेकेण्ड

Science Block

Faculty of Oriental Studies

Auditorium

Amphitheatre

Research Hostel

Guest House

Canteen

Hostel

YAMA

NIYAMA

ASANA

PRANAYAMA

PRATYAHARA

DHARNA

DHYANA

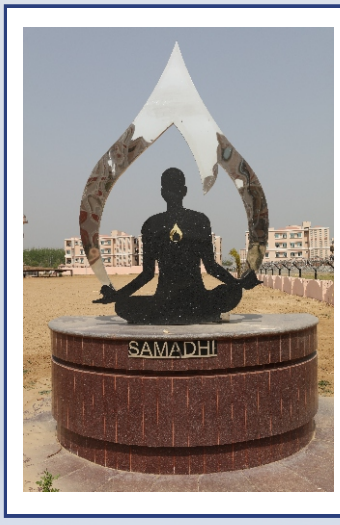
SAMADHI

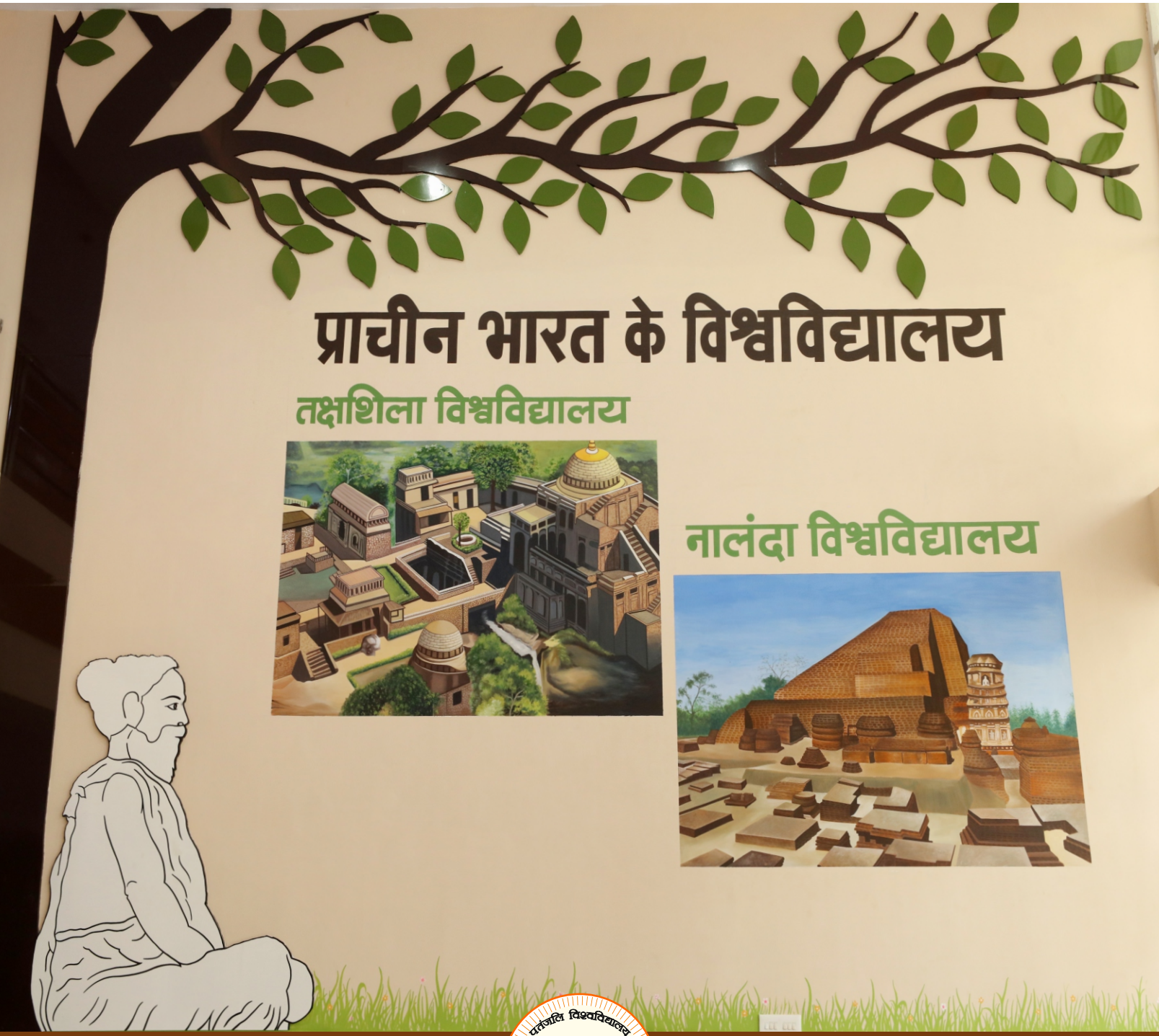

पतंजलि विश्वविद्यालय

UNIVERSITY OF PATANJALI

Delhi-Haridwar National Highway, Near Bahadrabad, Haridwar- 249405
Phone: 01334-273600 | Mobile : 9760095219, 9520984211, 9520984212
Email: admission@uop.edu.in | Web: www.universityofpatanjali.com